THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 168 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.6/7 2082 शनिवार, 13 सितंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 12 मूल्य : 8 रुपये

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT **GACHIBOWLI** Ph: 9289220863, RENAULT **HITECH CITY** Ph: 9311733970, RENAULT **KUKATPALLY** Ph: 7067322620, RENAULT **LB NAGAR** Ph: 9311700671. RENAULT **KARIMNAGAR** Ph: 9582305983. RENAULT **KHAMMAM** Ph: 8527234093. RENAULT **MAHBUBNAGAR** Ph: 9289995319. RENAULT **NIZAMABAD** Ph: 9311700672. RENAULT **SHADNAGAR** Ph: 9311700675.

बाढ़ और आतंकवाद पीड़ित परिवारों को मिलेंगे मुफ्त घर' एलजी मनोज सिन्हा ने कहा

श्रीनगर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी गोलाबारी, बाढ़ और आतंक पीड़ितों को चिंता करने की जरूरत नहीं। उन्हें तीन बेडरूम वाला स्मार्ट हाउस दिया जाएगा। इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जम्मू व कश्मीर के मंडलायुक्तों और हाई रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस इंडिया) के बीच वीरवार को राजभवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की मौजूदगी में एक करार हुआ है। एचआरडीएस इंडिया पूरे प्रदेश में तीन बेडरूम वाले 1500 स्मार्ट हाउस बनाएगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की पहल पर समझौता ज्ञापन पर दोनों पक्षों ने हस्ताक्षर किए। एलजी कहा कि घरों का निर्माण केवल ढांचा खड़ा करने से कहीं अधिक है।

ये स्मार्ट हाउस प्रभावित परिवारों के सपनों को साकार करने, एक नई शुरुआत करने और उनके जीवन में एक नया अध्याय जोड़ने की पहल है। मानवीय क्षति इतनी गहरी और विनाशकारी है कि उसका आकलन नहीं किया जा सकता लेकिन यह पहल निश्चित रूप से उनके दुखों को कम करेगी। समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान एलजी के प्रधान सचिव डॉ। मंदीप के भंडारी, एचआरडीएस इंडिया के संस्थापक सचिव अजी कृष्णन, प्रशासक सरिता पी मेनन, कॉर्पोरेट प्रायोजन निदेशक स्वराज कुमार और एचआरडीएस इंडिया के ग्लोबल इनिशिएटिव्स के अध्यक्ष संजीव भटनागर मौजूद रहे।

एमपी में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट नहीं

भोपाल, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन तक भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत प्रदेश में हल्की बारिश का दौर जरूर रह सकता है। 15-16 सितंबर से नया सिस्टम बनने के बाद फिर से पूरे प्रदेश में तेज बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में जितने भी सिस्टम एक्टिव है, वे प्रदेश से काफी दूर है। इस वजह से तेज बारिश होने के आसार नहीं है। 15-16 सितंबर से सिस्टम नजदीक आएंगे। इससे फिर से बारिश होने लगेगी।

प्रदेश में अब तक औसत 41.6 इंच बारिश हो चुकी है, जो कोटे से 10 प्रतिशत अधिक है। 30 से ज्यादा जिलों में सामान्य बारिश का कोटा फुल हो चुका है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग में हाल बुरे हैं। 15 में से 5 जिले-खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, शाजापुर और बड़वानी में 27 इंच पानी भी नहीं गिरा है।

गुब्बारे बेचने वाले निकले चोर
फिल्म डायरेक्टर के बंगले में घुसे आंख खुलने पर मचाया शोर उल्टे पांव हुए फरार

इंदौर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर में रात असिस्टेंट फिल्म डायरेक्टर का काम करने वाली युवती के घर चोरी की कोशिश का मामला सामने आया। मामले में चोरों ने उसके घर में खिड़की तोड़कर प्रवेश किया और चोरी की घटना को अंजाम देने का प्रयास किया। हालांकि इसी दौरान उसकी आंख खुल गई और उसने सोर मचा दिया, जिससे चोर मौके से फरार हो गए। घटना उस समय हुई जब स्नेहा अपनी मां के साथ घर पर मौजूद थीं, जबकि उनके पिता इलाज के सिलसिले में बाहर गए हुए थे।

शिकायत के बाद पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला इंदौर के तुकोगंज थाना क्षेत्र का है। असिस्टेंट फिल्म डायरेक्टर का नाम स्नेहा अग्रवाल है। जानकारी के मुताबिक, देर रात अचानक घर में लाइट जलने की आवाज से स्नेहा की नींद खुली। उन्होंने देखा कि दो अज्ञात युवक घर के भीतर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। युवती के शोर मचाने पर दोनों बदमाश मौके से भाग निकले। स्नेहा ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। शिकायत दर्ज होने पर तुकोगंज पुलिस ने मामले पर जांच शुरू की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

किशोरी को देह व्यापार में धकेलने वाले दंपती गिरफ्तार होटलों में ऐसे चल रहा था रैकेट

बाहरी दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में 14 वर्षीय किशोरी को नौकरी का झांसा देकर वेश्यावृति में धकेलने के मामले में जहांगीरपुरी पुलिस ने एक दंपती समेत एक उसके साथी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने किशोरी को हरियाणा के रोहतक स्थित होटलों में बंधक बनाए रखा, जहां कई लोगों ने पीड़िता से दुष्कर्म किया। जहांगीरपुरी पुलिस को इसकी जानकारी मिलने पर आरोपितों के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

पुलिस सूत्रों के के मुताबिक, किशोरी की दोस्ती 18 महीने पहले जहांगीरपुरी में रहने वाली एक महिला से हुई थी। महिला ने तीन-चार महीने पहले किशोरी को उसे रोहतक निवासी एक महिला और उसके पति से मिलवाया। दंपती ने उसे इवेंट से जुड़े काम का झूठा वादा किया, किशोरी महिला पर भरोसा कर उसके साथ रोहतक गई, जहां उसे दो होटलों में बंधक बनाकर रखा गया। कई पुरुषों ने उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया। किशोरी अगस्त की शुरुआत में भागने में सफल रही। यहां से भागने के बाद किशोरी उत्तर प्रदेश स्थित अपने गांव पहुंची। बाद में वह जहांगीरपुरी लौट आई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जहांगीरपुरी थाना प्रभारी सतविंदर सिंह के नेतृत्व वाली एक टीम ने गिरफ्तारियां कीं पुलिस जांच में पता चला कि दंपती पिछले दो-तीन सालों से यह रैकेट चला रहे थे।

सच की हमेशा जीत होती है
एससी से क्लीन चिट मिलने पर बोले बिजनेस कोच विवेक बिंद्रा

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मोटिवेशनल स्पीकर और बिजनेस कोच डॉ विवेक बिंद्रा और उनकी कंपनी बड़ा बिजनेस प्रा. लि. को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ दर्ज सभी मुकदमों को खारिज करते हुए उन्हें क्लीन चिट दे दी है। इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई को समाप्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर विवेक बिंद्रा ने प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने फैसले पर खुशी जताई और कहा कि सच की हमेशा जीत होती है।

यह फैसला केवल मेरी नहीं बल्कि उन लाखों उद्यमियों और युवाओं की जीत है जिन्होंने हमारा साथ दिया। विवेक बिंद्रा ने यह भी कहा कि अब हम और अधिक ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करेंगे।

आपको बता दें कि हाल के महीनों में डॉ। बिंद्रा और उनकी कंपनी पर कई आरोप लगाए गए थे। लेकिन सभी सबूतों और दलीलों की बारीकी से जांच करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि आरोप निराधार हैं। कोर्ट ने सभी मामलों को खारिज कर दिया। इस मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने की थी, जिसने बाद में बिंद्रा और उनकी कंपनी को क्लीन चिट दे दी गई।

दिल्ली की अदालतों के साथ-साथ हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार की राज्य अदालतों ने भी उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर खारिज कर दी है। पिछले कुछ सालों से बिंद्रा और उनकी कंपनी को देश के अलग-अलग हिस्सों में कई शिकायतों का सामना करना पड़ रहा था। कई लोगों ने उन पर अपने बिजनेस प्रोजेक्ट्स के ज़रिए ज़्यादा कमाई का झूठा वादा करने का आरोप लगाया था।

केदारनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या 15 लाख पार

देहरादून, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में मौसम में सुधार आने के बाद केदारनाथ धाम में एक बार फिर से पहले जैसी रौनक लौटने लगी है। बाबा के दर्शनों ने लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। केदारनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु का आंकड़ा अब तक 15 लाख के पार पहुंच गया है। मौसम के साफ होने के बाद बड़ी संख्या में भक्तों का केदारनाथ धाम पहुंचना शुरू हो गया है। ऐसे में स्थानीय व्यापारियों में भी खुशी देखने को मिल रही हैं।

भक्तों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने भी व्यवस्थाएं बढ़ा दी हैं। श्राद्ध पक्ष शुरू होने से बाबा केदार के दरबार में रौनक देखने को मिल रही है। लम्बे समय बाद भक्त दर्शनों के लिए लाइन में लगकर इंतजार कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अभी हेलीकाप्टर सेवा शुरू नहीं हुई है और भक्त घोड़े-खच्चर, डंडी-कंडी का सहारा लेने के साथ ही पैदल चलकर बाबा केदार के दरबार में पहुंच रहे हैं। धीरे-धीरे अब मौसम साफ होने लगा है। मौसम साफ होते ही बाबा केदार की यात्रा ने भी रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है।

लम्बे समय बाद धाम में बाबा केदार के दर्शनों के लिए लाइन लग रही है। इस बीच बरसाती सीजन में जहां कई दिनों तक यात्रा बाधित रही, वहीं भक्तों को कई तरह की मुश्किलों से भी दो चार होना पड़ा था। केदारनाथ यात्रा अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लग गई है। श्राद्ध पक्ष भी शुरू हो गए हैं ऐसे में भक्तों की संख्या अधिक बढ़ रही है। लम्बे समय बाद बाबा केदार का दरबार भक्तों के जयकारों से गुंजायमान हो रखा है।

भाजपा नेता अन्नामलाई ने थालापति विजय पर बोला हमला
कहा- 'वह सिर्फ वीकेंड पर ही राजनीतिक रूप से सक्रिय होते हैं'

चेन्नई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने तैयारियों को तेज कर दिया है। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार थालापति विजय ने भी अपनी पार्टी बना ली है और साल 2026 के विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने का ऐलान कर दिया है। विजय समय-समय पर राज्य की सत्ताधारी दल डीएमके और केंद्र की सत्ता में भाजपा (एनडीए) पर निशाना साधते रहते हैं। वहीं, अब तमिलनाडु भाजपा के प्रमुख नेता के अन्नामलाई ने भी विजय पर बड़ा हमला बोला है। भारतीय जनता पार्टी नेता और के अन्नामलाई ने विजय पर निशाना साधते हुए कहा है कि एक्टर-राजनेता विजय अपनी पार्टी टीवीके को डीएमके का विकल्प नहीं कह सकते हैं।

ऐसा इसलिए क्योंकि विजय सिर्फ वीकेंड पर राजनीतिक रूप से सक्रिय होते हैं। लेकिन राजनीति के लिए चौबीसों घंटे समर्पण की जरूरत होती है। अन्नामलाई ने आगे कहा कि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता पूरे साल सक्रिय रूप से मैदान पर होते हैं। इसलिए भाजपा ही डीएमके का विकल्प बनेगी। अन्नामलाई ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा- ''यहां तक कि विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के नेता के पलानीस्वामी भी राज्य भर में सक्रिय रूप से घूम रहे हैं और विभिन्न जिलों में रैलियों को संबोधित कर रहे हैं।

आदिवासी युवती को छेड़ा युवक को चप्पलों से पीटा

इंदौर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के मूसाखेड़ी में आदिवासी युवती से छेड़छाड़ और मोबाइल पर मैसेज भेजकर परेशान करने के मामले में हिंदूवादी संगठन (बजरंग दल के कार्यकर्ता रहे) के नेताओं ने एक युवक को पकड़ा और युवती से चप्पलों से पिटवाया और खुद भी पीटा। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर युवक से पूछताछ शुरू कर दी है। उसके मोबाइल में इंस्टाग्राम आईडी से कई लड़कियों के चैट मिली हैं।

आजाद नगर पुलिस ने बताया कि सीहोर जिले के नसरुल्लागंज (भेरुंदा) के सेमलपानी निवासी शादाब अली पिछले 15 दिनों से युवती को परेशान कर रहा था। उसने किसी साथी से युवती का मोबाइल नंबर लिया और फिर युवती को अश्लील मैसेज, वीडियो भेजकर परेशान कर रहा था। युवती से उसका फोटो भी मांग रहा था। हिंदूवादी नेता मानसिंह राजावत के मुताबिक करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष सहेंद्र दीक्षित ने उन्हें इसकी जानकारी दी।

पूर्व मंत्री प्रफुल्ल कुमार मलिक बीजद से निलंबित
पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए कार्रवाई

भुवनेश्वर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बीजू जनता दल (बीजद) ने शुक्रवार को ओडिशा के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल कुमार मलिक को पार्टी विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए निलंबित कर दिया। पार्टी की यह कार्रवाई बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक के करीबी माने जाने वाले मलिक के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर क्षेत्रीय संगठन ठीक से काम नहीं करता है तो वह पार्टी छोड़ सकते हैं।

बीजद उपाध्यक्ष (मुख्यालय) प्रताप जेना ने एक आदेश में कहा, 'प्रफुल्ल कुमार मल्लिक, पूर्व विधायक कामाख्यानगर, जिला- ढेंकनाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए तत्काल प्रभाव से बीजू जनता दल से निलंबित किया जाता है।' ओडिशा के पूर्व मंत्री प्रफुल्ल कुमार मल्लिक को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल

होने के कारण शुक्रवार को बीजू जनता दल से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन कुछ सदस्यों की नाराजगी के बीच हुआ है। पार्टी के दो नेताओं एन भास्कर राव और लाल बिहारी हिमिरिका ने कुछ दिन पहले पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफों के बाद चार बार विधायक रह चुके मल्लिक ने भी पार्टी छोड़ने की बात कही थी। इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता श्रीकांत कुमार जेना ने उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूर रहने के बीजू जनता दल (बीजद) के फैसले पर निशाना साधा और नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय पार्टी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया। जेना ने तर्क दिया कि बीजद ने मतदान प्रक्रिया में भाग न लेकर एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए जीत दिलाने में मदद की।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बीजू जनता दल (बीजद) ने उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से परहेज किया, जबकि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी मतदान में भाग नहीं लेने का फैसला किया था। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने घोषणा की थी कि वह चुनाव का बहिष्कार करेगा, क्योंकि पंजाब के लोग केंद्र और राज्य सरकार से कोई मदद न मिलने से परेशान और नाराज हैं।

'आपने मसाला लगाया', सुप्रीम कोर्ट से कंगना रनौत को बड़ा झटका, वापस लेनी पड़ी याचिका

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। बॉलीवुड अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इन्कार किया है। किसान आंदोलन से जुड़े मामले पर कंगना ने अपनी याचिका वापस ले ली है।

कोर्ट ने कहा कि हम आपकी ट्वीट पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे इससे ट्रायल पर असर पडेगा। ये सिर्फ एक साधारण री ट्वीट नहीं था इसमे आपकी टिप्पणी भी शामिल थी। कंगना रनौत द्वारा 2020-21 में किसान आंदोलन के दौरान की गई मानहानि टिप्पणी के चलते पंजाब में दर्ज केस को रद्द करने की मांग की

थी। कंगना के खिलाफ मानहानि की यह शिकायत 2021 में पंजाब के बठिंडा कोर्ट में 73 साल की महिंदर कौर ने दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि कंगना ने रिट्वीट में उनके खिलाफ मानहानि करने वाले आरोप लगाए है। कंगना ने अपने रिट्वीट में महिंदर कौर की फोटो वाले ट्वीट को रिट्वीट कर ळ कहा था कि ये वही बिलिकिस बानो दादी है,जो शाहीन बाग प्रदर्शन का हिस्सा थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कंगना की याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए, इसे वापस लेने की सलाह दी, जिसे याचिकाकर्ता ने स्वीकार कर लिया।

इस प्रकार याचिका वापस ली गई मानी गई और खारिज कर दी गई। जैसे ही सुनवाई शुरू हुई, न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने ट्वीट में की गई टिप्पणियों को लेकर आपत्ति जताई और कहा, 'यह सिर्फ एक साधारण रीट्वीट नहीं था। आपने अपनी टिप्पणियां जोड़ी थीं। आपने इसमें मसाला लगाया है।' जब कंगना की ओर से वकील ने तर्क दिया कि उन्होंने स्पष्टीकरण दिया है, अदालत ने स्पष्ट किया कि यह स्पष्टीकरण निचली अदालत में दिया जा सकता है। वकील ने यह भी कहा कि कंगना पंजाब में यात्रा नहीं कर सकतीं, जिस पर पीठ ने सुझाव दिया कि वह व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए छूट मांग सकती हैं।

कोर्ट ने लगाई फटकार

जैसे ही वकील ने आगे बहस करने की कोशिश की, अदालत ने चेतावनी दी कि इससे उन्हें प्रतिकूल टिप्पणियां झेलनी पड़ सकती हैं, जिससे उनके बचाव पक्ष को नुकसान पहुंच सकता है। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, 'हमें ट्वीट में की गई बातों पर टिप्पणी करने के लिए मजबूर न करें। इससे आपकी सुनवाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपके पास एक ठोस बचाव हो सकता है।'

पिछले 2 साल में 300 से अधिक शेरों की मौत

अहमदाबाद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात में पिछले दो सालों में 300 से अधिक शेरों की मौत हुई है। प्रदेश के वन मंत्री मुलुभाई बेरा ने राज्य विधानसभा को बताया कि पिछले दो वर्षों में राज्य में कम से कम 307 शेरों की मौत हुई है और इनमें से 41 की मौत अप्राकृतिक कारणों से हुईं। प्रश्नकाल के दौरान आम आदमी पार्टी के विधायक उमेश मकवाना द्वारा उठाए गये सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शेरों की अप्राकृतिक मौतों को रोकने के लिए इन दो वर्षों के दौरान विभिन्न उपाय करने पर 37.35 करोड़ रुपये खर्च किए।

वन मंत्री मुलुभाई बेरा ने सदन को बताया, "अगस्त 2023 और जुलाई 2024 के बीच 141 शेरों की मौत हुई, जबकि अगस्त 2024 और जुलाई 2025 के बीच 166 शेरों की मौत की सूचना मिली। इन 307 शेरों में से 41 अप्राकृतिक कारणों से मारे गए।" उन्होंने यह भी बताया कि 20 शेरों की

मौत कुओं में गिरने से हुई, जबकि 9 अन्य जलाशयों में डूब गये। गुजरात के मंत्री ने जानकारी देते हुए आगे बताया, "अन्य कारणों में प्राकृतिक आपदा (दो शेर), सड़क दुर्घटना (दो), ट्रेन से कुचलकर (पांच) और बिजली का झटका लगने से (तीन) शामिल हैं।" मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शेरों की अप्राकृतिक मौतों को रोकने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जैसे विभिन्न स्थानों पर जंगली जानवरों के उपचार के लिए केंद्र स्थापित करना, जानवर के डॉक्टरों की नियुक्ति करना और शेरों के समय पर उपचार के लिए एम्बुलेंस सेवा शुरू करना शामिल है।

सिंधिया एपिसोड से उठे विवाद के बीच
कमलनाथ से मिले दिग्विजय सिंह, कहा- 'छोटे मोटे मतभेद रहे हैं

भोपाल, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार (12 सितंबर) को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के साथ मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर दोनों की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि उनके और कमलनाथ के बीच लगभग 50 वर्षों से पारिवारिक और राजनीतिक संबंध रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा, उनके राजनीतिक जीवन में उतार-चढ़ाव आए हैं, जो स्वाभाविक हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि छोटे-मोटे मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद कभी नहीं हुए। दिग्विजय सिंह ने अपने पोस्ट में लिखा कि कल उनकी कमलनाथ से मुलाकात हुई और दोनों नेताओं ने जनता के हित में कांग्रेस के नेतृत्व में मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

उन्होंने यह भी कहा कि दोनों नेताओं को कांग्रेस ने हमेशा नेतृत्व के अवसर दिए और जनता का प्यार भी हमेशा मिला। यह मुलाकात उन राजनीतिक घटनाओं के पीछे के संकेतों को उजागर करती है जो मार्च 2020 में हुई थी। उस समय कमलनाथ की कांग्रेस सरकार गिर गई थी और पार्टी के भीतर गहरी खींचतान पैदा हो गई थी। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर सरकार गिराने के लिए जिम्मेदारी का आरोप लगाया था। अब दिग्विजय सिंह की पोस्ट यह संकेत देती है कि पार्टी पुराने विवादों को पीछे छोड़कर एकजुटता की नई तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रही है। विश्लेषकों का मानना है कि दोनों नेताओं द्वारा साझा की गई यह तस्वीर कांग्रेस के खोई हुई साख को वापस पाने की कोशिश है। हालांकि, पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच यह धारणा अभी भी बनी हुई है कि उनके आपसी टकराव और अहंकार ने 2020 में कांग्रेस की सत्ता खोने में अहम भूमिका निभाई। इस पोस्ट से यह भी स्पष्ट होता है कि दोनों नेता अब राजनीतिक तौर पर हाशिए पर हैं और उनकी सक्रियता पार्टी के व्यापक हित में सीमित दिखाई देती है।

'100 फोन किए, एक बार नहीं उठाया'
जींद में विधायक विनेश फोगाट के दौरे पर भड़के सरपंच प्रतिनिधि

जींद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद जिले के जुलाना से कांग्रेस विधायक और पूर्व रेसलर विनेश फोगाट को अपने हलके के दौरे के दौरान तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। बरसात के बाद खेतों में भरे पानी की स्थिति देखने पहुंचीं विनेश को गांव बुआना में सरपंच प्रतिनिधि और ग्रामीणों के गुस्से का शिकार होना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप था कि जब खेतों में पानी भरा हुआ था और फसलें डूब रही थीं, तब उन्होंने विधायक को कई बार फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। सरपंच प्रतिनिधि सुधीर ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, "जब खेतों में पानी भरा था, तब हमने 100 से ज्यादा बार फोन किया।

आपने एक भी कॉल नहीं उठाया। अब जब 75% पानी उतर गया, तो दौरे का क्या फायदा?" विवाद उस समय और बढ़ गया जब सुधीर ने आरोप लगाया कि जुलाना के लोगों के साथ वोटों की ठगी₹ हुई है। इस पर विनेश फोगाट भड़क गईं और पलटकर बोलीं, "तो क्या अब मेरा भूत आया है?" इसके बाद दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। हालात बिगड़ते देख गांव के कुछ लोगों को बीच-बचाव करना पड़ा। ग्रामीणों ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि चुनाव जीतने के बाद यह विनेश का पहला दौरा था। उनका कहना था कि जब किसानों को सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब विधायक कहीं दिखाई नहीं दीं।

ऊंट के जरिए शराब की तस्करी
पुलिस भी हैरान, 42 पेटी शराब जब्त

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने ऊंट के जरिए शराब की तस्करी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो एकदम नए अंदाज में दिल्ली के शराब की तस्करी कर रहा था। इस ग्रुप के तस्कर ऊंटों का इस्तेमाल कर दक्षिण दिल्ली में जंगल के रास्ते शराब लाते थे। पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों के पास से शराब के 42 डिब्बे और तीन ऊंट जब्त किए गए हैं। एक अधिकारी ने कहा, ''तस्करों ने चौकियों और गश्ती दलों से बचने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया था। वे शराब के डिब्बों को ऊंटों पर लादकर उन्हें जंगली इलाकों और कच्चे रास्तों से ले जाते थे, जिससे उनका पता लगाना मुश्किल हो जाता था।''इस गिरोह के 5 तस्करों पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना ये गिरोह ऊंट के जरिए दिल्ली में हरियाणा में बनी शराब की तस्करी दिल्ली में कर रहे थे। इनके पास से 42 पेटी शराब शराब जब्त की गई है। ये तस्कर फरीदाबाद से जंगल के रास्ते दिल्ली में घुसते थे और शराब की तस्करी करते थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऊंटों का इस्तेमाल अधिकतर रात के समय किया जाता था, ताकि शराब की खेप को चुपचाप एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जा सके।

फिर कड़क कैप्टन बने सीएम फडणवीस
नगर निगमों को अब सिर्फ आईएएस ही संभालेंगे

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति सरकार की अगुवाई कर रहे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कड़क अंदाज सामने आया है। मुख्यमंत्री ने एक बड़े आदेश में कहा है कि राज्य के नगर निगमों का नेतृत्व केवल आईएएस अधिकारी ही करेंगे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मीरा-भाईंदर के पूर्व आयुक्त दिलीप ढोले और वसई-विरार के पूर्व आयुक्त अनिल पवार सहित छोटे नगर निगमों में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामलों की बाढ़ आने के बाद यह फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शहरी विकास विभाग को नियमों में बदलाव

करने का निर्देश दिया है ताकि राज्य के 29 नगर निगमों के आयुक्त केवल आईएएस अधिकारी ही नियुक्त किए जाएं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जल्द ही राज्य के नगर निगमों में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है। महाराष्ट्र के ज्यादातर नगर निगम प्रशासकों के हवाले हैं, क्योंकि इलेक्टेड विंग का कार्यकाल पूरा हो चुका है। कुछ साल पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शासित कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने 14 नगर निगमों को आईएएस-कैडर के अधिकारियों के नेतृत्व में अधिसूचित किया था।

इनमें मुंबई, ठाणे, पुणे, नागपुर, कोल्हापुर, कल्याण-डोंबिवली और वसई-विरार शामिल हैं। इस आदेश के बावजूद, राज्य सरकार राज्य कैडर या मुख्य अधिकारी (सीओ) कैडर के अधिकारियों की नियुक्ति करती रही। अब मुख्यमंत्री के आदेश के बाद बाकी नगर निगमों में भी आईएएस ही कमान संभालेंगे। वे ही कमिश्नर बनेंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 168 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.6/7 2082 शनिवार, 13 सितंबर-2025 प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 12 मूल्य : 8 रुपये

ट्रंप के टैरिफ से भारत को नुकसान

लोगों की नौकरियां जा रही हैं, बोले शशि थरूर

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से लगाए गए शुल्कों का भारत पर असर पड़ा है और लोगों की नौकरियां जा रही हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को यह बात कही। थरूर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि वे स्वभाव से अस्थिर हैं और कूटनीतिक व्यवहार के पारंपरिक मानकों का सम्मान नहीं कर रहे हैं। अमेरिका ने भारत से आयातित रूसी तेल पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसमें रूसी तेल खरीदने के लिए लगाया गया 25 प्रतिशत जुर्माना भी शामिल है।

कर्नाटक में 22 सितंबर से नई जाति जनगणना का एलान

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इसकी वजह भी बताई

बेंगलूरू, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को घोषणा की कि कर्नाटक 22 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच एक नया सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण कराएगा। उन्होंने कहा कि 2015 में हुई जाति जनगणना को सरकार ने स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पिछली जनगणना के एक दशक बीत जाने के बाद समाज की वर्तमान वास्तविकताओं को समझने के लिए एक नया सर्वेक्षण आवश्यक हो गया है।

मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, समाज में कई धर्म और जातियां हैं। विविधता और असमानता भी है। संविधान कहता है कि सभी समान होने चाहिए और सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

सीपी राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति

सितंबर 2030 तक होगा कार्यकाल, इस्तीफा देने के 53 दिन बाद दिखे जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने 15वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राधाकृष्णन का कार्यकाल 11 सितंबर 2030 तक होगा।

इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और वेंकैया नायुडू भी समारोह में पहुंचे। इस्तीफा देने के 53 दिन बाद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। धनखड़ ने 21 जुलाई को हेल्थ इश्यू के कारण इस्तीफा दिया था। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को 9 सितंबर को भारत का 15वां उपराष्ट्रपति चुना गया। उन्हें विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के मुकाबले 452 वोट मिले।

राधाकृष्णन ने रेड्डी को 152 वोटों के अंतर से हराया है।

राधाकृष्णन ने एक दिन पहले राज्यपाल पद से इस्तीफा दिया :

अपनी नई जिम्मेदारी की तैयारी में राधाकृष्णन ने गुरुवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक बयान में इसकी पुष्टि की गई है। उनके इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

राधाकृष्णन को उम्मीद से ज्यादा 14 वोट ज्यादा मिले :

राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी के मुताबिक 781 में से 767 सांसदों ने वोट डाले, वोटिंग 98.27 हुई। इनमें से 752 मत वैलिड और 15 इनवैलिड थे। एनडीए को 427 सांसदों का समर्थन प्राप्त था, लेकिन वाईएसआरसीपी के 11 सांसदों ने भी राधाकृष्णन का समर्थन किया। 13 सांसदों ने चुनाव में मतदान से परहेज किया। इनमें बीजू जनता दल (बीजेडी) के सात सांसद, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के चार, शिरोमणि अकाली दल का एक सांसद और एक निर्दलीय सांसद शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि एनडीए उम्मीदवार को उम्मीद से 14 वोट ज्यादा मिले, जिससे विपक्षी खेमे में क्रॉस-वोटिंग की अटकलें हैं।

16 साल की उम्र में आरएसएस से जुड़े :

सीपी राधाकृष्णन का पूरा नाम चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन है। वे 16 साल की उम्र से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े हुए हैं। राधाकृष्णन 1974 में भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने।

2 बार कोयम्बटूर से सांसद, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष रहे :

राधाकृष्णन ने 1998 और 1999 में कोयम्बटूर लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता। 1998 में उन्होंने 1.5 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। 1999 में भी वे 55,000 वोटों से जीते। राधाकृष्णन एक बार केंद्रीय मंत्री बनने के बेहद करीब थे, लेकिन एक जैसे नाम के कारण पार्टी प्रबंधकों से चूक हुई और एक अन्य नेता पोन राधाकृष्णन को पद सौंप दिया गया।

>10

नेपाल की पहली महिला पीएम बनीं सुशीला कार्की

राष्ट्रपति भवन में हुआ शपथ ग्रहण

काठमांडू, 12 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में युवा पीढ़ी के हिंसक प्रदर्शनों के बाद उपजे राजनीतिक संकट के बीच शुक्रवार को पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार की कमान सौंप दी गई। शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें शपथ दिलाई। इससे पहले नेपाल की संसद को भंग कर दिया गया था।

सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला अंतरिम प्रधानमंत्री बन गई हैं। उन्हें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में शपथ दिलाई। सुशीला कार्की के शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव, काठमांडू के मेयर बालेन शाह, मुख्य न्यायाधीश प्रकाश सिंह रावत उपस्थित रहे।

इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के साथ सेना प्रमुख जनरल अशोक राज की मौजूदगी में जनरेशन-जी के नेतृत्वकर्ताओं ने एक बैठक की थी। जिसमें पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने पर सहमति बनी थी।

>10

भारत को सॉफ्ट पॉवर के साथ हार्ड पॉवर भी दिखानी होगी

बोले- डिफेंस सेक्रेटरी राजेश सिंह

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भर में बढ़ते प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद और आर्थिक संरक्षणवाद के बीच, भारत को अपनी 'सॉफ्ट पॉवर ' के साथ-साथ अपनी 'हार्ड पॉवर' भी प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। सिंह यहां सदर्न कमांड डिफेंस टेक 2025 सेमिनार (स्ट्राइड 2025) को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों और दुनिया भर में लोकलुभावन नेतृत्व के उदय से

जुड़े भू-राजनीतिक कारकों ने बढ़ते वैश्वीकरण और मुक्त व्यापार की प्रवृत्ति को रोक दिया है। उन्होंने कहा कि ये रुझान दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद और आर्थिक संरक्षणवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसके साथ-साथ आर्थिक विखंडन, बहुपक्षीय संस्थाओं का पतन और राष्ट्रवाद की उठती लहर भी देखने को मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में 3 करोड़ के इनामी समेत 12 नक्सली ढेर

बीजापुर/गरियाबंद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बीजापुर जिले में शुक्रवार सुबह जवानों ने 2 नक्सलियों को मार गिराया है। दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र से दोनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। जवानों ने मौके से एक 303 राइफल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए हैं। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को जवानों ने एनकाउंटर में डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली मोडेम बालकृष्ण समेत 10 नक्सली को मार गिराया। सभी के शव हेलीकॉप्टर से गरियाबंद लाए गए हैं। मोडेम बालकृष्ण ओडिशा स्टेट कमेटी का सचिव था। मामला मैनपुर थाना क्षेत्र के मटाल प हा ड़ी का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मारे गए नक्सलियों में 6 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल हैं। इनमें मनोज बालाकृष्णन (सीसीएम), प्रमोद उर्फ पांडु (एसजेडसी/ईस्टर्न ब्यूरो), विमल (डीवीसीएम/टेक्निकल टीम), विक्रम (सिनापाली एसीएम), समीर (मनोज सिक्योरिटी टीम) शामिल हैं।

'धर्मनिरपेक्षता सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाने की मांग'

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें धर्मनिरपेक्षता, पारदर्शिता और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक दलों के पंजीकरण के लिए नियम बनाने की मांग की गई है। इस जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और चुनाव आयोग से चार सप्ताह में जवाब देने को कहा है और याचिकाकर्ता को मामले में सभी पंजीकृत राजनीतिक दलों को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। याचिका में केंद्र सरकार को ऐसे निर्देश देने की भी मांग की गई है, जिससे राजनीति में भ्रष्टाचार, जातिवाद और अपराधीकरण के खतरे कम हो सकें।

सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि क्या एक न्यायिक अधिकारी, जिन्होंने न्यायिक सेवा में आने से पहले ही बार में सात साल पूरे कर लिए हैं, रिक्त पद को देखते हुए वे अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) बनने के हकदार हैं या नहीं। सुप्रीम कोर्ट 23 सितंबर से इस मामले पर सुनवाई शुरू करेगा। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस एम एम सुंदरेश, जस्टिस अरविंद कुमार, जस्टिस एस सी शर्मा और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ 23 सितंबर से सुनवाई शुरू करेगी और तीन दिनों तक यानी 25 सितंबर तक दलीलें सुनेगी।

संविधान का अनुच्छेद 233 जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित है और इसमें लिखा है कोई व्यक्ति जो पहले से ही संघ या राज्य की सेवा में नहीं है, जिला न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए तभी पात्र होगा जब वह कम से कम सात वर्षों तक अधिवक्ता या वकील रहा हो और उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्ति के लिए उसकी सिफारिश की गई हो। पीठ ने कहा कि उसे इस बात की जांच करनी होगी कि क्या बार में प्रैक्टिस और उसके बाद न्यायिक सेवा के संयुक्त अनुभव को पात्रता में गिना जा सकता है। उच्च न्यायिक सेवा के अंतर्गत आने वाले एडीजे के पद निचले न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति के माध्यम से भरे जाते हैं। ये पद वकीलों की सीधी भर्ती के माध्यम से भी भरे जाते हैं, जिनके पास बार में कम से कम सात वर्षों का अनुभव हो। अब मुद्दा यह है कि क्या कोई निचला न्यायिक अधिकारी भी वकीलों के लिए सीधी भर्ती कोटे के तहत एडीजे के पदों के लिए आवेदन कर सकता है और न्यायिक अधिकारी या वकील या दोनों के रूप में उसके सात वर्षों के अनुभव को गिना जा सकता है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित मुख्य परिसर में फोटो खींचने, सोशल मीडिया रील बनाने और वीडियोग्राफी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। 10 सितंबर को जारी एक सर्कुलर में, शीर्ष अदालत ने मीडियाकर्मियों को कम सुरक्षा वाले क्षेत्र लॉन में साक्षात्कार लेने और समाचारों का सीधा प्रसारण करने का निर्देश दिया है।

'लंबे समये से हो रही हिंसा अच्छी बात है अब जा रहे'

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर के दौरे पर जा रहे हैं। राज्य के मुख्य सचिव ने इस बात की पुष्टि कर दी है। ऐसे में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर यात्रा पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीएम मोदी के मणिपुर दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि मणिपुर की समस्या काफी समय से चल रही है। अच्छी बात है कि वे अब वहां जा रहे हैं।

गुजरात के जूनागढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मणिपुर में लंबे समय से हिंसा चल रही है। इसमें कोई बड़ी बात नहीं कि पीएम मोदी अब वहां जा रहे है। राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के आरोपों को दोहराते हुए कहा कि अभी देश में सबसे बड़ी समस्या वोट चोरी की है।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता ने एक बार फिर अपने 'वोट चोरी' वाले आरोप को दोहराया। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या वोट चोरी की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में लोगों का जनादेश

चुरा लिया गया। हर जगह लोग कह रहे हैं 'वोट चोर'।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 13 सितंबर को मणिपुर और मिजोरम के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे मिजोरम में बैराबी-सैरांग रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन भी करेंगे।

इससे पहले बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मणिपुर में सिर्फ तीन घंटे बिताएंगे।

पीएम मोदी आज जाएंगे मणिपुर, 8500 करोड़ की देंगे सौगात

दौरे से पहले उपद्रवियों-सुरक्षाबलों में झड़प

इंफाल, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर दौरे पर जाएंगे। वे यहां 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे। वहीं पीएम मोदी के दौरे से पहले गुरुवार शाम को कुकी बहुल चुराचंदपुर जिले में दो स्थानों पर उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई।

7300 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और 1200 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण :

मणिपुर के मुख्य सचिव ने कहा कि मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जबकि 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री की 13 सितंबर की मणिपुर यात्रा राज्य में शांति, सामान्य स्थिति और विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। पीएम मोदी चुराचांदपुर और इम्फाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे।

मणिपुर में कड़े किए गए सुरक्षा इंतजाम :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को संभावित मणिपुर दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर में सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन उनके मिजोरम यात्रा के बाद मणिपुर पहुंचने की संभावना है।

237 एकड़ में फैले कांगला किले के आस-पास जवान तैनात :

राज्य में प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर तैयारियां काफी तेजी से चल रही हैं। इंफाल में करीब 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड के आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवान तैनात किए गए हैं। वहां पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए एक भव्य मंच का निर्माण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य में कई बैठकें भी आयोजित की जा चुकी हैं। मई 2023 में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद मोदी की यह पहली मणिपुर यात्रा होगी। राज्य में महीनों जारी रही हिंसा में 250 से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए।

राज्य कर्मचारियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा दल कांगला किले का चौबीसों घंटे निरीक्षण कर रहे हैं और राज्य आपदा प्रबंधन बल की नौकाओं को किले के चारों ओर की खाइयों में गश्त के लिए लगाया गया है।

चीन के दुश्मन देश को भारत जल्द भेजेगा ब्रह्मोस मिसाइल की आखिरी खेप : सीईओ बोले- 'रॉकेट पूरी तरह से तैयार'

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की तीसरी और आखिरी खेप की डिलीवरी जल्द देने की तैयारी कर रहा है। फिलीपींस दुनिया का पहला देश है, जिसने अपने देश की सुरक्षा के लिए भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को खरीदा है।

फिलीपींस ने भारत के साथ साल 2022 में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की खरीदारी के लिए 375 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। इस समझौता के तहत भारत की ओर से फिलीपींस को पहले ही क्रूज मिसाइलों की दो खेप की डिलीवरी दी जा चुकी है।

फिलीपींस को कब-कब मिली मिसाइलों की डिलीवरी :

भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की पहली खेप की डिलीवरी पिछले साल 2024 में दी थी। इसके बाद इसकी दूसरी खेप इस साल 2025 की शुरूआत में सौंपी जा चुकी है और अब भारत इस समझौते के तहत फिलीपींस को मिसाइलों की तीसरी और आखिरी खेप की डिलीवरी देने की तैयारी कर रहा है, जिसके बाद दोनों देशों के बीच 375 मिलियन डॉलर का यह समझौता पूरा हो जाएगा।

ब्रह्मोस मिसाइल की डिलीवरी को लेकर क्या बोले सीईओ :

ब्रह्मोस एयरोस्पेस जॉइंट वेंचर की सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर जयतीर्थ जोशी ने कहा, रॉकेट पूरी तरह से तैयार है, हम समय पर इसकी डिलीवरी कर देंगे।

पूरे देश को साफ हवा का हक : एससी

दिल्ली-एनसीआर ही क्यों, देशभर में पटाखे बैन होने चाहिए, दिल्ली के लिए पॉलिसी नहीं बना सकते

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली में पटाखों को बैन करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर के शहरों को साफ हवा का हक है तो दूसरे शहरों के लोगों को क्यों नहीं?

प्रदूषण नियंत्रण को लेकर सीजेआई गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है तो पूरे देश में बैन करना चाहिए। साफ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि पूरे देश के नागरिकों को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि

पर्यावरण संबंधी जो भी नीति हो वह पूरे भारत में होनी चाहिए। हम सिर्फ दिल्ली के लिए इसलिए नीति नहीं बना सकते, क्योंकि यहां देश का एलीट क्लास हैं। अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के 3 अप्रैल 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, स्टोरेज, परिवहन और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को संशोधित करने की मांग की गई है।

दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 200 पार होने के बाद 14 अक्टूबर को दिल्ली एनसीआर में जीआरएपी-1 लागू कर दिया गया था। इसके तहत होटलों और रेस्तरां में कोयला और जलाऊ लकड़ी के उपयोग पर बैन है। कमीशन ऑफ एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने एजेंसियों को पुराने पेट्रोल और डीजल गाड़ियों (बीएस-III पेट्रोल और बीएस-IV डीजल) के संचालन पर सख्त निगरानी के आदेश दिए हैं।

एक्यूआई एक तरह का थर्मामीटर है। बस ये तापमान की जगह प्रदूषण मापने का काम करता है। इस पैमाने के जरिए हवा में मौजूद सीओ (कार्बन डाइऑक्साइड), ओजेडओएनई, (ओजोन) एनओ2 (नाइट्रोजन डाइऑक्साइड), पीएम2.5 (पार्टिकुलेट मैटर) और पीएम10 पोल्यूटेंट्स की मात्रा चेक की जाती है और उसे शून्य से लेकर 500 तक रीडिंग में दर्शाया जाता है।

लोग डरते हैं कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा? इसीलिए टैरिफ लगा रहे : भागवत

नागपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत पर टैरिफ इस डर से लगाए गए हैं कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, ऐसे कदम सिर्फ खुद के बारे में सोचने के रवैये का नतीजा हैं। वे नागपुर में ब्रह्माकुमारीज विश्व शांति सरोवर के सातवें स्थापना दिवस पर बोल रहे थे।

उन्होंने पूछा, दुनिया के लोग इस बात से डरते हैं कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा और उनकी अपनी स्थिति क्या होगी। इसीलिए भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ लगाए गए हैं, लेकिन हमने कुछ नहीं किया। जब आप सात समंदर दूर हैं और कोई संपर्क नहीं है, तो डर किस बात का? दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिसमें रूस से तेल खरीद पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क भी शामिल है। भारत ने इन टैरिफ को अनुचित और अतार्किक बताया है।

नजरिया 'मैं' से बदलकर 'हम' कर ले, तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी :

भागवत ने कहा कि जब तक इंसान और देश अपने असली स्वरूप को नहीं समझेंगे, तब तक उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ता रहेगा। उन्होंने कहा, अगर हम करुणा दिखाएं और भय पर विजय पा लें, तो हमारा कोई शत्रु नहीं रहेगा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अगर इंसान अपना नजरिया 'मैं' से बदलकर 'हम' कर ले, तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी।

कबाड़ी बाजार में जिस्मफरोशी फिर से शुरू

21 लड़कियों के साथ पांच दलाल गिरफ्तार

मेरठ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। कबाड़ी बाजार में फिर से देह व्यापार शुरू हो गया है। मिशन मुक्ति फाउंडेशन दिल्ली के साथ मेरठ पुलिस की टीम ने कबाड़ी बाजार में एक कोठे पर छापा मारा। यहां किशोरियों, युवतियों सहित 21 महिलाओं को पकड़ा। महिलाओं के साथ कुछ बच्चे भी मिले हैं। कोठा संचालिकाओं और पांच युवकों को भी पकड़ा गया है। राजस्थान, दार्जिलिंग, नेपाल की युवतियों से यहां देह व्यापार कराया जा रहा था। मिशन मुक्ति फाउंडेशन दिल्ली के डायरेक्टर वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश पर यहां सभी कोठे बंद हो गए थे। कोठा संचालिकाओं ने हाईकोर्ट में हलफनामा दिया था कि वे देह व्यापार नहीं कराएंगी, लेकिन कोठे खोले जाएं। इसके बाद एक कोठे को खोलने की अनुमति दी गई थी।

अब सूचनाएं आ रही थीं कि कोठे में फिर से देह व्यापार शुरू कर दिया गया है। टीम के मुताबिक यहां देह व्यापार किया जा रहा था। कुछ बच्चे भी महिलाओं के साथ हैं। एसएसपी ने बताया कि कोठा संचालिकाओं और युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश सीओ कैंट को दिए गए हैं। इसके साथ ही जो नाबालिग हैं, उनको बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा।

पत्नी के बाद उसकी बहन, अब बेटी के साथ

साली से रचाई शादी, वह भागी तो बेटी से दुष्कर्म

शिवहर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। शिवहर जिले के पिपराही थाना क्षेत्र के एक गांव में दरिंदे पिता ने अपनी ही 17 वर्षीय बेटी के साथ गंदा काम किया। दरिंदे ने उसे बंधक बनाकर छह दिनों तक लगातार उसका यौन शोषण किया है। मौका पाकर लड़की फरार हो गई और महिला थाने पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई तो सब हैरान रह गए। महिला थाना पुलिस ने उसका बयान दर्ज किया। मेडिकल करा लेने के बाद लड़की के बयान पर पिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, और महिला थाने की पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इधर, एसडीपीओ सुशील कुमार ने बताया कि मामले की जांच जारी है और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

शवों की सौदेबाजी! एक लाश की कीमत डेढ़ लाख तक

बरेली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। यह कहानी है दो ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों की, जिन्होंने जल्दी अमीर बनने की लालच में इंसानियत तक बेच दी। इन्हें अपनी सैलरी कम लगती थी, इसलिए लावारिस लाशों का सौदा करना शुरू कर दिया। इनमें से एक उत्तर प्रदेश पुलिस का सिपाही था और दूसरा जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में तैनात कर्मचारी। दोनों ने मिलकर लावारिस शवों की अवैध खरीद-फरोख्त कर मोटी कमाई की। यह मामला उत्तर प्रदेश के बरेली से सामने आया है। भ्रष्टाचार से जुड़ा एक ऑडियो-वीडियो वायरल होने के बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने बरेली के कोतवाली थाने के कांस्टेबल नरेंद्र प्रताप को निलंबित कर दिया है। साथ ही जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में ठेका एजेंसी का कर्मचारी सुनील, जो इस गोरखधंधे में सक्रिय था, उसे सीएमओ ने हटा दिया है। अब इस पूरे मामले की जांच संयुक्त टीम करेगी।

10 साल पहले की थी छेड़खानी

अब 30 दिन गोपालगंज में ट्रैफिक संभालने की मिली सजा

गोपालगंज, 12 सितंबर (एजेंसियां)। किशोर न्याय बोर्ड गोपालगंज के प्रधान दंडाधिकारी नीलेश भारद्वाज की अदालत ने घर में घुसकर युवती के साथ छेड़खानी मामले के आरोपित विधि विरुद्ध किशोर को उसकी दोष स्वीकृति के आधार पर यातायात स्वयंसेवी के रूप में ट्रैफिक पुलिस गोपालगंज के साथ 30 दिन सेवा करने की सजा सुनाई है। बताया जाता है कि पांच जनवरी 2016 को आरोपित किशोर युवती के घर में गलत नीयत से घुस गया था।मामले को लेकर युवती की माता ने आरोपित किशोर के खिलाफ प्राथमिकी कराई थी। सुनवाई के क्रम में बोर्ड के सामने विधि विरुद्ध बालक ने कहा कि उसे माफ करते हुए सुधरने का मौका दिया जाए।

उसने यह भी कहा कि वह समाज की मुख्यधारा से जुड़ना चाहता है। ऐसी स्थिति में बोर्ड के प्रधान दंडाधिकारी नीलेश भारद्वाज ने सामुदायिक सेवा के अंतर्गत उसे ट्रैफिक पुलिस गोपालगंज के साथ यातायात स्वयंसेवी के रूप में 30 दिन तक सेवा करने की सजा सुनाई। 30 दिन बाद ट्रैफिक पुलिस के प्रभारी अपना प्रतिवेदन किशोर न्याय बोर्ड को देंगे, कि किशोर ने निर्धारित समय तक ठीक से सेवा की है।

पूर्णिया एयरपोर्ट का 15 सितंबर को होगा उद्घाटन

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने तैयारियों का लिया जायजा बोले- पीएम की सभा में 4 लाख लोग आएंगे

पूर्णिया, 12 सितंबर (एजेंसियां)। एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सभा स्थल पर पहुंचे। यहां पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ अहम बैठक की। साथ ही तैयारियों का जायजा लिया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पीएम जब भी बिहार आते हैं, तब बड़ी सौगात देते हैं। इन सब के पीछे पीएम का मकसद विकसित बिहार का सपना पूरा करना है।

आज ही 8000 करोड़ रुपए का सौगात मिला है। पीएम पूर्णिया एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू करने के लिए टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन

करेंगे। इसके बाद सीसाबाड़ी स्थित एसएसबी कैंप में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। मंच पर पीएम के साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी होंगे। इसके अलावा दूसरी योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। साथ ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम करते हुए हर परिवार की महिला के खाते में 10 हजार रुपए भेजेंगे। सीमांचल की अहम कोसी मेची योजना, रेलवे के प्रोजेक्ट, पावर स्टेशन प्रोजेक्ट, ग्रीन एक्सप्रेस वे समेत कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। 40 से 45 हजार करोड़ रुपए की राशि की योजना होगी।

इतनी बड़ी राशि की योजना चालू होने से बिहार के लोगों को रोजगार मिलेगा और प्रगति आएगी। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले पूर्णिया में 14 सितंबर को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

पीएमसीएच की स्टाफ नर्स के घर दिनदहाड़े 15 लाख की चोरी

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अगमकुआं थाना अंतर्गत रशीदा चक के त्रिलोक नगर स्थित पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल की स्टाफ नर्स और व्यवसाय के घर में बेखौफ चोरों ने दिनदहाड़े 15 लाख रुपए तक की सम्पति चोरी कर लिया। चार मंजिला मकान में छत के रास्ते घर में घुसे चोर ने उस समय घटना को अंजाम दिया जब नर्स अपनी ड्यूटी पर और उनके पति कारोबार के सिलसिले में हिलसा गए हुए थे। सूचना पाकर पहुंची थाना की पुलिस जांच में जुटी रही। पीएमसीएच में स्टाफ नर्स मंजू कुमारी और उनके पति किताब कॉपी के व्यवसायी सुधीर कुमार ने बताया कि गुरुवार को दिन में अज्ञात चोर उनके घर में छत के रास्ते घुसे और छह लाख नगद और आभूषण समेत लगभग 15 लाख रुपए की सम्पत्ति चोरी कर निकल भागे। उन्होंने बताया कि घटना का पता रात करीब बजे लगा जब मंजू कुमारी पीएमसीएच से शाम की ड्यूटी कर घर लौटी। मकान में बाहर से ताला लगा था। अंदर जाने पर हर कमरे में समान दिख रहा था। अलमारी खुला हुआ था। मंजू कुमारी ने बताया कि घटना की सूचना पति को फोन पर दिया। वह रात करीब 9:30 बजे हिलसा से लौटे। डायल 112 पर घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस की टीम जांच में जुटी रही। मंजू कुमारी ने बताया कि सोने हार, कंगन, हसली, कान की बाली समेत आभूषण और छह लाख नगद ले गए। यह राशि पति ने व्यवसाय के लिए रखी थी। अगमकुआ थाना पुलिस का कहना है कि प्राथमिकी कर मामले की जांच की जा रही है।

सरदार लुक में दिखे अखिलेश यादव

किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को किया सम्मानित

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारीजन को सम्मानित किया। कार्यक्रम सपा मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान सपा मुखिया साफा पहनकर सरदार लुक में नजर आए। इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि लाल पगड़ी खुशी के प्रतीक के रूप में पहनाई जाती है। अब खुशी आने वाली है, क्योंकि सपा सरकार बनने वाली है। नेपाल में हुए तख्तापलट की घटना पर कहा कि यदि वोट की डकैती होगी, तो पड़ोसी देश की तरह यूपी की जनता भी सड़क पर उतर जाएगी। यहां बाबा ने कब्जा कर रखा है।

चुनाव आयोग भाजपा का जुगाड़ आयोग नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या के चुनाव में 5000 लोग बाहर से लाए गए थे। इसी तरह वोट की चोरी होती रही तो पड़ोसी देश में जो जनता करती दिख रही है, हो सकता है कि वह यहां भी करती दिखाई दे।

मजार तोड़े जाने से तनाव भारी पुलिस बल तैनात

मेरठ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ जिले के फलावदा थाना क्षेत्र में स्थित बब्बल शाह और उनके अनुयायियों की मजार को शुक्रवार को क्षतिग्रस्त किये जाने से क्षेत्र में तनाव उत्पन्न हो गया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस को खेत में स्थित मजार को नुकसान पहुंचाए जाने की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि सूचना पर पुलिस समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय लोगों से बात कर क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराई गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस की दो टीम लगाई गई हैं और मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग भी मौके पर पहुंच गए और धार्मिक भावनाएं आहत होने की बात कही। भीड़ का आरोप है कि यह कृत्य धार्मिक उन्माद फैलाने के इरादे से किया गया है।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने पत्नी संग किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अपने काशी दौरे के तीसरे दिन यानी शुक्रवार को काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां पत्नी संग बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए। बाबा के दर्शन कर वे काफी पसन्न दिखे। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना प्रमुख रूप से मौजूद रहे। वहीं मॉरीशस के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर काशी विश्वनाथ धाम व आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे।

सुबह से गोदौलिया चौराहे से गेट नंबर चार तक नगर निगम के वाहनों से पानी का छिड़काव किया गया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तीन घंटे का रूट डायवर्जन भी किया गया। काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के बाद पत्नी को माला पहनाते मॉरीशस के प्रधानमंत्री। काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण करते मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना। काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण करते मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन कर निकलतीं मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम की पत्नी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना। काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण करते मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। बाबा विश्वनाथ की आरती करते मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम।

बिहार शिक्षक बहाली में धांधली

पटना हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, शिक्षा विभाग पर संकट गहराया

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में शिक्षक बहाली का मुद्दा एक बार फिर विवादों में आ गया है। पटना हाईकोर्ट ने कंप्यूटर साइंस विषय में नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और शिक्षा विभाग को तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। अदालत ने साफ कहा है कि यदि योग्य अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन हुआ है, तो यह गंभीर मामला है जिस पर कठोर कदम उठाए जा सकते हैं। यह मामला विज्ञापन संख्या 26/2023 से जुड़ा है, जिसके तहत कंप्यूटर साइंस विषय में शिक्षकों की नियुक्ति की जानी थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि इस भर्ती प्रक्रिया में ऐसे उम्मीदवारों को भी नियुक्ति पत्र जारी कर दिए गए, एसटीईटी(माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा) या टीईटी(शिक्षक पात्रता परीक्षा) तक पास नहीं किया था। जबकि दोनों परीक्षाएं इस पद के लिए अनिवार्य योग्यता मानी गई थीं। याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष तर्क दिया कि नियुक्तियों में गड़बड़ी शिक्षा विभाग की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। उनका कहना है कि अब तक संशोधित मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई है, जिससे योग्य अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। अदालत में यह भी दलील दी गई कि पूर्व में ही बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) और राज्य सरकार ने अपने हलफनामे में अयोग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति को गलत माना था, लेकिन कार्रवाई न होने से विभागीय लापरवाही उजागर होती है।

खुद ही इंजेक्शन लगाकर काट लिया प्राइवेट पार्ट, यूपीएससी की तैयारी करने वाले का खौफनाक कदम; कहा- 'लड़की बनना चाहता हूं'

प्रयागराज, 12 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक युवक ने लड़की बनने के लिए खुद का प्राइवेट पार्ट काट लिया। जानकारी के मुताबिक युवक ने खुद से ही पहले खुद को एनेस्थेसिया का इंजेक्शन लगाया। इसके बाद सर्जिकल ब्लेड से अपना प्राइवेट पार्ट काट लिया। हालांकि बाद में जब एनेस्थेसिया का असर कम हुआ तो वह दर्द से तड़पने लगा। युवक ने मकान मालिक को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उसे बेली अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से उसे एसआरएन रेफर कर दिया है। युवक का कहना है कि वह लड़का नहीं बल्कि लड़की है, लेकिन कोई उसकी बात नहीं सुनता था इसलिए उसने ऐसा कदम उठाया है और वह लड़की बनना चाहता है। युवक के मुताबिक वह जब 14 साल का था, तभी लगने लगा था कि मैं लड़की हूं। जानकारी के मुताबिक छात्र अमेठी जिले का रहने वाला है। मां-बाप का इकलौता लड़का होने के कारण वह अपने परिवार वालों से कुछ नहीं बता रहा था। कुछ दिन तक वह अपनी मौसी के यहां रहा था, जिसके बाद प्रयागराज आ गया। यहां एक किराए का कमरा लेकर रहने लगा और यूपीएससी एग्जाम की तैयारी करता था।

लालू ने टोपी पहनकर दरगाह में की चादरपोशी

बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने पूछा-राम को ना मानने वाले स्टालिन को आरजेडी ने मंच पर क्यों बुलाया

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले राजनीतिक बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष बयानों के जरिए एक दूसरे को घेर रहे हैं। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि, जिसने राम का अपमान किया उसे आरजेडी ने अपने मंच पर जगह क्यों दी। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि, जो व्यक्ति (तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन) भगवान राम को नहीं मानते, वे राम मंदिर निर्माण के खिलाफ थे और उनके बेटे ने सनातन धर्म के बारे में जो बयान दिए, उससे सनातन धर्म का अपमान हुआ। कांग्रेस और आरजेडी ने उन्हें अपने मंच पर जगह क्यों दी? बिहार की जनता यह जानना चाहती है।

लालू यादव ने की चादरपोशी

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने शुक्रवार को उर्स के मौके पर पटना हाईकोर्ट दरगाह पहुंचे। वहां उन्होंने चादरपोशी की। लालू यादव ने अपने एक्स पर इसकी तस्वीर भी पोस्ट की। इससे पहले लालू यादव गयाजी गए थे। वहां उन्होंने 7 कुलों का पिंडदान किया था। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि, कांग्रेस-राजद के शासनकाल में बिहारियों के मान-सम्मान से खिलवाड़ हुआ है। बिहारी होना गाली था। लालू-राबड़ी ने बिहार को मजाक बनाकर रख दिया था। उस समय हत्या-लूट, बलात्कार और अपहरण उद्योग चलता था। समाज के हर वर्ग के नौजवान को हथियार देकर अपराधी बनाया गया था। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव, दोनों युवराज अब लोकतंत्र को खत्म कर गुंडाराज स्थापित करना चाहते हैं। इनके डीएनए में चोरी है। आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में एक भी नक्सलग्रस्त बूथ नहीं होगा। राज्य में करीब 90,712 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इन सभी मतदान केंद्रों से वेबकास्टिंग की जाएगी।

इसके जरिए मतदान केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग होगी। मतदान के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी होने पर इसकी सूचना आरओ, डीईओ और सीईओ स्तर पर गठित निगरानी टीम को तत्काल दी जाएगी, ताकि समय पर कार्रवाई हो सके।

यूपी के सभी 75 जिलों के लिए सपा ने बनाया खास प्लान, अखिलेश यादव ने किया ऐलान

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। अभी चुनाव में कम से कम डेढ़ साल वक्त बचा है। इससे पहले सपा चीफ और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बड़ा ऐलान किया है। सपा चीफ ने इस आशय के संकेत दिए हैं कि पार्टी सभी 75 जिलों के लिए अलग-अलग घोषणा पत्र बनाएगी। उन्होंने इसके पीछे तर्क भी पेश किए हैं। हालांकि अभी अखिलेश ने आगरा, हाथरस और मथुरा का ही ऐलान किया है। कन्नौज सांसद ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर शुक्रवार, 12 सितंबर को यह ऐलान किया।

उन्होंने लिखा कि समाजवादी बनाएंगे स्थान विशेष के लिए 'लोकल मैनिफेस्टो' : मथुरा-वृंदावन लोकल मैनिफेस्टो, हाथरस लोकल मैनिफेस्टो, आगरा लोकल मैनिफेस्टो। अखिलेश इस रणनीति के पीछे अपना पक्ष रखते हुए लिखा कि- समाजवादी पार्टी द्वारा स्थान विशेष के 'लोकल मैनिफ़ेस्टो' की घोषणा के पीछे का तर्कः

'लोकल मैनिफ़ेस्टो' एक सार्थक पहल- अखिलेश

मॉडल बनेगी। जब, जहाँ जैसी आवश्यकता होगी, इसी तरह के

'लोकल मैनिफेस्टो' बनाकर, स्थानीय महत्व के मुद्दों व सड़क, फ़्लाई ओवर, बिजली, पानी, जलभराव, ट्रैफ़िक जाम, पक्की गलियों व अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट पर समयबद्ध तरीक़े से कार्य किया जाएगा। ये नहीं किया तो नहीं मिलेगा मुफ्त राशन, अलीगढ़ में 3 लाख उपभोक्ताओं पर संकट, लिस्ट से कट जाएंगे नाम उन्होंने लिखा कि जनता आज भी समाजवादियों के कामों को याद करती है और उन पर पूरी तरह से विश्वास भी करती है,

इसीलिए ऐसे विशिष्ट प्रयासों से जनता फिर से समाजवादियों की सौहार्दपूर्ण, विकासोन्मुखी सरकार बनाएगी और उप्र को अमन-चैन और ख़ुशहाली के रास्ते पर वापस लाएगी। पोस्ट के अंत में यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि ये है पीडीए की महापुकार, हम बनाएंगे अपनी सरकार।

बिजली विभाग की प्रताड़ना से परेशान युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान, बुलंदशहर से आया था

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बिजली विभाग की प्रताड़ना से तंग होकर बुलंदशहर के अजय कुमार शुक्रवार को लामार्ट चौराहे के पास जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। एसीपी गंज विकास जायसवाल के मुताबिक शुक्रवार सुबह 09.20 बजे पुलिस को सूचना मिली कि लामार्ट चौराहे के पास एक व्यक्ति की तबियत खराब है, जिसे उल्टी हो रही है। स्थानीय पुलिस जब मौके पर पहुंची तो युवक की पहचान बुलंदशहर के तातारपुर, कोतवाली नगर निवासी अजय कुमार उर्फ धर्मेश कुमार (45) के रूप में हुई।

पूछताछ में अजय कुमार ने जहरीला पदार्थ खाने की बात बताई। पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां अजय कुमार की मौत हो गई। पूछताछ में अजय ने बताया कि वर्ष 2014 में उन्होने एक आटा चक्की लगाई थी। सात मई 2014 को अधिक लोड के कारण वहां का ट्रांसफार्मर जल गया था। दूसरा ट्रांसफर लगवाने के बाद एक घंटा चलने के बाद वह दोबारा जल गया।

राहुल गांधी और योगी के मंत्री के बीच जमकर हुई बहस

दिशा की मीटिंग में क्यों भड़क गए दिनेश प्रताप सिंह

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में राहुल गांधी और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के बीच तीखी बहस का वीडियो सामने आया है। यह बहस राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के बीच हुई। इस दौरान उनकी योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के साथ बहस हो गई थी। इसका वीडियो सामने आया है। रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की मीटिंग चल रही थी। राहुल गांधी के ठीक बगल में यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह बैठे थे, तभी दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। राहुल गांधी ने कहा कि मीटिंग मैं चेयर कर रहा हूं। अगर आपको कुछ कहना है तो पहले पूछिए फिर मैं आपको बोलने का मौका दूंगा। इस पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भड़क गए और दोनों के बीच बहस शुरु हो गई।

अमेठी के सांसद भी रहे मौजूद

मीटिंग में अमेठी के सांसद केएल शर्मा भी मौजूद थे, जो राहुल गांधी के साथ दिनेश प्रताप सिंह के साथ बहस करते नजर आए। जानकारी के मुताबिक बैठक में दिशा के कार्य क्षेत्र को लेकर चर्चा चल रही थी। इस दौरान राहुल गांधी ने एक मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुझे पहले से पूछना चाहिए था। इसी पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने आपत्ति जताई और कहा कि आप अध्यक्ष जरूर हैं, लेकिन मैं आपकी हर बात मानने के लिए बाध्य नहीं हूं। आप तो खुद स्पीकर की बात भी नहीं मानते। देखते ही देखते दोनों नेताओं के बीच गर्मागर्म बहस शुरू हो गई। बैठक में मौजूद अधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधि भी हैरान रह गए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

2018 तक कांग्रेस का हिस्सा थे दिनेश प्रताप सिंह

दिनेश प्रताप सिंह 2018 तक कांग्रेस पार्टी का हिस्सा थे। उन्हें दो बार 2010 और 2016 में यूपी विधान परिषद के सदस्य के रूप में भी चुना गया था। हालांकि, 2017 में यूपी में बीजेपी की सरकार बनी और 2018 में दिनेश प्रताप सिंह ने पाला बदल लिया। 2019 में उन्होंने सोनिया गांधी के खिलाफ रायबरेली से लोकसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2024 में इसी सीट पर उन्हें राहुल गांधी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: महानता कभी ना गिरने में नहीं, बल्कि हर बार गिर कर उठ जाने में है

गोदावरी पुष्करालु के लिए 'मंदिर-केंद्रित' घाटों के निर्माण के आदेश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ समीक्षा की

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी "गोदावरी पुष्करालु" जिसे "दक्षिण भारत कुंभ मेला" के नाम से जाना जाता है, की भव्य तैयारियां चल रही हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 23 जुलाई, 2027 से शुरू होने वाले पुष्करालु के दौरान गोदावरी नदी में पवित्र स्नान करने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने हेतु अग्रिम कार्य शुरू करें और विशेष योजनाएं तैयार करें। रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना में गोदावरी के किनारे स्थित सभी प्रमुख मंदिरों में 'स्थायी मंदिर-केंद्रित घाटों' का निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को बसारा से भद्राचलम तक के प्रमुख मंदिरों का दौरा करने और घाट विकास के लिए स्थानों की सूची को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया।

चिन्हित प्रमुख मंदिरों में बसारा, कालेश्वरम, धर्मपुरी और भद्राचलम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घाट को इस तरह डिजाइन किया जाना चाहिए कि एक ही दिन में दो लाख तक तीर्थयात्री पवित्र स्नान कर सकें, और डिजाइन संबंधित मंदिरों की धार्मिक और सांस्कृतिक प्रमुखता को दर्शाए। सुगमता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के पास स्थित मंदिरों को बुनियादी ढांचे के विकास में प्राथमिकता दी जाए। घाटों के अलावा, सड़कें, पेयजल आपूर्ति, आवास, पार्किंग क्षेत्र और स्नान सुविधाओं जैसी स्थायी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस अवसर पर, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि तेलंगाना में गोदावरी नदी के 560 किलोमीटर लंबे हिस्से में, महाराष्ट्र में राज्य के प्रवेश बिंदु से शुरू होकर भद्राचलम तक, 74 पुष्कर घाटों के निर्माण की योजना है। अधिकारियों की बात सुनने के बाद, मुख्यमंत्री ने उन्हें निर्देश दिया कि काम तेज़ गति से शुरू किया जाए और त्योहार से 23 महीने पहले पूरा किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा घाटों का विस्तार, सड़कों में सुधार और यातायात प्रबंधन के उपाय भी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मंदिर समितियों के साथ परामर्श करने और "महाकुंभ मेला" जैसे प्रमुख तीर्थयात्रियों के आयोजनों में काम कर चुके 'अनुभवी परामर्शदाताओं' को शामिल करने का निर्देश दिया ताकि श्रद्धालुओं के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें। रेवंत रेड्डी ने पुष्कर कार्यों के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं का अधिकतम उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। विभागों को उन परियोजनाओं की पहचान करने को कहा गया जिन्हें स्वच्छ भारत, जल जीवन मिशन, पर्यटन और बुनियादी ढांचा कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है, और "दक्षिण भारतीय कुंभ मेला" के सुचारू संचालन के लिए केंद्र से 'विशेष पैकेज' प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। समीक्षा बैठक में मंत्री कोंडा सुरेखा, मुख्यमंत्री सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, धर्मस्व विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामैयार, सीएमओ के प्रमुख सचिव शेषाद्रि, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्रीनिवास राजू, आध्यात्मिक सलाहकार गोविंदा हरि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कवाल रिजर्व से बाघ का फर्जी वीडियो वायरल, मंचेरियल में दहशत

मंचेरियल, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कवाल टाइगर रिजर्व में कथित तौर पर एक बाघ के विचरण का फर्जी वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

जन्नाराम मंडल के सिंगरायपेटा और डोंगापल्ली गांवों के बीच एक सड़क के पास एक पुलिया पर बैठे एक बाघ का वीडियो व्हाट्सएप ग्रुप, यूट्यूब और फेसबुक पर खूब शेयर किया गया।

हालांकि, वन अधिकारियों ने पुष्टि की है कि किसी अन्य राज्य के बाघ का एक वीडियो (जो मूल रूप से पहले पोस्ट किया गया था) इंटरनेट पर सामने आया था। उन्होंने लोगों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित अफवाहों और अपुष्ट खबरों पर भरोसा न करने की सलाह दी।

अधिकारी राजस्व लक्ष्य अवश्य प्राप्त करें : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आज वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों को राज्य के निर्धारित राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को राज्य भर में हो रहे लेन-देन से उत्पन्न कर संग्रह में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए एक कार्य योजना तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही राज्य के राजस्व को खतरे में डाल सकती है।

शुक्रवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि राजस्व रिसाव वाले क्षेत्रों की पहचान की जानी चाहिए और कर्मचारियों के प्रदर्शन पर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए। विभाग की प्रगति की पाक्षिक समीक्षा की जाएगी और अधिकारियों से जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से हुए राजस्व नुकसान पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा। उन्होंने जीएसटी चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और प्रभावी निगरानी के लिए एआई-आधारित निगरानी अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने अधिकारियों को कर संग्रह में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए एक कार्ययोजना तैयार करने और राजस्व बढ़ाने के उपायों की सिफारिश करने हेतु आंतरिक समितियां गठित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पिछले वर्ष की तुलना में प्रवर्तन, लेखा परीक्षा और अन्य विभागों में प्रगति की समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव (वित्त) संदीप कुमार सुल्तानिया, प्रमुख सचिव (वाणिज्यिक कर) एस.ए. रिजवी, आयुक्त हरिथा, आबकारी आयुक्त हरि किरण और कई उपायुक्त बैठक में उपस्थित थे।

व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए साइबर धोखाधड़ी

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के दो निवासी हाल ही में व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए नौकरी से जुड़े निवेश धोखाधड़ी के शिकार हुए। ये घटनाएं बढ़ते साइबर अपराध पैटर्न को दर्शाती हैं, जहां धोखेबाज नकली नौकरी के प्रस्तावों और प्रीपेड ऑनलाइन कार्यों का फ़ायदा उठाकर अनजान पीड़ितों से बड़ी रकम ठगते हैं।

पहले मामले में, एबिड्स की एक 35 वर्षीय महिला से 1 सितंबर को एक धोखेबाज ने संपर्क किया, जो खुद को क्यूब रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की "चंद्रिका" बता रहा था। शुरूआत में उसे गूगल रिव्यू पोस्ट करने जैसे साधारण ऑनलाइन काम दिए गए, जिसमें उसके खाते में छोटी-छोटी रकम जमा की जाती थी। बाद में, उसे बार-बार पैसे जमा करने वाली "प्रीपेड नौकरियों" का लालच दिया गया। 1 से 5 सितंबर के बीच, उसने कुल 10,25,550 रुपये ट्रांसफर किए। 15,57,900 रुपये का फर्जी ऑनलाइन बैलेंस दिखाया गया, लेकिन निकासी रोक दी गई और आगे जमा करने की मांग की गई। ठगी का एहसास होने पर, उसने पुलिस में धोखाधड़ी की सूचना दी। दूसरे मामले में, आसिफनगर के एक 44 वर्षीय व्यक्ति से 28 अगस्त को माइकल पेज आईटी की "वीना खत्री" नाम की एक महिला ने संपर्क किया। शुरूआत में उसे ब्रांडेड कीवर्ड सर्च जैसे काम दिए गए और छोटी-छोटी रकम इनाम में दी गई। बाद में, उसे एक फर्जी पोर्टल पर भेज दिया गया, जहाँ उसने बार-बार निवेश किया। 3,49,200 रुपये का फर्जी फ्रीज्ड बैलेंस दिखाया गया, और उसे रिलीज करने के लिए 3,50,000 रुपये की अतिरिक्त मांग की गई। धोखाधड़ी का पता चलने से पहले ही वह 1,61,720 रुपये गंवा चुका था।

विधायकों के दलबदल मामले पर स्पीकर लेंगे फैसला : जूपल्ली

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधायकों के दलबदल को लेकर चल रहे विवाद के मद्देनजर, तेलंगाना के आबकारी मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने आज कहा कि पार्टी के दलबदल से संबंधित फैसले विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र में आते हैं और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अधीन हैं। उन्होंने कहा, हमें इस पर बहस क्यों करनी चाहिए? स्पीकर कानून के अनुसार फैसला लेंगे।

उन्होंने याद दिलाया कि कई विधायकों ने दावा किया है कि उन्होंने मुख्यमंत्री से केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के मुद्दों पर मुलाकात की थी। बीआरएस और भाजपा नेताओं की आलोचना करते हुए, जूपल्ली ने उन पर कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे खुलेआम कह रहे हैं कि यह सरकार कल गिर जाएगी। इस तरह के बयान लोकतंत्र की हत्या की साजिश के समान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेतृत्व पहले भी ऐसा कृत्य कर चुका है। उन्होंने दलबदल करने वाले विधायकों द्वारा दिए गए औचित्य पर भी सवाल उठाया। भले ही वे कहते हों कि वे विकास कार्यों के लिए मिले थे, लेकिन जब वे ऐसा व्यवहार करने लगते हैं मानो वे किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो गए हों, तो इसका क्या मतलब है? मंत्री ने दोहराया कि कांग्रेस सरकार कानून के अनुसार सख्ती से काम करेगी और विधानसभा अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार दलबदल पर अंतिम फैसला लेंगे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MENDE CHITTEMMA , W/O: HAV MENDE MADANNA, R/O: HOUSE NO.4-23, BUDIDAPADU, GUDUR, KURNOOL, ANDHRA PRADESH - 518468have changed my name from MENDE CHITTEMMA to KATIKELA CHITTEMMA vide Affidavit dt.12-09-2025 AT Hyderabad

I, M GEDDAMMA , M/O: HAV MENDE MADANNA, R/O: HOUSE NO.4-23, BUDIDAPADU, GUDUR, KURNOOL, ANDHRA PRADESH - 518468, have changed my name from M GEDDAMMA to MENDE GIDDAMMA, and my Date of Birth is: 01-01-1968 vide Affidavit dt.12-09-2025.

I, G. ANASURAYAMMA M/o Army No. JC-774252N, Rank: SUB, Name: SRINIVASA RAO GANDLA R/o Village: Sarangapalli, Agraharama, P.O: Madina padu, Dist.: Guntur, A.P. Have changed my Name from G. ANASURAYAMMA to GANDLA ANUSURYAMMA for the purpose of All records.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

'डिजिटल गिरफ्तारी' घोटाले में वरिष्ठ नागरिक से 21 लाख रुपये की ठगी

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। याकूतपुरा के एक 75 वर्षीय व्यक्ति से "डिजिटल गिरफ्तारी" घोटाले में 21 लाख रुपये की ठगी की गई, जिसमें धोखेबाजों ने पुलिस अधिकारी बनकर आधार विवरण का दुरूपयोग किया। इसी साल 14 अगस्त को, पीड़ित को एक ठग का फोन आया जिसने दावा किया कि उसका आधार मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले से जुड़ा है। व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर, एक धोखेबाज ने खुद को आईपीएस अधिकारी बताते हुए, फर्जी दस्तावेज दिखाए और उसे मामले को गुप्त रखने की चेतावनी दी। गिरफ्तारी और जेल जाने के डर से, पीड़ित ने 19 अगस्त से 2 सितंबर के बीच पांच किश्तों में 'सत्यापन' के लिए पैसे ट्रांसफर किए। गिरोह ने उसका विश्वास जीतने के लिए सरकारी मुहरों वाले जाली पत्र भी भेजे। जब उन्होंने पहले किए गए ट्रांसफर वापस किए बिना अतिरिक्त पैसे की मांग की, तो वरिष्ठ नागरिक को धोखाधड़ी का एहसास हुआ और उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और जनता को नकली अधिकारियों और आधार के दुरूपयोग से जुड़े ऐसे घोटालों के प्रति आगाह किया है।

दसवीं कक्षा के छात्र को केटी रामाराव से मिली प्रशंसा

राजन्ना-सिरसिला, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला के दसवीं कक्षा के छात्र आदित्य चंद्रा ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को एक सरप्राइज गिफ्ट दिया।

सिरसिल्ला शहर के गीता नगर हाई स्कूल में पढ़ने वाले आदित्य ने बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव को गले लगाते हुए रामाराव का एक पेंसिल स्केच बनाया। उसने यह स्केच बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष को उनके जन्मदिन के अवसर पर भेंट किया। इस उपहार पर प्रतिक्रिया देते हुए, रामाराव ने अपने एक्स अकाउंट पर एक संदेश पोस्ट किया, 'गीता नगर हाई स्कूल, सिरसिल्ला के दसवीं कक्षा के छात्र आदित्य चंद्रा ने मेरे जन्मदिन के अवसर पर मुझे अपना दिल छू लेने वाला पेंसिल स्केच भेजा है। यह वाकई एक सरप्राइज़ था। बहुत-बहुत धन्यवाद, और मैं आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, आदित्य चंद्रा।

केबल काटने के बजाय ऑपरेटरों को वैकल्पिक सुविधाएं प्रदान करें : रामचंदर राव

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आज कांग्रेस सरकार से आग्रह किया कि वह मौजूदा केबल नेटवर्क को काटने जैसे कठोर उपायों का सहारा लेने के बजाय केबल ऑपरेटरों को ऑप्टिक फाइबर कनेक्टिविटी जैसी वैकल्पिक सुविधाएं प्रदान करे।

उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी राज्य कर्नाटक सरकार केबल ऑपरेटरों को ऑप्टिक फाइबर कनेक्शन प्रदान कर रही है और मामूली किराया वसूल रही है, जिससे न केवल ऑपरेटरों को मदद मिलती है, बल्कि ग्राहकों को निर्बाध सेवाएं भी सुनिश्चित होती हैं। शहर के रामंतपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना का उल्लेख करते हुए, राव ने हैदराबाद के विभिन्न इलाकों में अंधाधुंध केबल तार काटने के सरकार के फैसले की आलोचना की। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई से लगभग 1.5 लाख केबल ऑपरेटरों और कर्मचारियों की आजीविका पर बुरा असर पड़ा है और अप्रत्यक्ष रूप से इस उद्योग पर निर्भर लाखों परिवार प्रभावित हुए हैं। प्रभावित केबल ऑपरेटरों को अपना समर्थन देने का आश्वासन देते हुए, राव ने कहा कि भाजपा इंटरनेट सेवा प्रदाता संघ और लघु केबल ऑपरेटरों के प्रतिनिधियों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी कल इंदिरा पार्क में तेलंगाना इंटरनेट सेवा प्रदाता संघ और लघु केबल ऑपरेटरों द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम को पूरा समर्थन देगी। इससे पहले, संघ के प्रतिनिधियों ने राव से तरनाका स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और सरकार की एकतरफा कार्रवाई के कारण उन्हें हो रही गंभीर कठिनाइयों से अवगत कराया।

रेलवे राज्यस्तरीय सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे के लिए राज्य स्तरीय सुरक्षा समिति (एसएलएससीआर) की बैठक शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र की अध्यक्षता में पुलिस महानिदेशक कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कार्मिक) अनिल कुमार, पुलिस महानिरीक्षक (सड़क सुरक्षा एवं रेलवे) रमेश नायुडू, पुलिस महानिरीक्षक (रेलवे) एवं प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्रीमती अरोमासिंह ठाकुर, आईएसडब्ल्यू, विशेष कार्याधिकारी कमलासन रेड्डी, पुलिस अधीक्षक (रेलवे) चंदना दीप्ति, आरपीएफ पुलिस अधीक्षक नवीन, सहायक निदेशक (खुफिया ब्यूरो) श्रीमती राधी, वरिष्ठ मंडल रेल प्रबंधक सीएच. करुणाकर राव सहित जीआरपी और आरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। विचार-विमर्श के दौरान, रेलवे सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए, डीजीपी डॉ. जितेंद्र ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और चोरी व मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरों के व्यापक उपयोग पर ज़ोर दिया। उन्होंने सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए जीआरपी और आरपीएफ अधिकारियों के बीच लगातार समन्वय बैठकों की आवश्यकता पर बल दिया। डीजीपी ने निर्देश दिए कि चोरी, संदिग्ध मौतों, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और मादक पदार्थों की आपूर्ति जैसे अपराधों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि रेलवे परिसरों में कार्यरत निजी व्यक्तियों का उचित सत्यापन सुनिश्चित किया जाए और मानव तस्करी से निपटने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन एएएचटी को सख्ती से जारी रखा जाए। डॉ. जितेंद्र ने अपराधियों के विरुद्ध शीघ्र आरोप पत्र दाखिल करने के महत्व पर भी ज़ोर दिया और संबंधित अधिकारियों को संपत्ति से जुड़े अपराधियों पर गिरोह बनाकर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए।

महानिदेशक मानव संसाधन रेलवे बोर्ड ने हरिसेट का दौरा किया

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महानिदेशक (मानव संसाधन), रेलवे बोर्ड आर. राजगोपाल ने इरिसेट का दौरा किया।

यह दौरा इरिसेट एवं उत्कृष्टता का केंद्र (सीओई) द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों के संबंध में किया गया। उन्होंने महानिदेशक इरिसेट शरद कुमार श्रीवास्तव तथा इरिसेट एवं सीओई के अधिकारियों के साथ मिलकर भारतीय रेलवे के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों तथा उद्योग कर्मियों को प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण की प्रगति की समीक्षा की, जिसका उद्देश्य सिगनल एवं दूरसंचार संबंधी विभिन्न गतिविधियों तथा भारतीय रेल में कवच के क्रियान्वयन के संदर्भ में उनके ज्ञान का उन्नयन करना है।

आर. राजगोपाल ने इरिसेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं से भी संवाद किया तथा सिगनल एवं दूरसंचार विशेषज्ञों के कौशल उन्नयन एवं भारतीय रेल में कवच के तेजी से कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कवच प्रयोगशाला में स्थापित विभिन्न प्रशिक्षण उपकरणों तथा इरिसेट एवं सीओई द्वारा किए जा रहे अन्य विकास कार्यों का अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने संस्थान के छात्रावास संख्या 5 एवं छात्रावास संख्या 3 का भी भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, प्रशिक्षु कक्षों एवं भोजनालयों की व्यवस्था एवं रखरखाव का निरीक्षण किया और उसकी सराहना की। इस अवसर पर वीनीत पांडे, कार्यकारी निदेशक (प्रशिक्षण), रेलवे बोर्ड, महानिदेशक (मानव संसाधन) के साथ उपस्थित रहे।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 13 सितंबर- 2025

संस्कृति की वाहिनी होती है भाषा

डा. विनोद बब्बर

निसंदेह प्रकृति ने भारत को अनेकानेक वरदान दिये हैं। हिमाच्छादित पर्वत, रेगिस्तान, पठार, समतल मैदान, नदियां, झीले, समुद्र, अनंत प्रकार के फल-फूल, हर कोस पर बदलता पानी का स्वाद, हर दो कोस पर बदलता वाणी का स्वर हमें विविधता लेकिन समृद्ध एकात्मकता प्रदान करता है। हजारों बोलियों-भाषाएं इस धरती की खूबसूरती है। ये बोलियां-भाषाएं संस्कृति की वाहिनियां हैं। इन्हीं से संवाद है। सम्पर्क है। व्यापार है। व्यवहार है। इनके बिन लोक गूंगा है क्योंकि इन्हीं से लोक संस्कृति है। सभी तीर्थों मेलों और धर्म स्थलों पर परस्पर बोल चाल का माध्यम किसी न किसी न किसी रूप में हिंदी ही होती है। इस प्रकार हिंदी निश्चय ही, देश में परस्पर सम्पर्क और एकता की भाषा है। यह देश की सामासिक संस्कृति की भाषा है। इसी में देश की आत्मा निवास करती है। राष्ट्र की अस्मिता की पहचान भी इस से है। माँ की लोरी से प्रारंभ हुआ भाषा का प्रवाह, अपने प्रभाव से हमारे जीवन मूल्यों का पोषण करता है। ममता, वात्सल्य, स्नेह, प्रेम, श्रद्धा को विशाल क्षितिज प्रदान करने वाले शब्द ही हमारी भाषाओं में विद्यमान है परंतु कोई विदेशी भाषा यह कार्य नहीं कर सकती क्योंकि निज भाषा में जो संवेदनात्मकता होती है, अन्यत्र उसे ढूंढना व्यर्थ है। उदाहरण के तौर पर 'गुरु' शब्द की पड़ताल की जाए तो हम देखते है कि इस शब्द में जो गुरुता है वह 'टीचर' में नहीं है। यह अंतर दो भाषाओं के गहरे सांस्कृतिक अंतर के कारण ही है। गुरु शब्द से जिस श्रद्धा की अनुभूति होती है वह टीचर में कहां? लोकभाषा में पवन शब्दों की अर्थ छटाएँ अलग-अलग हैं। इसके लिए हवा, बतास, बयार, पवन, बगुला, आँधी, अँधड़, बवण्डर, बुढिया, घुमरी, चकरी झाँक, लूक, भूतरा, फगुनहट, सिरवाई, पुरवाई, आदि शब्दों प्रयोग में लाए जाते हैं। यह उदाहरण बताता है कि लोक अपने परिवेश के प्रति सदा से सजग रहा है।

जो हमारी भाषायी सम्पन्नता को नहीं समझता, वह भारत और भारतीय संस्कृति के मर्म को समझ ही नहीं सकता। मैं नहीं कह रहा, बहुत पहले 1782 में, हैनरी ब्रुक ने कहा है, 'जिस भाषा का व्यवहार भारत के प्रत्येक प्रांत के लोग करते हैं। जो पढ़े-लिखे तथा अनपढ़ दोनों की साधारण बोलचाल की भाषा है और जिसे प्रत्येक गांव में थोड़े बहुत पढ़े लिखे लोग समझते हैं, उसका नाम हिंदी है।' समय-समय पर भारत को जानने जो विद्वान यहां आये उन्होंने अपने अनुभवों में इस बात को स्वीकारा है कि जब दो भिन्न प्रान्तों, समुदायों और भाषाओं के लोग आपस में अपनी बात करते हैं तो हिंदी उनकी मदद करती है। हिंदी वास्तव में एक भाषा अथवा बोली नहीं अपितु एक सामाजिक भाषा परम्परा है, जो विभिन्न बोलियों और उपभाषाओं के सांस्कृतिक ताने-बाने से सजी हुई है।

यह सर्वविदित है कि हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रमुख भाषाओं को शामिल किया गया है। अनेक अन्य बोलियों-भाषाओं को भी इस सूची में शामिल करने की मांग की जा रही है। विशेष यह, हिंदी की उपभाषाओं और बोलियों को भी आठवीं अनुसूची में सम्मिलित करने की आवाजें लगातार उठ रही हैं। भारतीय भाषाओं में ज्ञान की अथाह राशि संचित है इसलिए हर बोली-भाषा को संरक्षण मिलना चाहिए। उनका विकास, विस्तार होना चाहिए। इसलिए अवधी, बुंदेली, भोजपुरी, राजस्थानी, कन्नौजी, ब्रज, पहाड़ी, गढ़वाली, कुमाऊँनी, ब्रज, मालवी, हरियाणवी, छत्तीसगढ़ी सहित देश की सभी बोलियों- भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाये लेकिन हिंदी के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व एवं प्रभाव को देखते हुए इस सूची से अलग कर तत्काल राजभाषा का दर्जा दिया जाए। हिंदी की सहयोगी विविध बोलियाँ सदियों से हमारे घर-आँगन से संस्कृति और परम्पराओं की संवाहिका बनी हुई हैं। लेकिन इस बात से भला किसे इंकार होगा कि इन बोलियों-भाषाओं की प्रभाव एक प्रदेश अथवा उसके एक आंचल तक ही हो सकता है परंतु हिंदी समस्त भारत में किसी न किसी रूप में बोली और समझी जाती है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे कारगिल से कन्याकुमारी, कच्छ से कामरूप तक भारत के सभी राज्यों में प्रवास का अवसर मिला। हर प्रांत, हर स्थान पर हिंदी देश की एकता की कुंजी के रूप में मेरे साथ रही। यह केवल मेरी नहीं, हर भारतीय की शक्ति है। सशक्त एकता की इसी कड़ी के बल पर हमने स्वतंत्रता संग्राम में विजय प्राप्त की। गाँधी, सुभाष, टैगोर, तिलक, भगतसिंह, चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य, लाला लाजपत राय हिंदी भाषी नहीं थे लेकिन बात मातृभाषा की नहीं, मातृभूमि की थी। सभी ने एक स्वर में, हिंदी के माध्यम से सोये हुए पूरे देश को जगाया। तमिल भाषी राष्ट्रकवि सुब्रह्मण्यम भारती ने 1906 में अपनी पत्रिका 'इंडिया' के कुछ पृष्ठ हिन्दी के लिए आरक्षित करते हुए सभी से हिंदी सीखने की अपील की। मराठी भाषी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1905 में सबसे पहले घोषणा की कि हिंदी भारत की सर्वमान्य भाषा हो सकती है। हिंदी का सबसे बड़ा सौभाग्य है उसे विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक देवनागरी लिपि प्राप्त है जिसमें रोमन लिपि की तरह जटिलता है और भ्रम नहीं है।

स्वतंत्रता के बाद हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा अनुच्छेद 351 में हिंदी को भारत की सामासिक संस्कृति की प्रतिनिधि भाषा के रूप में विकसित करने का निर्देश इस बात का द्योतक है कि हिंदी भारत की प्रतिनिधि भाषा के रूप में अपना कार्य करेगी। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। राजनीतिक लाभ के लिए कुछ लोगों द्वारा उत्पन्न किये जाने वाले विवादों के कारण वर्तमान में राजभाषा के रूप में विराजित अंग्रेजी की स्थिति अस्थायी है, जिसे एक दिन हिंदी के लिए यह स्थान खाली करना ही होगा। वर्ष 2020 में लागू की गई नई शिक्षा नीति में विदेशी भाषा अंग्रेजी के स्थान पर बच्चे की मातृ-भाषा को प्राथमिक कक्षाओं में अनिवार्य बनाने पर बल दिया गया है। लेकिन दुखद आश्चर्य है कि आज भी अंग्रेजी माध्यम नर्सरी से जारी है। ऐसा करने वालों पर किसी भी प्रकार की दण्डात्मक कार्यवाही न होना दुखद है। शर्मा की बात तो यह है कि तथाकथित अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के दसवीं पास छात्र भी ठीक से हिंदी नहीं पढ़ सकते। ऐसे में वे जीवन भर 'आधे तीतर आधे बटेर' बने किसी तरह से अपनी जीवन गाड़ी को धकेलते हैं। गुलामी की भाषा प्रेमियों को इस संदर्भ में यूनेस्को की 2008 में प्रकाशित पुस्तक (इम्प्रूवमेंट इन द कुआलटी आफ़ मदर टंग- बेस्ड लिटरेसी एण्ड लर्निंग, पृष्ठ 12) पढ़ना चाहिए जिसके अनुसार, 'हमारे रास्ते में बड़ी रुकावट भाषा एवं शिक्षा के बारे में कुछ अंधविश्वास हैं और लोगों की आँखें खोलने के लिए इन अंधविश्वासों का भंडा फोड़ना चाहिए। ऐसा ही एक अन्धविश्वास यह है कि विदेशी भाषा सीखने का अच्छा तरीका इसका शिक्षा के माध्यम के रूप में प्रयोग है। दूसरा अंधविश्वास यह है कि विदेशी भाषा सीखना जितनी जल्दी शुरू किया जाए उतना बेहतर है। तीसरा अंधविश्वास यह है कि मातृ-भाषा विदेशी भाषा सीखने के राह में रुकावट है।' यह कौन नहीं जानता कि भारत में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन से मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम सहित अनेक वैज्ञानिक मातृभाषा में प्रारंभिक अध्ययन की देन हैं। स्पष्ट है कि ये असत्य, अंधविश्वास और पाखंड हैं जबकि वास्तविकता यह है कि सीखने के लिए अपने परिवेश की भाषा ही सबसे सहज, सरल, ग्राह्य होती है। आवश्यक होने पर अंग्रेजी, जर्मन, फ्रैंच, स्पैनिस सहित कोई भी भाषा सीखी जा सकती है। अपनी भाषा से कटने का अर्थ है, जड़ विहीन पौधे की तरह जीवन भर संघर्ष करते रहना। हमें अपने आपसे पूछना चाहिए कि क्या हम अपने बच्चों को जड़विहीन, संस्कृति विहीन, संस्कार विहीन, मानसिक गुलाम बनाना चाहते है? हम यह क्यों भूलते हैं कि दूसरों की बोली-भाषा बोलने वाला तोता पिंजरे में रहता है तो अपनी बोली बोलने वाली मैना आजाद रहती है? अंग्रेजी के पक्षधर नहीं जानते या नहीं जानना चाहते कि पिछली जनगणना के

विदेश में भारतीयों पर हमले

अमेरिका के डलास में एक भारतीय मूल के व्यक्ति की उसके परिवार के सामने गला काटकर हत्या कर दी गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन से लेकर आयरलैंड तक में भारतीय मूल के लोगों पर नस्ली और जानलेवा हमले हो रहे हैं, जिसे लेकर की जा रही चिंता स्वाभाविक है। अमेरिका के टेक्सास में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद 50 वर्षीय कर्नाटक के रहने वाले होटल मैनेजर का उसकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर दिया गया। किसी भारतीय की हत्या या हमले की यह पहली घटना नहीं है। पिछले कुछ समय से अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया से लेकर आयरलैंड तक भारतीय मूल के लोगों पर जानलेवा हमले की घटनाएं हो रही हैं। भारतीय मूल के लोगों से वहां के स्थानीय लोगों की जलन और हताशा इतनी बढ़ गई है कि वह अब हिंसक हो चुके हैं। इस साल मार्च में फ्लोरिडा के एक अस्पताल में भारतीय मूल की एक नर्स पर एक मरीज ने हमला कर दिया था। मरीज ने 67 वर्षीय नर्स लीला लाल के चेहरे पर कई बार घूंसा मारा था। हमले में उनके चेहरे की हड्डी टूट गई थी। इसी तरह आयरलैंड में 7 अगस्त को भारतीय मूल की एक नर्स की छह वर्षीय बेटी पर हमले की खबर आई थी। केरल से ताल्लुक रखने वाली अनूपा अच्युतन वॉटरफोर्ड शहर में रह रही हैं। घर के बाहर खेलने के दौरान ही कुछ लड़कों ने नर्स की बेटी पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं नस्ली हमले के बाद उससे 'भारत वापस जाने' के लिए कहा गया। अच्युतन इस साल की शुरुआत में अपने पति, बेटी निया और 10 महीने के बेटे के साथ डबलिन से वॉटरफोर्ड जाकर रहने लगी थीं। इससे पहले, राजधानी डबलिन में तीन बदमाशों ने भारतीय मूल के एक होटल की पिटाई की और उसका मोबाइल फोन व इलेक्ट्रिक बाइक छीनकर भाग गए। पीड़ित को सेंट विंसेंट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। आयरलैंड में टैक्सी चालक लखवीर सिंह और उद्यमी एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्सपर्ट संतोष यादव पर नस्ली हमले के मामले सामने आए थे। जुलाई में ऑस्ट्रेलिया में कुछ किशोरों ने भारतीय मूल के 33 वर्षीय सौरभ आनंद पर धारदार हथियार से क्रूरता के साथ हमला किया था। यह हमला उसी दिन हुआ जिस दिन ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में एक भारतीय छात्र कथित नस्लवादी हमले में घायल हो गया था। आनंद 19 जुलाई को मेलबर्न के अल्टोना मीडोज में सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के एक दवाखाने से दवाइयां लेने के बाद घर जा रहे थे। उसी समय किशोरों ने पीछे से उनपर हमला कर दिया। आनंद के सिर में भी चोटें आईं, उनके बाएं हाथ की हड्डी टूट गई और रीढ़ की हड्डी में भी 'फ्रैक्चर' हो गया। जून में ऑस्ट्रेलिया में पुलिस अधिकारी ने भारतीय मूल के व्यक्ति को गिरफ्तार करने का प्रयास करते समय गर्दन को घुटने से दबा दिया था। इस वजह से लगी चोट के बाद अस्पताल में भर्ती 42 वर्षीय भारतीय मूल के गौरव कुंदी की मौत हो गई थी। घटना से जुड़े एक वीडियो में पुलिसकर्मी को कुंदी से साथ जबरदस्ती करते हुए देखा गया था। जबकि वह और उनकी पत्नी अमृतपाल कौर पुलिस की इस हरकत का चीख-चीखकर विरोध कर रहे थे। जुलाई में ही ब्रिटेन में एक हमले में घायल 56 वर्षीय भारतीय महिला की मौत हो गई थी। नीला पटेल नाम की महिला पर सड़क पर टहलने के दौरान एक व्यक्ति ने हमला कर दिया था। नीला पटेल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पटेल के बेटे जेडेन और बेटी दानिका ने अपनी मां को श्रद्धांजलि देते हुए भावुक कहा हमारी मां वास्तव में एक खूबसूरत और जीवंत आत्मा थीं, जो बहुत अधिक पाने की हकदार थीं।

करोड़ों दिलों में राज करती हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं।

संजीव ठाकुर

हिंदी करोड़ दिलों में बसी हुई भाषा है। इसके अलावा विदेशों में भी करोड़ों लोगों के मध्य संवाद की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है किंतु आज पर्यंत तक हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का सर्वोच्च सम्मान अभी भी अपेक्षित है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं और थे, जैसे ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ रामगुलाम, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, श्री इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है।

हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है। हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं किया यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है।

इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है।

ट्रंप के बदले तेवर के पीछे की असल कहानी

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कब क्या कहेंगे, और उनका अगला कदम क्या होगा, ये किसी को पता नहीं होता। जब से ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, तब से वो अपने फैसलों से चौंका रहे हैं। खासकर टैरिफ को लेकर ट्रंप लगातार अपने बयान बदलते रहे हैं। इसी कड़ी में अमेरिका ने एकतरफा फैसला सुनाते हुए भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया है, जिसका भारत लगातार विरोध कर रहा है। वैसे भारत और अमेरिका के बीच बेहतर कारोबारी रिश्ते हैं, मौजूदा समय में भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर अमेरिका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत और अमेरिका के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार (निर्यात और आयात) 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इस दौरान भारत ने अमेरिका को 86.51 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया, और 45.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात किया।लेकिन टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच थोड़ी दूरियां बढ़ गई हैं। क्योंकि ट्रंप कभी पीएम मोदी को अपना दोस्त बताते हैं और अगले दिन ही व्यापारिक प्रतिबंध बढ़ा देते हैं, इससे रणनीतिक भरोसा कमजोर होता है। इस बीच एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को अपना दोस्त बताया है और कारोबारी मतभेदों को जल्द दूर करने की बात कही है। अब अचानक भारत को लेकर ट्रंप के रुख में लचीलेपन ते कई कारण बताए जा रहे हैं। क्योंकि हाल ही उन्होंने यूरोपीय संघ (EU) को भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की सलाह दी थी, जबकि इससे इतर वो भारत से ट्रेड समझौते की बात भी कह रहे हैं, उनकी बदलती चाल एक तरह से भारत के लिए चुनौती भी है। जानकारों का कहना है कि भारत को जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचना चाहिए।गौरतलब है कि इससे पहले पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप की भारत को लेकर अचानक बदली रणनीति के पीछे व्यक्तिगत फैसला हो सकता है, क्योंकि व्यापारिक तौर कुछ भी नहीं बदला है। उन्होंने कहा कि अचानक इस तरह के बयान देकर माहौल को ठंडा किया जा सकता है, और इसका त्वरित लाभ ट्रंप को मिल जाएगा। लेकिन इसके दूरगामी नुकसान भी हैं। हालांकि सिब्बल का मानना है कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक से जारी हुईं तस्वीरों ने व्हाइट हाउस को सोचने के लिए मजबूर कर दिया , जिससे ट्रंप ने अब भारत के प्रति नरम रुख अपनाया है। इस बदलाव को सिब्बल ने एक सकारात्मक संकेत माना है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी कि यह रुख फिर अचानक बदल सकता है। चीन ने पिछले हफ्ते द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की 80 वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने वाली एक सैन्य परेड में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया था , जिसकी निगरानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने की थी, जो वाशिंगटन, डीसी में हजारों मील दूर थे, जिन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि मैं इसे देखूं, और वह वास्तव में था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने तियानमेन स्क्वायर में भव्य समारोह के बारे में विस्तार से नहीं बताया। ट्रम्प और बाकी दुनिया के लिए चीन का संदेश स्पष्ट था: कि दुनिया में एक नया शक्ति केंद्र बन रहा है, जो सौ साल पुरानी अमेरिकी आधिपत्य प्रणाली को चुनौती देने के लिए, तैयार है। उस दिन ट्रंप ओवल ऑफिस में पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नोवरत्स्की के साथ मुलाकात कर रहे थे। उस समय उन्होंने चीन की सैन्य परेड के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा था। चीन के साथ टैरिफ युद्ध के दौरान की घटनाओं के बारे में ट्रम्प के बयान उदासीनता, दुःख और चिंता का मिश्रण थे। ट्रम्प परेड के बारे में बेपरवाह दिखाई दिए और कहा कि चीन दो दर्जन से अधिक राष्ट्राध्यक्षों के सामने चीन के शक्ति प्रदर्शन के बारे में चिंतित नहीं था। हालांकि, चीन द्वितीय विश्व युद्ध में अपने योगदान के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को श्रेय नहीं देता है। उन्होंने इसकी शिकायत की। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, "कृपया पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक बधाई दें, जबकि आप अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। कुल मिलाकर, अन्य देशों का एक साथ आना ट्रम्प को असहज कर रहा है।ट्रम्प को परेड और सैन्य शक्ति के प्रदर्शनों के लिए विशेष प्यार है। पिछले महीने उन्होंने अलास्का में रेड कार्पेट पर पुतिन का अभिवादन किया। स्टील्थ बमवर्षकों और अमेरिकी जेट विमानों ने ऊपर से उड़ान भरी। दो महीने पहले, उन्होंने अमेरिकी सेना की 250 वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए वाशिंगटन में एक सैन्य परेड की मेजबानी की। चीन की नवीनतम सैन्य परेड अपने उच्च तकनीक वाले हथियारों और अनुशासित मार्चिंग के लिए जानी जाती थी। यह एक सामान्य घटना थी। द्वितीय विश्व युद्ध में इस्तेमाल किए गए टैंक और क्रांतिकारी युग के सैनिक व्हाइट हाउस के पास कॉन्स्टीट्यूशन एवेन्यू पर इत्मीनान से चल रहे थे। यह ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे पर आधारित एक यादगार कार्यक्रम था। अमेरिका के गौरवशाली इतिहास और इस घटना पर नजर डालते हुए ट्रंप ने 19वीं सदी के उस समय को याद किया। चीन की सैन्य परेड में अपने भविष्य के हथियारों का प्रदर्शन किया गया और वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने यह भी दिखाने की कोशिश की कि चीन ने द्वितीय विश्व युद्ध में फासीवाद और साम्राज्यवाद को हराने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका दावा है कि अगर उस युद्ध ने तथाकथित 'अमेरिकी सदी' की शुरुआत की है, तो चीन अब एक नई विश्व व्यवस्था बनाने में सफल होगा। कार्यालय में ट्रम्प के पहले सहयोगी रहे रिचर्ड विल्की ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार में चीनी राष्ट्रवादी और अमेरिकी सेनाओं का योगदान चीनी कम्युनिस्ट ताकतों के योगदान से अधिक था। इस सप्ताह चीन की सैन्य परेड संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए चिंता का एकमात्र कारण नहीं थी। इसके अलावा अमेरिकी नीति निर्माताओं के लिए चिंता के कई अन्य कारण भी थे। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस बीच, चीन-भारत संबंधों में सुधार का एक प्रमुख कारण ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ हैं। इसने भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने दुनिया की आर्थिक और आर्थिक और आर्थिक समस्याओं को प्रभावित किया है। राजनीतिक ध्रुवीकरण बदतर हो गया है। चीन, रूस और भारत, जिन्हें प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, इस बात का एक बड़ा उदाहरण हैं कि कैसे देश बदली हुई परिस्थितियों में एक साथ आ सकते हैं।

बताया जाता है कि दरअसल ट्रम्प ने अमेरिकी उद्योग की रक्षा करने और सरकार के लिए नया राजस्व उत्पन्न करने की योजना के हिस्से के रूप में टैरिफ का समर्थन किया है। ट्रम्प समर्थित अमेरिका फर्स्ट फॉरेन पॉलिसी इंस्टीट्यूट में अमेरिकी सुरक्षा के सह-अध्यक्ष रिचर्ड विल्की का कहना है कि कोरियाई, जापानी, फिलिपिनो और वियतनामी अच्छी तरह से जानते हैं कि वास्तविक खतरा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनकी व्यापार साझेदारी के लिए एक छोटी बाधा नहीं है, बल्कि चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति है। ट्रम्प अक्सर अन्य देशों में संघर्षों और चिंताओं के प्रति उदासीन रहे हैं। यह मदद नहीं करता है। इसके बजाय, वे संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक रूप से करीब देशों की समस्याओं में रुचि दिखा रहे हैं, जैसे कि ग्रीनलैंड, पनामा और कनाडा।

क्या नई पीढ़ी बालेन शाह जैसे चेहरों के साथ जातीय ढांचे को बदल पाएगी?

डॉ सत्यवान सौरभ

नेपाल हिमालय की गोद में बसा छोटा-सा देश है। आकार में भले छोटा हो, लेकिन राजनीति और जातीय समीकरण के लिहाज से इसकी जटिलता किसी बड़े देश से कम नहीं। नेपाल पिछले तीन दशकों से लोकतंत्र का प्रयोग कर रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह लोकतंत्र अब भी अधूरा है। सत्ता और संसाधनों पर एक ही वर्ग का कब्ज़ा है—पहाड़ी ब्राह्मण और क्षत्रिय जातियाँ। संसद से लेकर प्रशासन और सेना तक, हर जगह यही जातियाँ हावी हैं। मधेशी, जनजातीय, दलित और महिलाएँ अब भी सत्ता की सीढ़ियों के निचले पायदान पर खड़ी हैं।

1990 में नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी हुई थी। जनता को उम्मीद थी कि अब सत्ता में विविधता आएगी और हर समुदाय को बराबरी का अवसर मिलेगा। लेकिन हुआ इसके ठीक उल्टा। 1990 से अब तक नेपाल ने 13 प्रधानमंत्री देखे। इनमें से 10 पहाड़ी ब्राह्मण और 3 क्षत्रिय रहे। यानी 35% मधेशियों की आबादी होने के बावजूद एक भी मधेशी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया। जनजातीय और आदिवासी समूह संसद में मौजूद हैं, लेकिन उनके नेता केवल प्रतीकात्मक पदों तक सीमित रहे। दलित और महिलाएँ तो आज भी सत्ता के सबसे हाशिये पर खड़ी हैं। यह तस्वीर बताती है कि नेपाल का लोकतंत्र कितनी गहरी जातीय असमानता से ग्रस्त है। लोकतंत्र के नाम पर चेहरे तो बदले, लेकिन सत्ता का चरित्र वही रहा—ब्राह्मण और क्षत्रिय केंद्रित। नेपाल की आधी से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यही वह नई पीढ़ी है जिसे जनरेशन-Z कहा जाता है। यह सोशल मीडिया, पॉप कल्चर और वैश्विक राजनीति से जुड़ी हुई है। इनके लिए जाति और वंश की राजनीति पुरानी और अप्रासंगिक है। यह पीढ़ी पारदर्शिता चाहती है, समान अवसर चाहती है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह बदलाव को केवल सोचती नहीं बल्कि मांग भी करती है। यही कारण है कि काठमांडू के मेयर बालेन शाह आज नेपाल के युवाओं के बीच परिवर्तन का प्रतीक बन चुके हैं। 2022 में जब बालेन शाह ने काठमांडू के मेयर का चुनाव जीता तो यह केवल एक चुनाव नहीं था, बल्कि सत्ता की पुरानी धारणाओं पर सीधी चोट थी। काठमांडू दशकों से मुख्यधारा की पार्टियों—नेपाली कांग्रेस, यूएमएल और माओवादी केंद्र—का गढ़ माना जाता था। लेकिन शाह ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सबको चौंका दिया। वे न तो परंपरागत राजनीति से आए थे और न ही किसी जातीय वंश से जुड़े थे। उनकी पृष्ठभूमि हिप-हॉप कलाकार और इंजीनियर की थी। वे मधेशी भी हैं और बौद्ध भी। यानी हर लिहाज से नेपाल की मुख्यधारा की राजनीति से बिल्कुल अलग। उनकी जीत ने यह संदेश दिया कि जनता अब विकल्प चाहती है। खासकर युवा पीढ़ी, जो बार-बार जातीय गणित से चलने वाली राजनीति से ऊब चुकी है।

बालेन शाह का असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। वे सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय हैं और सीधा संवाद करने का तरीका जानते हैं। नेपाल की मौजूदा राजनीति जहाँ अभी भी भाषण और रैलियों पर निर्भर है, वहीं शाह डिजिटल युग की राजनीति कर रहे हैं। उनका संगीत, उनकी स्पष्ट बातें और उनकी स्वतंत्र छवि युवाओं को तुरंत आकर्षित करती है। यह फर्क बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि नेपाल की राजनीति में पहली बार कोई ऐसा चेहरा सामने आया है जो राजनीति को कूल बना रहा है।

लेकिन सवाल यही है कि क्या नेपाल की पुरानी सत्ता संरचना इतनी आसानी से टूट जाएगी? नेपाली कांग्रेस, यूएमएल और माओवादी जैसे दल दशकों से सत्ता पर काबिज हैं। इनके नेता ब्राह्मण और क्षत्रिय समुदाय से आते हैं और इनकी पकड़ प्रशासन, सेना और नौकरशाही तक फैली हुई है। यह पूरा ढांचा बालेन शाह जैसे किसी नेता के लिए दीवार की तरह खड़ा हो सकता है। संभावना है कि शाह को "अनुभवहीन" या "पॉपुलिस्ट" कहकर खारिज करने की कोशिश की जाएगी। उनकी स्वतंत्र पहचान पर सवाल उठाए जाएंगे। और सबसे बड़ी बात यह है कि सत्ता में बैठे लोग कभी आसानी से अपनी कुर्सी नहीं छोड़ते। अगर नेपाल बालेन शाह जैसे नेता को प्रधानमंत्री बनने का मौका देता है, तो यह केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं होगी, बल्कि ऐतिहासिक होगा।

नेपाल पहली बार किसी गैर-ब्राह्मण/क्षत्रिय प्रधानमंत्री को देखेगा। यह संदेश जाएगा कि लोकतंत्र केवल नाम का नहीं बल्कि वास्तविक रूप से समावेशी है। मधेशी, जनजातीय और दलित समुदाय को यह विश्वास मिलेगा कि सत्ता में उनकी भी हिस्सेदारी है। युवाओं को लगेगा कि उनकी आवाज़ मायने रखती है। लेकिन अगर बदलाव की इस मांग को दबाया गया, तो इसके नतीजे गंभीर होंगे। युवा पीढ़ी पहले ही अधीर है। वे सोशल मीडिया पर अपनी नाराज़गी और सपनों को साझा कर रहे हैं। अगर उनकी आवाज़ दबाई गई, तो असंतोष सड़क पर आंदोलन में बदल सकता है।

डॉ. साहब, क्या आपने भी पापड़ बेले हैं?

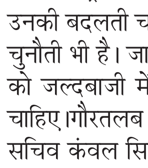
डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कल अखबार की पहली खबर ने तो पूरे हिंदी विभाग को ऐसा हिला दिया जैसे गर्मी में विभागाध्यक्ष के कमरे में एसी की हवा घुस जाए! प्रोफेसर डॉ. सत्यपाल भटनागर तीन हफ्ते के अमरीकी दौरे पर जा रहे हैं - विषय 'भारतीय संस्कृति में हिंदी', साथ में शोध-प्रबंध भी पढ़ेंगे।" हिंदी में नाम हुआ कि विदेश जाना, वरना तो प्रायोगिक हिंदी अध्यापक का हाल वही रहता है, जो सरकारी स्कूल में अंग्रेजी शिक्षकों काः हाजिरी पूरी, काम आधा, नाम लुप्त। पर डॉ. भटनागर यथार्थ के मीटर-ऐरे-गैरे-नत्थू खैरे से दिल नहीं लगाते, वे शोध की चौपाल लगाने और छात्रों के भविष्य का 'प्रोजेक्शन' बनाने में विश्वास रखते हैं। सुना था, शोध वही करता है, जिसे दुनिया की कोई भी और नौकरी नहीं मिलती! खुद डॉ. भटनागर भी चकमा मारते हुए रिसर्चर बन गए। बाकी—शोध के लिए लाइब्रेरी का समय, विभाग के बाबुओं की मुस्कान, और सहपाठियों का भ्रष्टाचार सब बेमतलब! असली मजा तो तब आता है, जब शोधार्थी के हाथ में 'थीसिस जमा' की पावती होती है और मुँह में उपाध्याय जी की चाय–कम चीनी, ज्यादा तंज! हिंदी विभाग में शोध का असली रणक्षेत्र वह कार्यालय-कक्ष होता है, जहां पंखा उतनी बार नहीं चलता जितनी बार गाइड की तपस्या सुनाई जाती है। आप शोध शुरू करो तो सबसे पहले गाइड साहब को खोजो। गाइड की खोली में बैठे-बैठे चाय बनाओ, पालतू बिल्ली से दोस्ती करो, और हर शाम उसकी छत पर किसी न किसी विभागीय बोधगाथा का प्रसारण सुनो। रिसर्चर बेचारा बाहर से आया बिरयानी खाने, लेकिन गाइड हर दिन भूखे पेट ही लौटा देता है। किताबों का मिलना वैसी ही टेढ़ी खीर है, जैसे विश्वविद्यालय के क्लर्क से सही फाइल नंबर मिलना।अगर कोई किताब मिल भी जाए तो ताज्जुब नहीं—उस पर गाइड या उसकी बीवी का नाम खुदा होगा और पन्नों के बीच लाइब्रेरी की रसीद की जगह पान की पुड़िया दबी मिलेगी! विषय चुनने का पाखंड भी दिलचस्प है। डॉ. साहब कहते हैं, "कुछ ऐसा लाओ, जो किसी ने ढूंढा ही न हो।" अब हिंदी में मौलिकता खोजना ठीक वैसे है जैसे गंजे के सिर पर बाल ढूँढ़ना। आखिर रिसर्चर एक विषय सोचता हैः 'हिंदी सिनेमा में पत्थरदिल प्रेम', अब गाइड कहते हैं – "यह बहुत ही नया है, लेकिन विभागाध्यक्ष को मंजूर नहीं; तुम 'उत्तर-आधुनिकता में घरेलू भाषा' पर लिखो, उसमें विभाग का नाम छपेगा।" बेहाल शोधार्थी को मौलिकता दिखाने के लिए हर साल पैंतालीस फॉर्म भरने पड़ते हैं, कॉलेज की कैंटीन का हिसाब अलग! इधर मौलिकता का ड्रामा उधर थीसिस के पन्ने बढ़ते हैं—बरसात में मच्छर! रिसर्चर यानी रामू, शामू, और नई पीढ़ी के स्पाइडर-मैन तक सब नोट्स की फोटोस्टेट के भरोसे रोज़ विश्वविद्यालय की कैंटीन पर एक्सरसाइज करते हैं।

संतान की लंबी आयु के लिए कब और किस देवता की करनी होती है पूजा?

हिंदू धर्म में संतान से जुड़े तमाम तरह के व्रत में जीवित्पुत्रिका या फिर कहें जितिया व्रत का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है। मान्यता है कि नहाय खाय से प्रारंभ होकर तीन दिनों तक चलने वाले इस व्रत को करने पर संतान की आयु बढ़ती है और वह सुखी जीवन जीता है।

जितिया व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त

संतान के सुख-सौभाग्य से जुड़े जिस व्रत को बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश के पूर्वी राज्यों में मुख्य रूप से रखा जाता है उसकी शुरुआत इस साल 13 सितंबर 2025 को नहाय खाय से होगी। इसके अगले दिन 14 सितंबर 2025 को विधि-विधान से जीवित्पुत्रिका व्रत रखा जाएगा, जबकि इसका पारण अगले दिन 15 सितंबर को किया जाएगा।

जीवित्पुत्रिका व्रत की कथा

हिंदू मान्यता के अनुसार जितिया व्रत की शुरुआत कलियुग की प्रारंभ में हुई। मान्यता है कि एक बार जीमूतवाहन नाम के राजा कहीं जा रहे थे तभी उन्हें एक रोती हुई स्त्री की आवाज सुनाई दी। जिसके पास जाने पर उन्हें पता चलता कि भगवान श्री विष्णु का वाहन आज उनके पुत्र को उठाकर ले जाएगा और खा जाएगा। तब राजा ने उस महिला को भरोसा दिलाया कि वे उसके बेटे की जगह गरुण का भोजन बनेंगे।

जब उन्होंने महिला के बेटे की जगह खुद को प्रस्तुत किया तो गरुण ने राजा के परोपकार की भावना से प्रसन्न होकर उन्हें वैकुंठ में जाने का आशीर्वाद दिया और बाकी बच्चों को भी पुनर्जीवित कर दिया। मान्यता है कि तभी से क पहले बाकी बच्चों को भी जीवित कर दिया। मान्यता कि तभी से महिलाएं अपनी संतान की सुरक्षा और सौभाग्य के लिए जीमूतवाहन देवता के लिए व्रत और पूजा इस दिन करने लगीं।

जीवित्पुत्रिका व्रत की पूजा विधि

जीवित्पुत्रिका व्रत भी छठ के समान होता है। जितिया व्रत का पुण्यफल पाने के लिए महिलाओं को इस व्रत के एक दिन पहले नहाय-खाय की परंपरा निभानी होती है। इस दिन महिलाएं सात्विक भोजन बनाकर पहले अपने पितरों को और फिर कौवे आदि को अर्पित करना होता है। जितिया व्रत वाले दिन महिलाएं को सूर्योदय से पहले उठकर स्नान-ध्यान करना चाहिए और पूरे दिन निर्जल व्रत रखना चाहिए।

जितिया व्रत की पूजा करने के लिए घर के पवित्र स्थान पर मिट्टी और गोबर से लिपाई करके एक छोटा सा तालाब बना लें और वहां पर कुशा की मदद से भगवान जीमूतवाहन को स्थापित करें।

इसके साथ वहीं पर मिट्टी और गोबर की मदद से चील और सियारिन की प्रतिमा भी बनाएं और उनकी पूजा भी साथ ही साथ करें। भगवान जीमूतवाहन की धूप-दीप, माला-फूल, रोली-सिंदूर, मिठाई-फल आदि को अर्पित करके जितिया व्रत की कथा पढ़ें या फिर सुनें। व्रत के अगले दिन शुभ मुहूर्त में पारण करके भगवान जीमूतवाहन से संतान की लंबी आयु का आशीर्वाद मांगें।

कब किया जाएगा मृत पुरुषों का श्राद्ध?

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का बड़ा महत्व है। यह 15 दिनों की वह अवधि है, जब हम अपने दिवंगत पूर्वजों को से जुड़े अनुष्ठान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन दिनों में पितर पितृ लोक से पृथ्वी पर आते हैं और अपने वंशजों द्वारा किए गए तर्पण और श्राद्ध को स्वीकार करते हैं।

पितृ पक्ष की शुरुआत हो चुकी है, जिसका समापन सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। ऐसे में आइए जानते हैं कि दिवंगत पुरुषों का श्राद्ध कब करना चाहिए?

श्राद्ध का महत्व

पितृ पक्ष में श्राद्ध करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि इस दौरान किए गए श्राद्ध कर्म से पूर्वजों को मोक्ष मिलता है। श्राद्ध करने से पितृ ऋण उतरता है और वे अपने वंशजों को सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और लंबी आयु का आशीर्वाद देते हैं। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह कृतज्ञता, प्यार और सम्मान का प्रतीक है।

कब करें दिवंगत पुरुषों का श्राद्ध?

सही तिथि पर – मृत्य पुरुषों का श्राद्ध उस तिथि पर किया जाता है, जिस तिथि पर पूर्वज का निधन हुआ हो। अगर किसी वजह से तिथि की जानकारी न हो तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन भी श्राद्ध करना शुभ माना जाता है। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

शुभ मुहूर्त – श्राद्ध कर्म करने का सबसे अच्छा समय दोपहर का होता है, जिसे 'कुतप काल' या 'रौहिण मुहूर्त' कहा जाता है। यह समय अलग-अलग तिथियों के अनुसार बदलता रहता है, लेकिन सामान्य तौर पर कुतप मुहूर्त सुबह 11 बजकर 53 मिनट से 12 बजकर 43 मिनट के बीच होती है।

दिशा – श्राद्ध करते समय व्यक्ति को दक्षिण दिशा की ओर मुख करके बैठना चाहिए, क्योंकि यह पितरों की दिशा मानी जाती है।

आवश्यक सामग्री - श्राद्ध में कुश घास और काले तिल का उपयोग किया जाता है। इसके बिना श्राद्ध को अधूरा माना जाता है।

भोजन – श्राद्ध के लिए सात्विक भोजन तैयार किया जाता है। भोजन में खीर, पूड़ी, और कद्दू की सब्जी जैसी चीजें शामिल होती हैं।

दान – श्राद्ध के बाद भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कुत्ते, कौवे और चींटियों को खिलाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे पूर्वजों की आत्मा तृप्त होती है। इसके साथ ही ब्राह्मणों को भोजन और दक्षिणा भी जरूर देना चाहिए।

सात्विक जीवन – पितृ पक्ष के दौरान व्यक्ति को सात्विकता का ध्यान रखना चाहिए।

हस्तरेखाएं ही सब कुछ तय करती हैं ? विक्रमादित्य का ये जवाब दूर कर देगा सारे भ्रम

सम्राट विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे, परन्तु वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी सम्राट विक्रमादित्य के पास आए और बोले, ''महाराज, आपके दरबार में कई ज्योतिषी हैं।

आपकी ओर से हमें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, परन्तु आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं ?''

सम्राट विक्रमादित्य ने कहा, ''मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखाओं की बात है, तो मैं इनमें विश्वास नहीं रखता लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए।''

हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई।

राजा ने पूछा, ''क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं ?''

राज ज्योतिषी ने कहा, ''राजन आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आपको तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों वर्षों से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को।''

विक्रमादित्य ने कहा, ''अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए।''

इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, ''बस महाराज रहने दीजिए।''

राजा ने कहा, ''ज्योतिषी जी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, दुर्भाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है।''

पितृ पक्ष में इन पेड़-पौधों के पास जलाएं दीपक, नेगेटिव एनर्जी रहेगी दूर

पितृ पक्ष के दौरान तर्पण पिंडदान और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं जिससे साधक पितृ प्रसन्न होकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे पेड़-पौधों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके आसपास पितृ पक्ष में दीपक जलाने से आपको काफी लाभ देखने को मिल सकता है।

पितरों के लिए समर्पित है पितृपक्ष की अवधि।

7 सितंबर से 21 सितंबर तक चलेगा श्राद्ध पक्ष

पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म करना होता है शुभ

इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हो चुकी है, जो 21 सितंबर तक चलने वाला है। इस 15 दिन की समयावधि को पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बहुत ही उत्तम माना गया है। ऐसा करने से जातक व उसके परिवार को पितरों का आशीर्वाद मिलता है। इसके साथ ही आप पितृ पक्ष में इन पेड़-पौधों के पास दीपक जला सकते हैं, जिससे आपको पितरों की कृपा मिल सकती है। साथ ही पितृ दोष से भी राहत देखने को मिल सकती है।

मिलेगा पितरों का आशीर्वाद

पितृ पक्ष में पीपल की पूजा करना पितरों की कृपा प्राप्ति का एक उत्तम उपाय माना गया है। इस पेड़ में पितरों का भी वास माना गया है।

ऐसे में आप पितृ पक्ष में रोजाना शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे दीपक में काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जला सकते हैं। इससे आपको पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

दूर होगी नकारात्मकता

हिंदू धर्म में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। ऐसे में यदि आप पितृ पक्ष के दौरान तुलसी के पास दीपक जलाते हैं, तो इससे आपको कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। पितृ पक्ष में रोजाना शाम के समय तुलसी के पास घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे नकारात्मकता दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है।

इससे भी मिलेगा लाभ

पितृ पक्ष के दौरान आप शाम के समय बरगद के पेड़ के नीचे घी का दीपक जला सकते हैं। इससे आपको शुभ परिणाम देखने को मिल सकते है।

शमी के पौधे का संबंध शनिदेव और भगवान शिव से माना गया है। ऐसे में आप शमी के पेड़ के नीचे भी दीपक जला सकते हैं। ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और पितृ दोष से भी राहत मिल सकती है।

श्राद्ध के दौरान रखें इन बातों का ध्यान, पितर होंगे प्रसन्न

श्राद्ध के दौरान वास्तु शास्त्र का पालन करने से पितरों को प्रसन्न किया जा सकता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। मुख्य रूप से, दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है, इसलिए तर्पण और पूजा दक्षिण की ओर मुख करके करनी चाहिए। घर के दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम दिशा की दीवार पर पितरों की तस्वीर लगाना शुभ होता है, लेकिन उन्हें बैडरूम, रसोई या सीढ़ियों के पास रखने से बचें।

एक से अधिक पितरों की तस्वीरें घर में न लगाएं, इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। घर के मुख्य द्वार को स्वच्छ रखें और टपकते नल को तुरंत ठीक कराएं।

दक्षिण दिशा की ओर पैर करके सोने से बचें क्योंकि इससे पितर नाराज हो सकते हैं। अग्नि को पूजा स्थल के आग्नेय (दक्षिण-पूर्व) कोण में रखें। श्राद्ध के दौरान घर में शांति और एकाग्रता बनाए रखें।

श्राद्ध के दौरान नए कपड़े, जूते या अन्य वस्तुएं खरीदना टालना चाहिए। श्राद्ध के दौरान मांस, प्याज, लहसुन और शराब का सेवन न करें। पितृ पक्ष के दौरान गृह प्रवेश, विवाह जैसे शुभ कार्य न करें। घर में लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल न करें। इसके बजाय चांदी, पीतल या तांबे के बर्तनों का प्रयोग करें।

अयोध्या में राम मंदिर के पास गिलहरी की मूर्ति क्यों हुई स्थापित?

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के पास ही अंगद टीले पर हाल ही में गिलहरी की एक विशाल मूर्ति को स्थापित किया गया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के द्वारा इस मूर्ति की स्थापना की गई। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट ने रामायण में गिलहरी की भूमिका को मान्यता देते हुए यह कदम उठाया। आपको बता दें कि गिलहरी की मूर्ति ऐसी जगह पर लगाई गई है, जहां से ऐसा प्रतीत होता है कि गिलहरी मंदिर को निहार रही है। आइए ऐसे में जान लेते हैं कि आखिर गिलहरी ने रामायण में क्या भूमिका निभाई थी और उसका योगदान क्यों विशेष था।

रामायण में गिलहरी की भूमिका

वाल्मीकि रामायण के अनुसार, माता सीता तक पहुंचने के लिए भगवान वानर सेना के द्वारा जब राम सेतु का निर्माण किया जा रहा था तब एक गिलहरी भी वहां मौजूद थी। वानर जहां बड़े-बड़े पत्थर सेतु के निर्माण में लगा रहे थे वहीं एक छोटी सी गिलहरी भी कंकड़ और रेत समुद्र में गिरा रही थी। गिलहरी यह कार्य पूरे मनोयोग से कर रही थी और सेतु निर्माण में योगदान दे रही थी। उसको ऐसा करते देख वानरों ने उसका मजाक उड़ाया और उससे कहा कि तुम बहुत छोटी हो और पत्थरों के नीचे दब जाओगी इसलिए यहां से चली जाओ।

यह बात जब श्रीराम को पता चली तो उन्होंने हस्तक्षेप किया और वानरों से कहा कि गिलहरी के द्वारा सेतु तक ले जाए गए छोटे कंकड़ और रेत पुल को मजबूती दे रहे हैं, और सेतु के बीच के सुराखों को भर रहे हैं। यानि भगवान श्रीराम ने गिलहरी के योगदान को भी पूरा श्रेय दिया जिसके बाद वानरों ने अपनी भूल के लिए क्षमा मांगी। माना जाता है कि इस दौरान श्रीराम ने गिलहरी को अपने हाथ पर पकड़कर दूसरे हाथ की तीन उंगलियों से प्रेम पूर्वक गिलहरी की पीठ को सहलाया था और तब से ही गिलहरी की पीठ पर तीन रेखाएं उभर आई। ये तीन रेखाएं भगवान राम के प्रेम, स्नेह को दर्शाती हैं। भगवान श्रीराम ने गिलहरी के कार्य को सराहकर यह संदेश दिया था कि हर व्यक्ति या जीवन चाहे वो छोटा हो या बड़ा उसका प्रयास महत्वपूर्ण होता है। समर्पण और भक्ति से किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं होता।

काशी के कोतवाल हैं कालभैरव

सुरेश गांधी

गंगा की गोद में बसी काशी केवल एक नगर नहीं, यह तो सनातन संस्कृति की जीवित सांस है। यहां हर घाट, हर गलियारा, हर मंदिर किसी अनंत कथा का साक्षी है। काशी आने वाले यात्री के मन में सबसे बड़ा प्रश्न यही उठता है कि यात्रा की शुरुआत किससे हो, क्या सीधे बाबा विश्वनाथ, जगत के ज्योतिर्लिंग से या फिर काशी के कोतवाल कहे जाने वाले काल भैरव से? परंपरा कहती है कि काशी यात्रा की शुरुआत प्रातःकाल गंगा स्नान से होनी चाहिए। स्नान के बाद भक्त काल भैरव मंदिर पहुंचते हैं। वहां पूजा-अर्चना कर वे मानो काशी की दहलीज पर दस्तक देते हैं। इसके बाद ही वे विश्वनाथ धाम जाकर ज्योतिर्लिंग का दर्शन करते हैं। मतलब साफ है रक्षा और अनुमति काल भैरव के हाथों में है, जबकि मोक्ष और कृपा विश्वनाथ के आंचल में, वैसे भी काल भैरव की महिमा केवल रक्षक देवता की नहीं, बल्कि धर्माधीश की भी है। विश्वास है कि मृत्यु के पश्चात आत्मा से प्रश्न पूछने का दायित्व भी काल भैरव का ही है। इसीलिए वे काशी के प्रहरी और न्यायपालक कहलाते हैं। काशी यात्रा का सौंदर्य इसी संतुलन में है, पहले कोतवाल को प्रणाम कर महादेव तक पहुंचना। यही काशी की आत्मा का विधान है, काशी आने वाले हर यात्री के लिए संदेश यही है कि गंगा स्नान कर सबसे पहले काल भैरव के दरबार जाएं। उनकी अनुमति और आशीर्वाद लेने के बाद जब भक्त विश्वनाथ की आरती में सम्मिलित होता है, तब वह अनुभव साधारण नहीं रह जाता, बल्कि आत्मा को शिवत्व से जोड़ देने वाला बन जाता है. यह काशी की परंपरा, महिमा और आध्यात्मिक सौंदर्य की पूर्णता है गंगा के तट पर अवस्थित काशी स्वयं महादेव का सनातन धाम है। धार्मिक ग्रंथों और स्थानीय परंपराओं के अनुसार, काशी की रक्षा का दायित्व स्वयं महादेव ने काल भैरव को सौंपा। शिव पुराण के अनुसार, काल भैरव बिना अनुमति किसी साधक को काशी में फलदायी पूजा का अधिकारी नहीं मानते। मान्यता है कि जब तक भक्त काल भैरव बाबा की शरण में न जाए, तब तक काशी यात्रा अधूरी मानी जाती है। इसी कारण काशी में पीढ़ियों से यह परंपरा रही है कि पहले काल भैरव के मंदिर में जाकर वंदना की जाए और उनकी स्वीकृति लेकर ही विश्वनाथ धाम पहुंचा जाए। काल भैरव भगवान शिव का ही उग्र और रक्षक रूप हैं।

कहते है जब ब्रह्मा जी ने अहंकारवश शिव का अपमान किया, तब शिव के भौंहों से प्रकट हुए भैरव ने ब्रह्मा का एक सिर छेदन कर दिया। इस कारण उन्हें ब्राह्मण-हत्या का पाप लगा और वे भिक्षाटन करते हुए समस्त लोकों में घूमे। अंततः यह पाप काशी में आकर भैरव से मुक्त हुआ। तभी से काल भैरव को काशी का कोतवाल और पापमोचक माना गया। यही कारण है कि जो भक्त काल भैरव के चरणों में नहीं झुकता, उसे काशी का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता। भैरव का स्वरूप ही भय और भक्ति का अद्भुत संतुलन है, एक ओर कठोर दंडाधिकारी, तो दूसरी ओर भक्तों को पाप से मुक्त करने वाले करुणामय। उनकी गंभीर आभा साधक को अनुशासन और मर्यादा का संदेश देती है। इसके बाद विश्वनाथ धाम की भव्यता और घंटों की अनुगूंज आत्मा को शिवमय कर देती है। यह यात्रा केवल देवदर्शन नहीं, बल्कि आत्मा का क्रमिक शुद्धिकरण है।

बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए परंपरा अनुसार दर्शन का क्रम इस प्रकार माना गया है, पहला गंगा स्नान : काशी यात्रा का प्रारंभ प्रातःकाल गंगा में स्नान से होता है। स्नान को शुद्धि और पावनता का प्रथम सोपान कहा गया है। दुसरा काल भैरव मंदिर दर्शन : गंगा स्नान के पश्चात भक्त सीधे काल भैरव मंदिर पहुंचते हैं। यहां पूजा-अर्चना कर वे मानो काशी की दहलीज पर दस्तक देते हैं। वैसे भी जब साधक काल भैरव मंदिर की गलियों में पहुंचता है, तो वहां की गंभीरता और शक्ति की आभा उसे भीतर तक स्पर्श करती है। भैरव का रूप ही भय और भक्ति का अद्भुत संतुलन है, एक ओर कठोर दंडाधिकारी, तो दूसरी ओर भक्तों को पाप से मुक्ति देने वाले करुणामय। यहां पूजा-अर्चना कर काशी में प्रवेश की अनुमति और आशीर्वाद लिया जाता है। तीसरा काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन : काल भैरव की वंदना के बाद भक्त बाबा विश्वनाथ के धाम पहुंचते हैं।

बिना बोले अमेरिका को करारा जवाब

भारत ने बढ़ाया रूसी तेल आयात, अब चीन से करीब की टक्कर

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।अमेरिकी टैरिफ के दबाव को दरकिनार कर भारत लगातार रूसी तेल का आयात बढ़ा रहा है. भारत ने अगस्त में रूस से लगभग 2.9 अरब यूरो का कच्चा तेल आयात किया, जो कि चीन के 3.1 अरब यूरो आयात के लगभग बराबर है. यह जानकारी फिनलैंड के सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की एक रिपोर्ट में सामने आई है. मजेदार बात ये है कि जुलाई में भारत का कच्चे तेल का आयात 2.7 अरब यूरो का था, जबकि चीन का आयात 4.1 अरब यूरो से घटा है.अमेरिका भारत पर रूस से तेल खरीद कम करने का दबाव बना रहा है. अमेरिका का कहना है कि भारत के रूसी तेल खरीदने से यूक्रेन युद्ध के लिए उसे आर्थिक मदद मिलती है. रूस से तेल खरीदने की पेनल्टी के तौर पर अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय निर्यात पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, लेकिन चीन या अन्य रूसी तेल खरीदारों पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई.

यूरोप पर दबाव बना रहा अमेरिका

दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ से अपील की कि वह चीन और भारत के सामान पर 100% तक टैरिफ लगाए, ताकि दोनों देशों को रूस से ऊर्जा व्यापार घटाने के लिए मजबूर किया जा सके. अगस्त में चीन रूस से कच्चा तेल और कोयला आयात करने वाला सबसे बड़ा देश रहा, जबकि तुर्किये रूस से तेल उत्पाद और गैस खरीदने वाला सबसे बड़ा खरीदार था.

सबसे बड़ा खरीदार चीन

भारत का रूस से कुल जीवाश्म ईंधन आयात 3.6 अरब यूरो रहा, जो चीन के 5.7 अरब यूरो से कम था. भारत की खरीद में 510 मिलियन यूरो का कोयला और 282 मिलियन यूरो के रिफाइंड उत्पाद भी शामिल थे. चीन के आयात में 553 मिलियन यूरो के तेल उत्पाद, 55 मिलियन यूरो का कोयला और 676 मिलियन यूरो की पाइपलाइन गैस शामिल थी.

रूस से तेल खरीद रहा यूरोप

तुर्किये तीसरे स्थान पर रहा, जिसने रूस से 3 अरब यूरो का जीवाश्म ईंधन आयात किया, जिसमें 1.2 अरब यूरो की पाइपलाइन गैस, 1 अरब यूरो के तेल उत्पाद, 596 मिलियन यूरो का कच्चा तेल और 225 मिलियन यूरो का कोयला शामिल था. यूरोपीय संघ चौथे स्थान पर रहा, जिसका आयात 1.2 अरब यूरो था, जिसमें 773 मिलियन यूरो की एलएनजी और पाइपलाइन गैस और 379 मिलियन यूरो का कच्चा तेल शामिल था. भारत ने अमेरिकी दबाव का विरोध किया है.

कौन बनेगा 125 लाख करोड़ रुपए का वारिस?

अब ये संभालेंगे अंबानी से अडानी तक का कारोबार

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के कॉर्पोरेट घरानों में इस समय एक बड़ा बदलाव चल रहा है। देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मालिक अब अपनी विरासत अगली पीढ़ी को सौंपने की तैयारी में हैं। पोर्ट्स, हवाई अड्डे, तेल रिफाइनरी, रियल एस्टेट, आईटी, एफएमसीजी जैसी बड़ी इंडस्ट्रीज अब नए हाथों में जाने वाली हैं। अनुमान है कि 2024 से 2030 तक करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 125 लाख करोड़ रुपए) की संपत्ति अगली पीढ़ी को सौंप दी जाएगी।

अडानी ग्रुप की अगली पीढ़ी तैयार

देश के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में से एक गौतम अडानी, पहले ही उत्तराधिकार की योजना बना चुके हैं। ब्लूमबर्ग के अनुसार, उन्होंने तय किया है कि वह 70 साल की उम्र में रिटायर होंगे और अपने कारोबार को चार वारिसों में बांटेंगे बेटे करण और जीत और भतीजे प्रणव और सागर। करण अडानी बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स का संचालन कर रहे हैं। प्रणव अडानी खाद्य तेल, ऑयल और रियल एस्टेट में सक्रिय हैं। सागर अडानी ग्रीन एनर्जी में नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि जीत अडानी हवाई अड्डा और डिजिटल बिज़नेस देख रहे हैं। परिवार की महिलाएं भी पीछे नहीं हैं सागर की पत्नी सृष्टि और जीत की पत्नी दिवा को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं।

अंबानी: तीन वारिस, तीन साम्राज्य

रिलायंस के प्रमुख मुकेश अंबानी ने 2023 में अपने तीनों बच्चों को बोर्ड में शामिल कर दिया। ईशा अंबानी को रिटेल सेक्टर, आकाश अंबानी को जियो (टेलीकॉम) और अनंत अंबानी को हरित ऊर्जा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गोदरेज ग्रुप का बंटवारा

127 साल पुराने गोदरेज ग्रुप ने 2024 में आपसी सहमति से अपने साम्राज्य को दो भागों में बांट दिया। आदि और नादिर गोदरेज ने इंडस्ट्री व प्रोडक्ट बिज़नेस संभाले, जबकि जमशेद और स्मिता ने रियल एस्टेट और गोदरेज एंड बॉयस का जिम्मा लिया। आदि के बेटे पिरोजशा और जमशेद की बेटी न्यारिका भविष्य की कमान संभाल रहे हैं।

मिस्त्री परिवार में बदलाव

शापूरजी पलोनजी ग्रुप में उत्तराधिकार की प्रक्रिया काफी शांत और रणनीतिक रही है। शापूर मिस्त्री ने अपने बेटे पलोन और दिवंगत भाई साइरस मिस्त्री के बेटों फिरोज और ज़हान को ग्रुप में शामिल किया है। ये अब कंपनी के भविष्य की रणनीति और गवर्नेंस पर काम कर रहे हैं।

शिव नादर: बेटी को सौंपा साम्राज्य

एचसीएल के संस्थापक शिव नादर ने औपचारिक रूप से अपनी हिस्सेदारी बेटी रोशनी नादर को सौंप दी है। रोशनी अब एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ की चेयरपर्सन हैं और कंपनी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर भी हैं।

मोदी परिवार: विरासत बनी जंग

सभी परिवारों में यह प्रक्रिया सहज नहीं होती। केके मोदी ग्रुप में 2019 में उनके निधन के बाद बीना मोदी और उनके बेटे समीर व ललित मोदी के बीच कानूनी लड़ाई शुरू हो गई। बीना मोदी को हाल ही में फिर से कंपनी का एमडी चुना गया, लेकिन पारिवारिक कलह अभी भी जारी है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा, निफ्टी 25100 के पार

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अगले सप्ताह ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने के बीच वैश्विक बाजार में तेजी के अनुरूप शुक्रवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के सफल समापन को लेकर आशावाद ने भी बाजारों में तेजी को बढ़ावा दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से 9 पैसे बढ़कर 88.26 (अनंतिम) पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। लगातार पांचवें दिन तेजी के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.97 अंक या 0.44 प्रतिशत चढ़कर 81,904.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 444.12 अंक या 0.54 प्रतिशत बढ़कर 81,992.85 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.50 अंक या 0.43 प्रतिशत बढ़कर 25,114 अंक पर पहुंच गया। यह लगातार आठवें दिन तेजी का रुख दर्शाता है। सेंसेक्स की कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, मारुति और टाटा मोटर्स लाभ में रहीं। वहीं इटर्नल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, ट्रेंट और टाइटन प्रमुख रूप से पिछड़ गए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि फेड द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती को लेकर वैश्विक स्तर पर नए उत्साह के कारण भारतीय बाजार तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में प्रगति से निकट भविष्य में सकारात्मक गति बरकरार रहने की उम्मीद है।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार अधिकतर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.47 प्रतिशत बढ़कर 66.72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,472.37 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,045.54 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गुरुवार को सेंसेक्स 123.58 अंक या 0.15 प्रतिशत चढ़कर 81,548.73 पर बंद हुआ, जो इसकी लगातार चौथी तेजी थी।

क्या होता है शेयर बायबैक? जिसके लिए इन्फोसिस खर्च करेगी 18000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की दूसरे नंबर की आईटी कंपनी इंफोसिस ने बीते गुरुवार को बड़ा ऐलान कर दिया है. कंपनी ने शेयर बायबैक करने का फैसला लिया है. इंफोसिस कंपनी के 10 करोड़ शेयरों को 1800 रुपये प्रति स्टॉक के भाव से निवेशकों से फिर से खरीदेगी. इसमें कंपनी के कुल 18,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे और निवेशकों को करीब 19 फीसदी का प्रीमियम मिलेगा. आइए इंफोसिस के पूरे मामले को देखते हुए समझते हैं कि ये शेयर बायबैक क्या होता है और कोई कंपनी आखिर फिर से क्यों अपने शेयर खरीदने लगती है? कंपनी ने मार्केट को दी जानकारी में बताया कि बायबैक पूरी तरीके से कैश में किया जाएगा. इंफोसिस ने यह भी बताया कि बायबैक का आकार कुल पेड अप कैपिटल और फ्री रिजर्व के 25 फीसदी से कम रहेगा. साथ ही कंपनी ने यह भी साफ किया कि यह कैलकुलेशन 30 जून, 2025 तक के लेटेस्ट ऑडिटेड इंटरिम कंडेन्स्ड स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड फाइनेंशियल डाटा के आधार पर की गई है.

क्या होता शेयर बायबैक ?

शेयर बायबैक का सीधा सा मतलब होता है कि जब कोई कंपनी अपने ही शेयरों को बाजार से वापस खरीदती है. माने कंपनी अपने शेयरधारकों से उनके शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी को घटाती है.

इससे कंपनी के पास जो शेयर होते हैं उनकी संख्या कम हो जाती है. यह आमतौर पर तब किया जाता है जब कंपनी को लगता है कि उसके शेयरों का मूल्य बाजार में कम आंका जा रहा है या उसके पास अतिरिक्त कैश है जिसे वह निवेश करना चाहती है. इससे कंपनी के शेयरों के दाम बढ़ने के चांस रहते हैं. मान लीजिए कि इंफोसिस के पास 100 करोड़ शेयर हैं और कंपनी 10 करोड़ शेयर बायबैक करने का फैसला कर रही है. अगर शेयर की मौजूदा कीमत 1800 रुपये है, तो कंपनी को 10 करोड़ x 1800 रुपये = 18,000 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे. मलतब कंपनी के फिर से शेयर खरीदने में निवेशकों को इतने रुपये कैश में देने होंगे. अब रही बात की बायबैक के बाद क्या हो सकता है तो उसको समझने का अलग मैथेड है. अब एक बार फिर से मान लीजिए की इंफोसिस की सालाना कमाई 25,000 करोड़ रुपये है.

बायबैक के पहले इसके प्रति शेयर आय 25,000 करोड़/ 100 करोड़ = यानी 250 रुपये थी. अब चूंकि 10 करोड़ शेयर कंपनी बायबैक कर रही है तो कुल शेयर 90 करोड़ बचेंगे को प्रति शेयर आय यानी ईपीएस = 25,000 करोड़/ 90 करोड़ = करीब 277 रुपये हो जाएगी और ईपीएस बढ़ने से कंपनी के शेयरों की वैल्यू बढ़ सकती है. इंफोसिस ने पहले भी कई बार शेयर बायबैक किए हैं, साल 2017, 2019, और 2021 में कंपनी ने शेयर धारकों को मुनाफा कमवाने के लिए बायबैक किया है.

दिल्ली में घट सकती है बीयर पीने की उम्र

इस प्लान पर काम कर रही है सरकार

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार बीयर पीने की कानूनी उम्र 25 से घटाकर 21 करने पर विचार कर रही है ताकि पड़ोसी राज्यों के बराबर लाया जा सके. इसमें प्राइवेट वेंडरों को भी इजाजत दी जा सकती है. आबकारी नीति की समीक्षा के तहत इस प्रस्ताव पर मंत्रियों, सरकारी अधिकारियों और निजी शराब विक्रेताओं की एक बैठक में चर्चा हुई. नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में सभी प्रकार की शराब पीने की उम्र 21 वर्ष है. अधिकारियों का कहना है कि शराब पीने की उम्र को एक समान करने से ब्लैक मार्केट और अवैध शराब पर रोक लगेगी और राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा दिल्ली आबकारी अधिनियम 2009 के तहत शराब पीने की उम्र संबंधी कानून का उल्लंघन दंडनीय है. अभी पॉलिसी का मसौदा तैयार किया जा रहा है, लेकिन सरकारी अधिकारियों ने बताया कि लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा की अध्यक्षता में शराब इंडस्ट्री के लोगों के साथ हुई हाई लेवल कमेटी की पहली बैठक में अन्य प्रमुख स्ट्रक्चरल संशोधनों पर भी विचार किया गया. कमेटी में उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, गृह मंत्री आशीष सूद और आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं. बैठक में शराब की दुकानों के संचालन के लिए एक हाइब्रिड मॉडल पर विचार किया गया, जिसमें सरकारी दुकानों को निजी दुकानों के साथ मिलाया जाएगा. मौजूदा समय में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में केवल सरकारी दुकानों पर ही शराब बिकती है. पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने 2022 में प्राइवेट लाइसेंस रद्द कर दिए थे क्योंकि उसकी नई आबकारी नीति में प्राइवेट रिटेलर्स को इजाजत देने से विवाद पैदा हो गया था और कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के लिए सीबीआई और ईडी जांच हुई है. इससे पहले हाइब्रिड मॉडल था, जिसे अब मौजूदा बीजेपी सरकार वापस लाने पर विचार कर रही है. कमेटी प्रीमियम नेशनल और इंटरनेशनल शराब ब्रांडों की उपलब्धता को सुव्यवस्थित करने के तरीकों पर भी विचार कर रही है. इनमें से कई दिल्ली में या तो उपलब्ध नहीं हैं या उनकी आपूर्ति कम है, जिससे ग्राहक हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों का रुख कर रहे हैं.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि-432000

भोग कलि वर्ष-426874

कलियुग संवत् -5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 06-06, सूर्यास्त 18-20

दिशाशूल- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले

तिथि- षष्ठी 07-23 तक उपरान्त (सप्तमी क्षय)

मास- आश्विन कृष्ण ,शनिवार 13 September

नक्षत्र- कृत्तिका 10-11 तक उपरान्त रोहिणी

योग - हर्षण 10-32 तक वज्र

करण- वणिज 07-23 तक उप विष्टी (भद्रा)

विशेष- व्रत -त्योहार: सप्तमी का श्राद्ध

ग्रह स्थिति

सूर्य सिंह, चन्द्र वृष, मंगल कन्या, बुध सिंह, गुरु मिथुन, शुक्र कर्क, शनि मीन, राहु कुंभ, केतु सिंह

लग्नारंभ समय

सिंह	04-16 बजे
कन्या	06-22 बजे
तुला	08-28 बजे
वृश्चिक	10-37 बजे
धनु	12-51 बजे
मकर	14-58 बजे
कुंभ	16-48 बजे
मीन	18-30 बजे
मेष	20-06 बजे
वृष	21-51 बजे
मिथुन	23-52 बजे
कर्क	02-03 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-08 से 10-40 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-06 - 07-37	अशुभ	लाभ	18-20 - 19-47	शुभ
शुभ	07-37 - 09-08	शुभ	उत्पात	19-47 - 21-15	अशुभ
रोग।।	09-08 - 10-40	अशुभ	शुभ	21-15 - 22-44	शुभ
उत्पात	10-40 - 12-12	अशुभ	अमृत	22-44 - 00-12	शुभ
चंचल	12-12 - 13-44	शुभ	चंचल	00-12 - 01-40	शुभ
लाभ	13-44 - 15-15	शुभ	रोग	01-40 - 03-08	अशुभ
अमृत	15-15 - 16-47	शुभ	काल	03-08 - 04-37	अशुभ
काल	16-47 - 18-20	अशुभ	लाभ	04-37 - 06-06	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आप अपने पेशेवर जीवन में आत्मविश्वास से भरपूर हैं और अपनी साहसिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति से ध्यान आकर्षित करते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे नए समाधान स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। आपकी तीक्ष्ण बुद्धि जहाँ तीव्र सोच को बढ़ावा देती है, वहीं यह संघर्ष को भी जन्म दे सकती है।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

आपका करियर आपको संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यों में सटीकता पर ध्यान दें। बेहतर सहयोग के लिए अपने संबंधों का विस्तार करें। हालाँकि, लाभहीन सट्टेबाज़ी से बचें, जो नुकसान का कारण बन सकती है। भावनाओं की समृद्धि को अपनाएँ, इसे विस्तृत इशारों पर नियंत्रण के साथ संतुलित करें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं।

कर्क ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपकी तार्किक मानसिकता आपके करियर में निरंतर प्रगति का समर्थन करती है। आत्मविश्वास जमीनी महत्वाकांक्षा के साथ मिलकर आपको केंद्रित रहने में मदद करता है। आपके संचार कौशल तेज हैं, जो आपको प्रेरक और प्रभावशाली बनाते हैं। स्पष्ट रुख अपनाने और चुनौतियों को समझदारी से संभालने के लिए अपनी बुद्धि का उपयोग करें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आत्मविश्वास आपके दिन का नेतृत्व करता है क्योंकि आप अपने काम में गहराई और उद्देश्य पाते हैं। आप आविष्कारशील विचारों के साथ सफल होने के लिए प्रेरित हैं, हालांकि सतर्क रहने से छोटी-मोटी दुर्घटनाओं से बचने में मदद मिलती है। आपकी ईमानदारी महत्वपूर्ण सफलताओं को जन्म दे सकती है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपकी उपलब्धियों के लिए मान्यता बढ़ने से आपका करियर और पढ़ाई आगे बढ़ सकती है, आत्मविश्वास बढ़ेगा और सफलता के नए अवसर खुलेंगे। अच्छे स्वास्थ्य में वृद्धि की उम्मीद करें, जिससे आप चुनौतियों का डटकर सामना कर सकेंगे। यह दिन आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को उजागर करता है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे ।

धनु ये, यो, भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

मकर भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

आपका करियर और पढ़ाई सहज ज्ञान और पहचान की चाहत से आकार लेती है, जिससे आपको अवसरों को पहचानने और उनका लाभ उठाने में मदद मिलती है। रचनात्मक विचारों और समाधानों को अपनाएँ, लेकिन कड़े विरोध के लिए तैयार रहें। चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए अपने प्रेरक कौशल पर भरोसा करें और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अगस्त में रिटेल महंगाई बढ़कर 2.2% होने का अनुमान

जुलाई में ये 1.55% रही थी, शाम 4 बजे जारी होंगे महंगाई के आंकड़े

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।अगस्त में रिटेल महंगाई दर जुलाई के 1.6% से थोड़ा बढ़कर 2.2% होने की संभावना है। इसकी वजह कुछ खाद्य वस्तुओं की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी है। रिटेल महंगाई के आधिकारिक आंकड़े आज जारी होंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी, आरबीआई का लक्ष्य महंगाई को 4% ±2% की सीमा में रखने का है।

जुलाई में खाने-पीने के सामानों की कीमत घटी थी

महंगाई के बास्केट में लगभग 50% योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई माइनस 1.06% से घटकर माइनस 1.76% हो गई है। जून महीने में ग्रामीण महंगाई दर 1.72% से घटकर 1.18% हो गई है। वहीं शहरी महंगाई 2.56% से घटकर 2.05% पर आ गई है।

आरबीआई ने महंगाई का अनुमान घटाया

4 से 6 अगस्त तक हुई आरबीआई मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में भी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई का अनुमान 3.7% से घटाकर 3.1% कर दिया था।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी।

इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

सीपीआई से तय होती है महंगाई

एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है।

सोना 1.10 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर

चांदी आज 2,849 बढ़कर 1.27 लाख/किलो हुई; इस साल कीमत 41,000 बढ़ी

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 12 सितंबर को ऑल टाइम हाई पर हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार आज चांदी 2,849 रुपए बढ़कर 1,27,348 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। कल एक किलो चांदी की कीमत 1,24,499 रुपए थी। वहीं सोने की कीमत 744 रुपए बढ़कर 1,09,841 हो गई है। कल इसकी कीमत 1,09,097 प्रति 10 ग्राम थी। गोल्ड ने 9 सितंबर को 1,09,635 रुपए और सिल्वर ने 1,24,770 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,430 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,150

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,280 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,000

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,280 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,000

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,710 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,400

देश के बड़े शहरों में सोने की कीमत

शहर	10 ग्राम 24 कैरेट	10 ग्राम 22 कैरेट
जयपुर	₹1,1,430	₹1,02150
भोपाल	₹1,1,330	₹1,02,050
इंदौर	₹1,1,330	₹1,02,050
पटना	₹1,1,330	₹1,02,050
लखनऊ	₹1,1,430	₹1,02150
कानपुर	₹1,1,430	₹1,02150
रायपुर	₹1,1,280	₹1,02,000
अहमदाबाद	₹1,1,330	₹1,02,050
हैदराबाद	₹1,1,280	₹1,02,000

रेलगाड़ी से दिल्ली आने वाले अब ट्रेन में बैठे-बैठे कटा पाएंगे दिल्ली मेट्रो का टिकट

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ट्रेवल का सुरक्षित और प्राथमिक साधन बन चुका दिल्ली मेट्रो रेल के यूजर्स के लिए एक अच्छी खबर है। अब आप दिल्ली मेट्रो रेल के टिकट इक्सिगो ट्रेनें ऐप पर भी बुक कर सकते हैं। दरअसल, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशरन ने ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी (इक्सीगो) और ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स के साथ मिलकर यह सुविधा शुरू की है।

यात्रियों को कैसे होगा फायदा

बताया जा रहा है कि इस नए सिस्टम से रेलवे की ट्रेन से दिल्ली एनसीआर आने वाले यात्रियों को काफी फायदा होगा। अब उन्हें ट्रेन से उतरने के बाद मेट्रो स्टेशन पर डीएमआरसी का टिकट खरीदने के लिए टिकट खिड़की पर लंबी लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। वे सीधे ऐप से क्यूआर कोड वाला टिकट खरीद सकते हैं और पेमेंट भी ऐप से ही कर सकते हैं। इससे उनका समय तरे बचेगा ही, सफर भी आसान हो जाएगा। इक्सिगो के यूजर्स अब एक ही जगह पर ट्रेन, बस, फ्लाइट, होटल और मेट्रो की टिकट बुक कर पाएंगे।

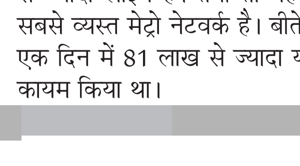

एक खास ऑफर भी

इस अवसर पर इक्सिगो ने एक खास ऑफर भी निकाला है। अगर आप पहली बार इक्सिगो ट्रेन ऐप से दिल्ली मेट्रो का टिकट बुक करते हैं, तो आपको 100% कैशबैक मिलेगा। यह कैशबैक इक्सीगो धन के रूप में मिलेगा और इसकी अधिकतम सीमा 50 रुपये होगी। हालांकि, इस ऑफर का लाभ सुबह 9 बजे से 11 बजे के बीच टिकट बुक करने पर ही मिलेगा।

400 किलोमीटर का नेटवर्क

दिल्ली और एनसीआर में डीएमआरसी का नेटवर्क लगभग 400 किलोमीटर में फैला हुआ है। इसके नेटवर्क में एक दर्जन से ज्यादा लाइनें हैं। तभी तो यह भारत का सबसे बड़ा और सबसे व्यस्त मेट्रो नेटवर्क है। बीते अगस्त में, डीएमआरसी ने एक दिन में 81 लाख से ज्यादा यात्रियों का सफर का रिकॉर्ड कायम किया था।

गहलोत बोले- संघ और बीजेपी सांप्रदायिकता से भरा इतिहास रचना चाहते हैं

देश में लोकतंत्र और संविधान खतरे में है, सत्ता में बैठे लोग भारी गलती कर रहे

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार, बीजेपी और आरएसएस पर देश के इतिहास को बदलकर सांप्रदायिकता वाला इतिहास बनाने का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा ये लोग (बीजेपी,आरएसएस) नया सांप्रदायिकता से भरा इतिहास रचना चाहते हैं। ये इतिहास की बातें भुलाने के लिए देश लिए जवाहरलाल नेहरू तक को नहीं छोड़ रहे। नेहरू के बारे में ऐसी गंदी और घटिया बातें लिखते हैं। इनकी मंशा खतरनाक है। ये भारी गलती कर रहे हैं। देश के इतिहास को भुला रहे हैं। गहलोत जयपुर में जवाहर बाल मंच के कार्यक्रम में बोल रहे थे। गहलोत ने कहा- इतिहास की आलोचना करने से क्या हासिल होता है। ये कभी नहीं कहते कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए जान दे दी। जो इतिहास को भुलाते हैं, वे खुद कभी इतिहास नहीं बना पाते। सत्ता में आज जो बैठे हैं, वे लोग वो गलतियां कर रहे हैं, जो सोच नहीं सकते। केंद्र की सत्ता में बैठे लोगों ने देश की आजादी के आंदोलन में अपनी उंगली तक नहीं कटाई। महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, तिलक, गोखले, सरदार भगत सिंह सहित बड़े नाम आते हैं।

गहलोत ने कहा- राहुल गांधी आज जो बात बोल रहे हैं, चाहे वोट चोरी की बात हो या संविधान बनाने की बात हो। उसके पीछे के कारणों और मंशा को समझने की जरूरत है। संविधान बचाने की बात कहने के पीछे मंशा क्या है, नौबत क्यों आई, यह सोचना होगा। वो लगातार संविधान बचाओ की बात कह रहे हैं।

गहलोत ने कहा- राजीव गांधी देश में आईटी क्रांति लेकर आए थे, वो तो चले गए। लेकिन आईटी क्रांति का सबसे ज यादा फायदा हमारे विपक्ष के लोग उठा रहे हैं।

12 घंटे पूछताछ के बाद रिश्वत के आरोपी कमिश्नर को छोड़ा; ठेकेदार से लिए थे 3.10 लाख रुपए

धौलपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। धौलपुर नगर परिषद में ठेकेदार से 3.10 लाख रुपए की रिश्वत मामले में एसीबी ने एईएन प्रिया झा समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, नगर परिषद कमिश्नर अशोक शर्मा को 12 घंटे तक पूछताछ के बाद गुरुवार रात 3 बजे छोड़ दिया गया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को निहालगंज थाने में रखा गया है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भरतपुर अमित सिंह ने बताया- मामले में कमिश्नर की संदिग्ध भूमिका को देखते हुए पूछताछ की गई थी। उनसे गुरुवार दोपहर 3 से रात 3 बजे तक पूछताछ हुई।

दरअसल, भरतपुर एएसपी एसीबी अमित सिंह के नेतृत्व में एसीबी की टीम ने गुरुवार को धौलपुर नगर परिषद में छापा मारा था। रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों एईएन प्रिया झा, कैशियर भरत, यूडीसी नीरज, ड्राइवर देवेंद्र और संविदाकर्मी हरेंद्र को गिरफ्तार किया था। एसीबी अमित सिंह ने बताया था- पिछले साल नगर परिषद में एक ठेकेदार ने अपनी पत्नी को ठेका दिलवाया था। इसका 13 लाख रुपए का भुगतान बकाया था। बकाया बिल का भुगतान करने की एवज में कमिश्नर अशोक शर्मा ने 2 लाख रुपए, एईएन प्रिया झा ने 70 हजार रुपए और कैशियर भरत ने 50 हजार रुपए की रिश्वत राशि मांगी थी। इसमें एईएन प्रिया झा की ओर से मांगी गई 70 हजार की रिश्वत राशि का सौदा 60 हजार रुपए में तय हुआ।

अजमेर में 8 मिनट में 16.47 लाख रुपए लूटे

गार्ड को बेहोश किया, फिर हाथ बांधे; एक दिन पहले ही डाले थे एटीएम में पैसे

किशनगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर में गार्ड को बंधकर बनाकर चार बदमाश एटीएम उखाड़ कर ले गए। बदमाश स्कॉर्पियो में आए थे। पहले उन्होंने गार्ड के हाथों को रस्सी से बांधा। फिर स्प्रे कर उसे बेहोश किया। इसके बाद महज 8 मिनट में एटीएम उखाड़कर ले गए।

घटना से कुछ घंटे पहले ही बैंक की वैन एटीएम में कैश डालकर गई थी। घटना किशनगढ़ के गांधीनगर थाना क्षेत्र में रूपनगढ़ रोड स्थित विश्वकर्मा स्कूल के सामने एसबीआई के एटीएम में गुरुवार रात करीब 2:45 बजे हुई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुटी है। एटीएम में 16.47 लाख रुपए थे।

जयपुर में रिटायर्ड फौजी ने खुद को गोली से उड़ाया

बंदूक से पेट में फायर किया, कमरे में फर्श पर पड़ी मिली लाश

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में आर्मी से रिटायर्ड जवान ने बंदूक से पेट में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। उनका शव घर में फर्श पर पड़ा मिला। मामला सोडाला थाना इलाके का शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे का है।

एसएचओ (सोडाला) राजेश कुमार शर्मा ने बताया- हटवाड़ा के लक्ष्मीनगर निवासी भुवनेश जाट (40) ने सुसाइड किया है। वह मूलतः हिंडौन के बड़खेड़ा के रहने वाले थे। वह इंडियन आर्मी से रिटायर हुए थे। पत्नी और बेटे के साथ लक्ष्मीनगर में किराए के मकान में रहते थे। वह सी-स्कीम स्थित गोल्ड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की जॉब करते थे।

घटनाक्रम के अनुसार, भुवनेश जाट की पत्नी शुक्रवार सुबह किसी काम से बाहर गई थीं। बेटा कंप्यूटर क्लास में गया था। इस दौरान भुवनेश जाट घर पर अकेले थे। उन्होंने कमरा अंदर से बंद कर लिया। खुद की लाइसेंसी बंदूक से पेट में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। बंद कमरे से अचानक धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। पड़ोसियों ने कमरे के अंदर जाकर देखने की कोशिश की। लेकिन कमरे के आगे-पीछे के दोनों गेट बंद मिले। कुछ ही देर में उनकी पत्नी और बेटा भी घर आ गए। अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत सोडाला थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने धक्का देकर गेट खोला।

भुवनेश का शव जमीन पर पड़ा हुआ था। उनके पेट में गोली लगी हुई थी। उनकी लाइसेंसी बंदूक पास ही बेड पर पड़ी थी। पुलिस ने तुरंत FSL टीम को बुलाकर मौके से सबूत जुटाए।

पुलिस की प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि भुवनेश ने बेड पर एक पैर रखकर अपनी लाइसेंसी बंदूक को पेट पर लगाया।

अजमेर के वायुसेना जवान की गोली लगने से मौत

ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा रहे, 4 दिन पहले जयपुर में सेलिब्रेट किया था बर्थडे

अजमेर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर के वायुसेना जवान की गोली लगने से मौत हो गई। पश्चिम बंगाल के हासीमारा एयरफोर्स स्टेशन पर पोस्टेड पुलकित टांक (26) एयरमैन थे। उनका आज सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलकित के पिता ने बताया उन्हें 9 सितंबर की शाम को गोली लगी थी। फायरिंग के कारणों की जांच चल रही है। परिवार को 10 सितंबर को घटना की जानकारी मिली थी। नाथ ऑपरेशन सिंदूर का भी हिस्सा रहे। पुलकित 3 सितंबर को छुट्टी पर आए थे। उन्होंने बहनों के साथ 5 सितंबर को जयपुर में बर्थडे भी सेलिब्रेट किया था। इसके बाद ड्यूटी पर लौटे थे। पुलकित (चेक शर्ट में) परिवार के इकलौते बेटे थे। एक फैमिली फोटो मं पिता, मां और दो बहनों के साथ एयरफोर्स जवान। पुलकित (चेक शर्ट में) परिवार के इकलौते बेटे थे। एक फैमिली फोटो मं पिता, मां और दो बहनों के साथ एयरफोर्स जवान।

जादू-टोने के नाम पर दामाद की हत्या

कान में रूई और आंखों में मिर्च डालकर टब में डुबाया था कोर्ट आदेश पर 27 दिन बाद कब्र से निकाला शव

चूरू, 12 सितंबर (एजेंसियां)। ससुराल वालों ने दामाद में बुरी आत्मा का साया बताकर जबरन मिर्च का पानी पिलाया। कान में तेल से भरी रूई और आंखों में मिर्च डालकर जादू-टोना करने लगे। विरोध करने पर मुंह ढककर पानी के टब में डूबो कर मार डाला।

कोर्ट आदेश पर 17 अगस्त को दफनाए गए शव को 27 दिन बाद शुक्रवार को कब्र से निकाला गया है। अब मेडिकल बोर्ड पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। मामला चूरू जिले के रतनगढ़ का है।

रतनगढ़ थानाधिकारी दिलीप सिंह शेखावत ने बताया- शहर के वार्ड 21 निवासी इमरान पुत्र महबूब खां कायमखानी ने 27 अगस्त कोर्ट के इस्तगासे के माध्यम से मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया उसके पिता महबूब खान (50) की उसके ननिहाल पक्ष के लोगों ने जादू-टोने के नाम पर हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस ने एसडीएम से परमिशन लेकर शुक्रवार को कब्र से शव निकलवाकर रतनगढ़ के जालान अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। रतनगढ़ जालान अस्पताल के पीएमओ डॉ. सुरेन्द्र सिंघोया ने बताया- कब्र से निकाले गए शव के पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। जिसमें फोरेंसिक मेडिसिन डॉ. रामगोपाल मुंडेल, डॉ. सुखवीर कस्वां सर्जन, डॉ. सुखवीर खीचड़ ऑर्थोपेडिक्स व पैथोलॉजिस्ट डॉ. रामानुज महर्षि को शामिल किया गया हैं।

एडवोकेट पंकज ने बताया- मेरे क्लाइंट इमरान ने कोर्ट इस्तगासे से 27 अगस्त को रतनगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया- 17 अगस्त को सुबह उसकी नानी गुलशन बानो, मामा याकूब, मामा का बेटा शमशेर अली, जंगशेर, मामी नसीम, मौसी शहीदन, बेगमा, ममेरी बहन शाहिना, कैफ, जावेद उर्फ बाबू, मनी और बेबी फलक आए। ये लोग मेरा जाप्ता (तांत्रिक विद्या से इलाज) करने व घर से बुरी आत्मा को निकालने के बहाने आए।

उन लोगों नेघर आते ही मुझे बकरा लाने के लिए भेज दिया। बकरा लेकर वापस आने पर भाभी बेबी फलक मेरे घर पर तांत्रिक क्रियाएं करने लगी। मुझे सामने बैठाकर आग जलाई। आग में कुछ डाला, जिससे घर में धुआं-धुआं हो गया। मेरी आंखों में लाल मिर्च डालकर पूछा कि बता तेरे में किस आदमी की आत्मा है।

तांत्रिक क्रियाएं करते हुए तेल भरी हुई रूई कानों में डाल दी गई। पीड़ित इमरान द्वारा विरोध करने पर बेबी फलक ने कहा कि इसमें साया नहीं है। इसके बाप में आत्मा का साया है, उसको बुलाओ और इमरान को मुंह धोने के लिए भेज दिया। बेबी फलक जादू-टोना, जाप्ता व तांत्रिक क्रियाएं करती हैं। वहीं, खुद में मिराजी की आत्मा आना बताती है।

जादू टोना करने वाले लोगों ने मेरे पिता महबूब खान (50) को फोन कर घर बुलाया था। पिता के घर आने पर एक औरत ने अपने पास पानी का गिलास दिया, जिसमें एक छोटी बोतल से कुछ बूंद डाली। उस पानी को पीते ही निढाल हो गए। बेबी फलक ने जो तांत्रिक क्रियाएं इमरान पर की थी, वही महबूब पर भी की। पानी में लाल मिर्च घोलकर उसको पांच से सात बार पिलाया। महबूब के कान में भी तेल भरी रूई डाली गई और आंखों में मिर्च डाल दी।

तंत्र क्रिया करते हुए महबूब से भी पूछा गया कि तेरा नाम बता तेरे में किसकी आत्मा है। महबूब द्वारा कई नाम लिए गए। तब बेबी फलक ने कहा कि इसमें कई आत्माएं हैं। जिनको आज में बाहर निकालकर रहूंगी।

जोधपुर बनेगा हाई स्पीड रेल का महत्वपूर्ण केंद्र

200 करोड़ में पहला वंदेभारत स्लीपर कोच मेंटेनेंस डिपो तैयार किया जा रहा

जोधपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में भगत की कोठी रेलवे स्टेशन पर राजस्थान का पहला वंदे भारत स्लीपर कोच मेंटेनेंस डिपो विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही एक बहुद्देश्यीय वर्कशॉप और विश्वस्तरीय ट्रेनिंग सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे प्रशासन ने इस प्रोजेक्ट के लिए रेलवे बोर्ड को 200 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा है। बजट की स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस ट्रेनिंग सेंटर के निर्माण से वंदे भारत सहित सभी हाई स्पीड ट्रेनों के रखरखाव की ट्रेनिंग फेसिलिटी जोधपुर में ही मिल जाएगी। जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया- भगत की कोठी क्षेत्र में वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। 180 मीटर एरिया में वर्ल्ड क्लास वंदे भारत कोच मेंटेनेंस से संबंधित वर्कशॉप, ट्रेनिंग सेंटर व अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास होगा।

प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में इस बहुद्देश्यीय व आवासीय आधुनिक ट्रेनिंग सेंटर तैयार किया जाएगा, जहां वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव और संचालन में शामिल इंजीनियरों और सहायक कर्मचारियों को उच्च मानकों वाली ट्रेन मशीनरी को संभालने का गहन प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। ट्रेनिंग सेंटर की पूरी इमारत का निर्माण पूर्व निर्मित (प्री-फेब्रिकेटेड स्ट्रक्चर) लोहे की संरचनाओं का उपयोग करके किया जाएगा, जिससे निर्माण समय में काफी कमी आएगी।

अजमेर में बने 7 अजूबों पर चला बुलडोजर

12 करोड़ की लागत से बने थे, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एक्शन

अजमेर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर के आनासागर वेटलैंड एरिया में बने सेवन वंडर्स को आज से तोड़ा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अजमेर विकास प्राधिकरण (एडीए) अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रहा है। कोर्ट ने छह महीने पहले इसे हटाने के आदेश दिए थे, जिसके बाद केवल एक प्रतिमा को हटाकर नीचे रखा गया था। इन्हें तोड़ने के लिए प्राधिकरण ने टेंडर निकाला था, लेकिन केवल एक ही कंपनी ने बोली लगाई थी। कोर्ट में दिए हलफनामे में जिला प्रशासन ने इन्हें 17 सितंबर तक तोड़ने की जानकारी दी थी। डेडलाइन से पहले इन्हें तोड़ने की शुरुआत हुई है।

इनका निर्माण करीब 12 करोड़ की लागत से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में हुआ था। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साल 2022 में इनका उद्घाटन किया था।

आनासागर के आस-पास वेटलैंड खत्म करने और मास्टर प्लान की अवहेलना को लेकर अशोक मलिक (पूर्व पार्षद, बीजेपी) ने 11 मार्च 2023 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) में रिट लगाई थी।

11 अगस्त 2023 को एनजीटी की भोपाल बेंच ने अपने आदेश में सेवन वंडर्स पार्क, पटेल स्टेडियम, गांधी स्मृति उद्यान और झील के चारों ओर बने फूड कोर्ट को ध्वस्त करने का आदेश दिया था।

एनजीटी ने माना था कि वेटलैंड खत्म करने और मास्टर प्लान की अवहेलना कर निर्माण किया गया था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में कहा था- आप की कार्यप्रणाली से ऐसा नहीं लगता कि आप अजमेर को स्मार्ट बनाना चाहते हो। हमें आश्चर्य है कि शहर में जल निकायों, आर्द्र भूमि की सुरक्षा के बिना कोई शहर कैसे स्मार्ट बन सकता है और जल निकायों, आर्द्र भूमि पर अतिक्रमण करके शहर कैसे स्मार्ट बन सकते हैं।

3 साल बाद मिला बिजली कनेक्शन

अब हर उपभोक्ता को मिलेगा 2.19 लाख का मुआवजा; उपभोक्ता आयोग का फैसला

जोधपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य उपभोक्ता आयोग, जोधपुर पीठ ने बिजली कनेक्शन देने में 1095 दिन की देरी करने के मामले में जोधपुर डिस्कॉम को बड़ा झटका दिया है। आयोग ने बाड़मेर के तीन उपभोक्ताओं को 2.19 लाख रुपए का हर्जाना देने के बाड़मेर जिला आयोग के फैसले को बरकरार रखा है। राज्य आयोग के सदस्य निर्मल सिंह मेड़तवाल और सदस्य लियाकत अली की पीठ ने इस संबंध में जोधपुर डिस्कॉम की ओर से दायर अपील को खारिज कर दिया। यह मामला जनवरी 2018 में शुरू हुआ था, जब बायतु (बाड़मेर) निवासी गिरधारी राम, राजेश और कुशलाराम ने बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया था।

डिस्कॉम ने इन तीनों उपभोक्ताओं को लगभग तीन साल यानी 1095 दिन की देरी से कनेक्शन प्रदान किया था। उपभोक्ताओं ने इस देरी के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसने डिस्कॉम को हर्जाना देने का आदेश दिया था। डिस्कॉम ने इस आदेश के खिलाफ राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील की थी, जिसे अब खारिज कर दिया गया है। तीनों उपभोक्ताओं ने बाड़मेर जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 43(1) का हवाला देते हुए कार्रवाई की। इन्होंने प्रत्येक दिन की देरी पर 1000 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से 1095 दिन के लिए कुल 8.48 लाख रुपए हर्जाना दिलाने की मांग की थी।

जिला उपभोक्ता आयोग बाड़मेर ने 1095 दिन की देरी को सेवा में त्रुटि मानते हुए प्रत्येक उपभोक्ता को 2.19 लाख रुपए का हर्जाना निर्धारित किया था। इसके साथ ही आयोग ने 5000 रुपए मानसिक हर्जाना और परिवाद व्यय स्वरूप 10 हजार रुपए देने के भी आदेश पारित किए थे।

जोधपुर डिस्कॉम बाड़मेर के एईएन ने राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील करते हुए कई तर्क दिए। डिस्कॉम अधिकारियों का कहना था कि उपभोक्ताओं को दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना में शामिल कर नियमानुसार डिमांड नोट जारी किया गया था। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि उपभोक्ताओं को 30 दिन में कनेक्शन देने का कोई आश्वासन नहीं दिया गया था, बल्कि संसाधनों की उपलब्धता और वरीयता के अनुसार कनेक्शन जोड़ने की जानकारी दी गई थी।

ट्रंप टैरिफ से बगरू के हैंडीक्राफ्ट निर्माताओं पर बड़ा संकट

करोड़ों का माल फैक्ट्रियों में अटका, 6 हजार लोगों का रोजगार छिना

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। ऑफिस टेबल पर रखे मोबाइल फोन की घंटी बजते ही अशोक मारू की आंखों में उम्मीद की चमक आती है। कॉल सुनने के बाद उम्मीद नाउम्मीदी में बदल जाती है। जाहिर तौर पर ये वो कॉल नहीं था, जिसका उन्हें पिछले दो-तीन सप्ताह से इंतजार है। ऐसा दिनभर में अशोक मारु के साथ कई बार होता है। ये हाल सिर्फ उनका नहीं है, बल्कि राजस्थान के हजारों एक्सपोर्टर्स का है, जिनका व्यवसाय ट्रंप टैरिफ के बाद बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

सबसे ज्यादा दिक्कत उनके साथ है, जिनके पास ऑर्डर था। उन्होंने बड़ा निवेश कर उस लॉट को समय पर तैयार भी करवा लिया। ट्रंप द्वारा अचानक टैरिफ लगा देने से ग्राहकों ने बढ़े दामों में माल खरीदने से इनकार कर दिया। करोड़ों रुपए का पूरा माल फैक्ट्रियों-गोदामों में रुक गया है। न पुराना माल बिक रहा है, न नए ग्राहक मिल रहे।

बगरू इंडस्ट्रियल एरिया में बड़ी तादाद में हैंडीक्राफ्ट, टेराकोटा, पेपर वर्क, गार्मेंट, स्टोन, फर्नीचर के मैन्युफैक्चरर्स और एक्सपोर्टर्स मौजूद हैं, जिनका माल अमेरिका जाया करता था। ट्रंप टैरिफ लगने के बाद यहां कम से कम पांच से छह हजार लोगों का रोजगार प्रभावित हुआ है। पूरे राजस्थान में यह तादाद करीब 7 लाख के आस-पास है। जानकार बताते हैं कि कुछ सप्ताह पहले तक यहां कि गलियों की मजदूरों की आवाजाही थी। मशीनों का शोर सुनाई देता था, अब अधिकतर ब्लॉक्स में सन्नाटा पसरा है। काम ना होने की वजह से पिछले करीब तीन सप्ताह में कई लेबर को अपने गांव लौटना पड़ा।

अशोक मारू की फर्नीचर की फैक्ट्री है। बताते हैं कि कुछ दिन पहले तक उनकी फैक्ट्री में 25-30 लोग काम कर रहे थे। अब महज चार-पांच बचे हैं। वे कहते हैं, 'ट्रंप टैरिफ के बाद कोई भी खरीदार 50% (25%+25%) महंगी कीमत में माल नहीं खरीद रहा है। बायर्स एक्सपोर्टर्स से डिस्काउंट मांग रहे हैं। एक्सपोर्टर हमसे मांग रहे हैं। हमारी भी मजबूरी है। उनकी भी मजबूरी है। हमारे ऑर्डर होल्ड हो गए हैं। सारा पैसा अटक गया।'

भरतपुर में चोर ड्रोन से गांव की कर रहे रेकी

लोग बोले- रात 9 से 12 बजे तक ड्रोन उड़ रहे; डर से सो भी नहीं रहे

भरतपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के तुहिया गांव में रात में ड्रोन उड़ रहे हैं। डर के कारण लोग ठीक से सो भी नहीं पा रहे हैं। उन्हें रातभर गांव में पहरा देना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि चोर गांव में वारदात को अंजाम देने के लिए रेकी कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले चोर गांव में घुसे भी थे, लेकिन अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके। इधर, एसपी दिगंत आनंद का कहना है कि अगर कोई बिना परमिशन के ड्रोन उड़ाता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

उद्योग नगर थाना इलाके के तुहिया गांव के युवक सूरज ने बताया कि रोजाना रात 9 बजे से ड्रोन उड़ना शुरू होते हैं। रात 12 बजे तक ड्रोन उड़ते रहते हैं।

इससे गांव में डर का माहौल बना हुआ है। ड्रोन 100 मीटर की ऊंचाई पर उड़ते हैं। एक किलोमीटर के दायरे में उड़कर वापस चले जाते हैं। पिछले तीन दिन से ड्रोन उड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं देखा। रातभर गांव के लोग जाग रहे हैं। बाइक से गांव में पहरा दिया जा रहा है। ड्रोन के उड़ते हुए वीडियो भी बनाए हैं।

तुहिया गांव के दिनेश ने बताया कि रात में 4-5 ड्रोन उड़ रहे हैं। गांव के लोग डर के साये में हैं। पुलिस इस बात का पता लगाए कि यह ड्रोन कौन उड़ा रहा है और रात में ही ड्रोन क्यों उड़ाए जा रहे हैं? एसपी दिगंत आनंद ने बताया कि तुहिया गांव में अनधिकृत ड्रोन उड़ाने की सूचना मिल रही है। हमें कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

एक शाम माताजी के नाम जागरण 27 को

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारसिंगी स्थित श्री कृष्णा गौशाला मे माताजी नवयुवक मंडल द्वारा एक शाम माताजी के नाम शनिवार 27 सितंबर सायं 5.30 बजे से रंगारंग डांडिया कार्यक्रम एवं रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में माताजी नवयुवक मंडल के रमेश हाम्बड़ एवं जसवन्त देवड़ा ने संयुक्त रूप से बताया कि माताजी नवयुवक मंडल माधापुर, मनिकोन्डा, गच्चीबावली, टोली चौकी, अंजयनगर, दरगा, खाजागुडा, नानकरामगुडा, नारसिंगी, पुपालगुडा, अलकापुर भक्तों के सानिध्य में जागरण व डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। माँ भगवती का पंडाल सजाकर शाम 5.15 बजे से 9 बजे तक पुरुष व महिलाओं द्वारा रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम एवं रात्रि 9.15 बजे पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे शंकर टॉक डायलाना राजस्थानी अंदाज़ में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

पधारे भक्तों के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। भक्तों से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार भाग लेकर, माताजी के दर्शनकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.जी/ई.29/टीआर./टेंडर नोटिस/21/2025-26 दि.10-9-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-43-2025-26, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-जीटीएल-डब्ल्यूडी एण्ड जीटीआय-बे सेक्शन्स की सुरक्षा संबंधित सुधार हेतु कामन लूप्स की पृथक आइसोलेशन व्यवस्था। अनुमानित मूल्य रू.1,70,75,144.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू. 2,35,400.00, बंद करने की तिथि व समयः 3-10-2025 के 15.00 बजे

नोटः 1. निविदाकार, निविदा दस्तावेज को मुफ्त रूप में वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

निविदा सूचना सं.जीटीएल-ईएम-07-2025-26,दि.10-9-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव,गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना सं.जीटीएल-ईएम-07-2025-26, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-1. ढोनेः टीटीई के रेस्ट्रोम पर एसी सुविधा हेतु रसोई घर या किचन, डाइनिंग, सैनिटरी व्यवस्थाओं का सुधार कार्य तथा क्युबिकल्स का प्रावधान- बिजली व्यवस्थाएं। 2. जीटीएल-एनडीएल सेक्शन-तत्संबंधित आवश्यक बिजली व्यवस्थाओं सहित मल्कापुरम(एमएलके), रंगापुरम(आरजीएम), बेतमचेर्ला (बीएमएच), बुग्गानीपल्ली सीमेंट नगर(बीइवाय), कृष्णम्मा कोना (केइएफ) एवं पान्यम (पीएनएम) स्टेशनों के रिले रूम्स पर एयरकंडीशनर्स (एसी) का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रू.55,96,741.47, बंद करने की तिथि व समयः 3-10-2025 के 15.00 बजे

टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रूप में वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

नोटः इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डीजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव,गुंटकल

खुली निविदा सूचना सं.-बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-23-2025-26 दि.10-09-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु आईआरईपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना सं.-बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-23-2025-26, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः राजमण्ड्री स्टेशनः दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के राजमण्ड्री रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास सहित ओएचई का एडीशंस या जोड या परिवर्तन या आल्टरेशंस कार्य। अनुमानित मूल्य रू.1,78,33,310.00, पूरा करने की अवधिः 06 महिने, बोली सुरक्षा (पूधरा) रू.2,39,200.00, बंद करने की तिथिः 1-10-2025 के 15.00 बजे, क्रम सं.-1, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

विस्तृत विवरण व शर्तो हेतु हमारे **वेबसाइटः www.ireps.gov.in** पर जाएं।

नोटः यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं.-जीएनटी/एसजी/36/352,दि.9-9-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.6-10-2025 के 12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आयडी नं. 352, कार्य विवरणः 1) जीएनटी डिवीजन के लेवल क्रासिंग गेट्स (ट्राफिक) नं.5 पर बिजली से संचालित लिफ्टिंग बैरीयर (इओएलबी) सहित यांत्रिक रूप से संचालित लिफ्टिंग बैरीयर (एमओएलबी) का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। 2) जीएनटी डिवीजन के लेवल क्रासिंग गेट्स (इंजीनियरिंग) नं.7 पर बिजली से संचालित लिफ्टिंग बैरीयर (इओएलबी) सहित यांत्रिक रूप से संचालित लिफ्टिंग बैरीयर (एमओएलबी) का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। विज्ञापित निविदा मूल्य रू. 1,37,71,412.80.00, पूधरा /बोली सुरक्षा रु.2,18,900.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

यदि निविदा खोलने की तिथि को तदनंतर अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्य दिवस में निर्धारित समय पर खोला जायेगा।

ई-बोली की प्रस्तुति की अंतिम तिथि 6-10-2025 के 12.00 बजे है। विस्तृत विवरण हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in लागआन करें।

अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल ई-**पोर्टलःwww.ireps.gov.in** द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता/गुंटूर

निविदा सूचना सं.-एनइडी/ई-17/2025-26, दि.9-9-2025

निम्न E-Tenders @www.ireps.gov.in हेतु आफर्स आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, एनइडी/ई-17/2025-26, कार्य विवरणः शिवनी शिवापुर गूड्स शेड पर 650x11 स्के.सेमी का सभी मौसम या वेदर सीओपी का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रू.1,02,18,396.36, बोली सुरक्षा रू.2,01,100.00, आफर वैधः60 दिनों तक, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, विवरण उपलब्धः नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर, बंद करने की तिथिः 3-10-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेजों, योग्यता अर्हता मानदंड विवरण, खास शर्ते आदि हेतु उपरोक्त हमारे वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है कि, यह जांच लें, इस आफर की प्रस्तुति के पहले, आनलाईन पर यदि कोई शुध्दिपत्र तो प्रकाशित हुवा है।

विभागीय रेल प्रबंधक, (बिजली), नांदेड

निविदा सूचना सं.22_2025 _26 _ एसआर.डीइइ_टीआर एचवायबी, दि.10-09-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीइइ/ टीआर/एचवायबी द्वारा निविदा सं.22_2025 _26 _ एसआर.डीइइ_ टीआर_एचवायबी, दि.10-09-2025 की बंद करने की तिथिः 3-10-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः दमरे-स्टेशनों के मेजर अपग्रेडेशन या अद्यतन के तहत 12.00 एम चौडा (वाइड) एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा बासर (बीएसएक्स) पर लिफ्ट्स का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रू.15,11,089.71, पूधरा रू.30,200.00, पूरा करने की अवधिः 04 महिने, बंद करने की तिथिः 3-10-2025

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीइइ/ टीआर/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/हैदराबाद

खुली निविदा सूचना सं.- डीआरएम/ वर्क्स/बीजेडए /22/2025 दि.10-09-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा संख्याःई30-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-1, बीजेए डिवीजन- बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः केवीआरः कोव्वूर स्टेशन पर 6एम चौडा (वाइड) सहित सेकण्ड फूट ओवर ब्रिज का प्रावधान। एसडब्ल्यू-2, बीजेए डिवीजन- बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः जीवीएनः गोदावरी स्टेशन पर 6एम चौडा (वाइड) सहित सेकण्ड फूट ओवर ब्रिज का प्रावधान। पूरा करने की अवधिः 09 (महिने), निविदा मूल्य रू.4,06,01,442.00, पूधरा रू.3,53,000.00, बंद करने की तिथिः 4-10-2025

क्रम सं.2, निविदा संख्याःई31-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरणःएसडब्ल्यू-।) विजयवाडा - विशाखापट्नम सेक्शनःएसएसइ/पीवे/एकेपी क्षेत्राधिकारः विविध याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा से जुडा याड्र्स का सुधार कार्य तथा अद्यतन या अपग्रेडेशन कार्य। एसडब्ल्यू-।।) विजयवाडा - विशाखापट्नम सेक्शनःएसएसइ/पीवे/टुनी क्षेत्राधिकारः विविध याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा से जुडा याड्र्स का सुधार कार्य तथा अद्यतन कार्य। पूरा करने की अवधिः 12 (महिने), निविदा मूल्य रू.1,84,68,606.00, पूधरा रू.2,42,400.00, बंद करने की तिथिः 4-10-2025

क्रम सं.3, निविदा संख्याःई32-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरणःएसडब्ल्यू-।) विजयवाडा - विशाखापट्नम सेक्शनःएसएसइ/पीवे/टीडीडी क्षेत्राधिकारः विविध याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा से जुडा याड्र्स का सुधार कार्य तथा अद्यतन या अपग्रेडेशन कार्य। एसडब्ल्यू-।।) विजयवाडा - विशाखापट्नम सेक्शनःएसएसइ/पीवे/आरजेवाय क्षेत्राधिकारः विविध याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा से जुडा याड्र्स का सुधार कार्य तथा अद्यतन कार्य। पूरा करने की अवधिः 12 (महिने), निविदा मूल्य रू.5,63,01,384.00, पूधरा रू.4,31,500.00, बंद करने की तिथिः 4-10-2025

निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्य से जुडा तत्समान स्वभाव का कार्य, अर्हता मानदंड आदि वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों से सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, दमरे, विजयवाडा के नोटिस बोर्ड पर तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल आफिसेज पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए किसी भी निविदा को निरस्त या कैंसल करने का अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) विजयवाडा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https:// ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्न कार्यों हेतु सीई/सी-V।/एससी, निर्माण संगठन, दमरे, सिकंदराबाद द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, एनआयटी नं.22-सीएओ-सी-एससी-2025, दि.9-9-2025, कार्य विवरणःदमरे निर्माण संगठन- कर्नूल पर तुंगभद्रा नदी से रेलवे के लिए जलापूर्तिः ।. 9मी.डाया भीतर तक 02 इनफिल्ट्रेशन वेल्स या बौडियों का निर्माण कार्य। ।।. तुंगभद्रा नदी से सीएमएलआर वर्कशाप तक पाइपलाइने बिछाना। ।।।. पम्प हाउस का निर्माण कार्य तथा अन्य छिटपुट कार्य। विवरणः अनुमानित मूल्य रू.2,64,08,166.58, पूधरा रू.2,82,100.00, पूरा करने की अवधिः 06 (छह) महिने, खोलने की तिथिः 06-10-2025 के 15.00 बजे

।) बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** https:// ireps.gov.in पर लागिन करें।

।।) निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले अर्थात् तत्संबंधित पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

।।।) निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्रों(केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य प्रशासन अधिकारी/निर्माण /सिकंदराबाद

A1401

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया वेबसाइट्स https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

एक ही दिन में 11,930 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति : तुम्मला

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि गुरुवार को तेलंगाना में लगभग 11,930 मीट्रिक टन यूरिया पहुंचा, जिसमें से पिछले दो दिनों में 23,000 मीट्रिक टन की आपूर्ति की गई है। शनिवार तक 5,680 मीट्रिक टन और आने की उम्मीद है, और अगले चार दिनों में कई उर्वरक कंपनियों के माध्यम से 27,650 मीट्रिक टन यूरिया पहुंच जाएगा। वर्तमान में, 11 रेक मिर्यालगुडा, करीमनगर, मंचेरियल, पेद्दापल्ली, आदिलाबाद, तिम्मापुर, वारंगल और सनथनगर स्थित रेक पॉइंट्स पर पहुंच रहे हैं। 12 से 18 सितंबर के बीच 11 और रेक पंडिल्लापल्ली और निजामाबाद सहित अन्य पॉइंट्स पर पहुंचने की योजना है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्बाध वितरण सुनिश्चित करने के लिए किसान मंचों पर बिक्री केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए।

तुम्मला ने केंद्र पर दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रामागुंडम उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (आरएफसीएल) कारखाने को पुनर्जीवित करने का भी दबाव डाला। बाद में, मंत्री ने उन्नत फसल प्रौद्योगिकियों पर सहयोग की संभावनाओं पर विचार करने के लिए आईसीआरआईएसएटी के अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने आईसीआरआईएसएटी के साथ साझेदारी को मजबूत करने का स्वागत किया, जिसने तकनीकी सहायता की पेशकश की और उन्हें अपने हैदराबाद परिसर में आमंत्रित किया। उप महानिदेशक (अनुसंधान) डॉ. स्टैनफोर्ड ब्लेड और डॉ. हरि किशन सुदिल ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

इसके अलावा, मंत्री ने नीदरलैंड स्थित एक एआई फर्म के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और अधिकारियों को एआई कंपनियों के साथ मिलकर एक सरकारी समर्थित मोबाइल ऐप विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों को फसल प्रबंधन और सरकारी योजनाओं पर वास्तविक समय पर समाधान उपलब्ध कराया जा सके।

सरकारी डिग्री कॉलेजों से दूरी बना रहे हैं छात्र

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्नातक शिक्षा के लिए सबसे ज्यादा मांग वाले संस्थान, निजाम कॉलेज में डिग्री की सीटें पारंपरिक रूप से डिग्री ऑनलाइन सर्विसेज तेलंगाना (डीओएसटी) के पहले या दूसरे चरण की काउंसलिंग में ही भर जाती हैं। हालांकि, इस साल मामला अलग है। हाल के दिनों में पहली बार, डीओएसटी 2025 काउंसलिंग के सभी दौर के बाद निजाम कॉलेज में 200 से अधिक सीटें खाली रह गई हैं। सिर्फ़ निजाम कॉलेज ही नहीं, हैदराबाद के शीर्ष सरकारी डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालय कॉलेजों में भी इस साल सैकड़ों सीटें खाली रहीं। इंदिरा प्रियदर्शिनी सरकारी महिला डिग्री कॉलेज (स्वायत्त), नामपल्ली में लगभग 500 सीटें खाली हैं, जबकि गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, बेगमपेट और उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस, सैफाबाद में क्रमशः 267 और 265 रिक्त सीटें हैं।

इस साल, शीर्ष 12 सरकारी डिग्री कॉलेजों में से लगभग 3,000 में कोई दाखिला नहीं मिला, जबकि पहले ये सीटें बहुत ज़्यादा बिकती थीं। कुल मिलाकर, राज्य भर के सरकारी और विश्वविद्यालय संचालित डिग्री कॉलेजों में लगभग 35,000 सीटें खाली रहीं। टीजीसीएचई के अध्यक्ष और दोस्त 2025 के संयोजक प्रो.वी. बालाकिस्ता रेड्डी ने कहा, शीर्ष कॉलेजों की सभी सीटें पहले और दूसरे चरण में ही उम्मीदवारों को आवंटित कर दी गई थीं। हालांकि, उम्मीदवार उनमें शामिल नहीं हुए। हो सकता है कि उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं बदल ली हों और इंजीनियरिंग प्रोग्राम चुन लिए हों।

कल्याणकारी आवासीय डिग्री कॉलेजों की स्थिति सरकारी डिग्री कॉलेजों से कहीं ज़्यादा खराब है। इन कॉलेजों में 12,357 सीटें खाली हैं, जो भरी हुई सीटों की संख्या से कहीं ज्यादा है। कुल मिलाकर, 3,77,907 प्रवेश वाले 830 डिग्री कॉलेजों ने 2,08,895 सीटें खाली होने की सूचना दी है। रिक्तियों की बड़ी संख्या के कारण टीजीसीएचई को पहली बार सरकारी डिग्री कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में भी तत्काल प्रवेश आयोजित करने के लिए प्रेरित किया गया है। सभी सरकारी डिग्री कॉलेजों और निजी सहायता प्राप्त कॉलेजों में स्पॉट एडमिशन 15 और 16 सितंबर को निर्धारित हैं।

बूरा नरसैया गौड़ ने मुख्यमंत्री से ग्रुप-1 परीक्षाएं दोबारा कराने की मांग की

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नवनियुक्त भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. बूरा नरसैया गौड़ ने शुक्रवार को अपनी नियुक्ति पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार का आभार व्यक्त किया। राज्य पार्टी कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य में ग्रुप-1 के उम्मीदवारों और बेरोजगारी की समस्याएं अवर्णनीय हैं और उन्होंने आगे कहा कि ग्रुप-1 के उम्मीदवार भविष्य में आईएएस और आईपीएस अधिकारी बनेंगे। उन्होंने आरोप लगाया, आम तौर पर, सभी राज्यों के प्रशासन में अखिल भारतीय आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति कोटे के अनुसार की जाती है। लेकिन तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, ग्रुप-1 की नियुक्तियां ठीक से नहीं हुईं। पिछली केसीआर सरकार 10 साल तक सत्ता में रही, लेकिन उसने केवल एक ही परीक्षा आयोजित की। उस परीक्षा में भी, प्रश्नपत्र और परीक्षा केंद्र कुछ लोगों को व्यवसाय की तरह बेचे गए। कई जगहों पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई। गौड़ ने यह भी आरोप लगाया कि तेलंगाना लोक सेवा आयोग ने इस मामले को एक व्यवसाय बना दिया है और कहा कि लोक सेवा परीक्षाओं के मामले में पिछली बीआरएस सरकार की विफलता के कारण युवाओं और बेरोजगारों में गुस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया, इसके बाद, सीएम रेवंत रेड्डी ने पहले ही साल में 2 लाख नौकरियां भरने का वादा किया और सत्ता में आने के बाद उन्हें धोखा दिया। कांग्रेस शासन के 22 महीने बीत चुके हैं। किया गया वादा पूरा नहीं हुआ है। तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं की नौकरी पाने की उम्मीदें धराशायी हो गई हैं। उच्च न्यायालय ने टीजीपीएससी द्वारा ग्रुप-1 के पदों को भरने के लिए आयोजित मुख्य परीक्षा में अनियमितताएं पाई हैं, परीक्षा केंद्रों का प्रबंधन कुछ कोचिंग संस्थानों द्वारा किया गया था, कुछ परीक्षा केंद्रों में परीक्षा देने वालों को समान अंक दिए गए और फिर रैंक दी गई, बड़े पैमाने पर नकल और प्रबंधन किया गया। यह देखते हुए कि उच्च न्यायालय ने टीजीपीएससी को ग्रुप 1 परीक्षा का पुनर्मूल्यांकन या पुनर्संचालन करने के आदेश जारी किए हैं, उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, सीएम रेवंत रेड्डी ने इस मुद्दे को राजनीतिक भटकाव में बदल दिया है और बेरोज़गारों की समस्याओं और कर्मचारियों के अधिकारों की अनदेखी करते हुए तुरंत परीक्षा आयोजित करने के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाए हैं।

कुशाईगुडा रियल व्यवसायी की हत्या

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर की सीमा के अंतर्गत कुशाईगुडा में एक रियल एस्टेट व्यवसायी की हत्या से हड़कंप मच गया है। कुशाईगुडा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत मंगापुर कॉलोनी में श्रीकांत रेड्डी नाम के एक रियल एस्टेट व्यवसायी की हत्या कर दी गई। हमलावर ने कॉलोनी में सबके सामने उस पर चाकू से कई वार किए। बाद में, जब वह भाग रहा था, स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

तेंदुए के हमले में मवेशी चराने वाला बाल-बाल बचा

मेदक, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अगर साथी पशुपालकों ने समय पर प्रतिक्रिया नहीं की होती तो तेंदुआ मुझे मार देता। यह बातें पटनम राजू (25) ने कही, जो गुरुवार दोपहर चेगुंटा मंडल के करीमनगर गांव के पास वन क्षेत्र में तेंदुए के हमले से बच गए। राजू जंगल में अपनी बकरियां चरा रहा था, तभी एक झाड़ी में छिपा तेंदुआ अचानक एक बकरी पर झपटा। उसने बकरी की गर्दन पकड़ ली और उसे झुंड से दूर खींचने की कोशिश की। मैंने चिल्लाकर, डंडे और पत्थर फेंककर उसे बचाने की कोशिश की, वह याद करते हुए कहता है।

तेंदुआ बकरी को गिराकर झाड़ियों में छिप गया, जिससे राजू को घायल बकरी को बचाने का मौका मिल गया। लेकिन जैसे ही राजू बकरी को गोद में उठाकर आगे बढ़ा, तेंदुआ वापस लौट आया और पीछे से अपने पंजे से उस पर वार कर दिया। राजू ने बताया, मैंने मदद के लिए चिल्लाया और मेरे साथी लाठी-डंडे और पत्थर लेकर जोर-जोर से शोर मचाते हुए दौड़े। वे किसी तरह तेंदुए को जंगल में भगाने में कामयाब रहे। फिर उसे उसके झुंड के साथ सुरक्षित गांव वापस पहुंचाया गया।

गांजा की खेती करने के आरोप में गिरफ्तार

आदिलाबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुडीहातनूर मंडल के थोसम गांव में शुक्रवार को गांजा की खेती के आरोप में एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने लगभग 62.7 लाख रुपये मूल्य के 627 गांजे के पौधे जब्त किए। दो अन्य फरार हैं। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर इकोडा और सीसीएस पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान थॉसम निवासी मार्सकोला देवराव को गिरफ्तार किया गया। देवराव अपने दो बेटों जगन और नागेश के साथ प्रतिबंधित फसल उगाते हुए पाया गया। उसके बेटे अभी भी फरार हैं।

अखिल ने गांजा की खेती करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और कहा कि ऐसे अपराधियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल जिले भर में गांजा की खेती करने वाले 240 लोगों के खिलाफ 120 मामले दर्ज किए गए और उनसे लगभग 600 पौधे जब्त किए गए।

अग्रवाल समाज बैडमिंटन टूर्नामेंट कल

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराज श्री अग्रसेन जी की 5149वी जयंती के अवसर पर पिछले कुछ वर्षों से नियमित आयोजित होने वाला बैडमिंटन टूर्नामेंट इस वर्ष समाज की मानसरोवर शाखा के तत्वाधान में कल रविवार 14 सितंबर की सुबह 9:00 बजे से यूसुफ़गुड़ा स्थित कोटला विजय भास्कर रेड्डी इनडोर स्टेडियम में संपन्न होगा। जयंती महोत्सव के प्रचार-प्रचार और मीडिया कमेटी के चेयरमैन डॉ. दिलीप पंसारी के द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार खेल-कूद के क्षेत्र में जानी-मानी हस्ती और प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी श्रीवल्ली रश्मिका भामीडीपति इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि होंगी।

इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, मंत्री विकास केशान, सह मंत्री और अग्रसेन जयंती उत्सव की प्रधान संयोजिका डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष अंचल गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल और अन्य भी उपस्थित होंगे। जयंती संबंधित स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन रमेश चंद्र अग्रवाल और वाइस चेयरमेन रोहित जैन, नीरज मोर, धीरज अग्रवाल और दिनेश अग्रवाल ने कल संपन्न होने वाले टूर्नामेंट में लगभग 150 से 200 के भाग लेने का अनुमान जताया।

टूर्नामेंट की आयोजक मानसरोवर शाखा के पदाधिकारियों मनीष ट्रोलिया, राजेश सराफ और अभिराल बंसल के अनुसार आयोजन संबंधित सभी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गयी है। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की केंद्रीय समिति और मानसरोवर शाखा के पदाधिकारियों तथा जयंती महोत्सव समिति के सदस्यों ने सभी समाज बंधुओ से कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

एनआईआईएमएच द्वारा आयुर्वेद और पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस) के अधीन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच) ने 10वें आयुर्वेद दिवस समारोह और पोषण माह के रूप में आयुर्वेद और सही पोषण पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम डॉ.जी.पी. प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रभारी) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। आयुर्वेद दिवस 23 सितंबर को मनाया जाएगा, जो पहले धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) के दिन मनाया जाता था। यह बदलाव भारत सरकार द्वारा मार्च 2025 में जारी एक अधिसूचना के बाद हुआ है।

23 सितंबर की तारीख इसलिए चुनी गई है क्योंकि यह दिन शरद विषुव के साथ मेल खाता है, जब दिन और रात की अवधि लगभग बराबर होती है। यह खगोलीय घटना प्रकृति में संतुलन का प्रतिनिधित्व करती है, जो आयुर्वेद के केंद्रीय सिद्धांत 'मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन' के साथ मेल खाती है। इस साल की आधिकारिक थीम लोगों और धरती के लिए आयुर्वेद है, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और पारिस्थितिक स्थिरता को बढ़ावा देने में आयुर्वेद की भूमिका पर जोर देती है। इसी कडी में, शासकीय विद्यालय, मलकपेट में एक शैक्षणिक व्याख्यान आयोजित किया गया।

जिसमें डॉ. सुबोस, सहायक निदेशक (आयुर्वेद) के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने भाग लिया। डॉ. सुबोस ने छात्रों को आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों और अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने सही पोषण के लिए आयुर्वेदिक नियमों पर मार्गदर्शन दिया। के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक ने प्रधानाचार्य श्रीमती कल्पना को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

कुमावत समाज उप्पल की नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल कांचवानी सिंगारम स्थित समाज भवन में कुमावत समाज बन्धुओं के सानिध्य में आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसहमति से किया गया।

जिसमें संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष भियाराम मंगलोंड़ा चुने गये।

प्रेस विज्ञप्ति में नवनिर्वाचित सचिव रमेश अडाणीया ने बताया कि आगामी कार्यकाल के लिए सर्वसहमति से संरक्षक अमरचन्द अडाणीया की अध्यक्षता में नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, परामर्शदाता श्रवणकुमार मालीवाड़, अध्यक्ष भियाराम मंगलोड़ा, उपाध्यक्ष लिखमाराम मनावत, सचिव रमेश अडाणीया, कोषाध्यक्ष नोरतमल ऐकलिया, सहसचिव हड़मान बाकरेचा, सलाहकार मंत्री बंसीलाल बावलेचा, खेल मंत्री तेजाराम अडाणीया, मदनलाल बोड़ावड़, प्रचार मंत्री हरजी बाकरेचा सर्वसहमति से चुने गये। नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाकर समाज बन्धुओं द्वारा विशेष सम्मान किया गया।

अवसर पर पुरानी कार्यकारिणी को सम्मान के साथ विदाई दी गयी। अध्यक्ष चुने जाने पर भियाराम मंगलोड़ा ने समाज बन्धुओं का आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि सभी के हित में कार्य करेंगे। संरक्षक अमरचन्द अडाणीया के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सीपी राधाकृष्णन...

इसके बावजूद उन्होंने शिकायत नहीं की और संगठन में सक्रिय रहे। राधाकृष्णन 2004 से 2007 तक तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष रहे और 19,000 किमी लंबी रथयात्रा निकाली। इसमें नदियों को जोड़ने, आतंकवाद खत्म करने, समान नागरिक संहिता लागू करने और नशे के खिलाफ आवाज उठाई। 2020 से 2022 तक वे भाजपा के केरल प्रभारी रहे।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व किया :

2004 में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में शामिल हुए और ताइवान गए पहले संसदीय दल के सदस्य भी रहे। 2016 में उन्हें कोच्चि स्थित कॉयर बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया। उनके कार्यकाल में भारत का कॉयर निर्यात रिकॉर्ड 2,532 करोड़ रुपये तक पहुंचा।

नेपाल की पहली...

कौन हैं सुशीला कार्की :

सुशीला कार्की का जन्म सात जून 1952 को विराटनगर में हुआ था। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। इसके अलावा उन्होंने कानून की पढ़ाई नेपाल की त्रिभुवन यूनिवर्सटी से की। इसके बाद वकालत और कानूनी सुधारों के क्षेत्र में अपने करियर की शुरूआत की। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई ऐतिहासिक मामलों की सुनवाई की, जिनमें चुनावी विवाद भी शामिल थे।

नेपाल में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध के खिलाफ हाल में हुए 'जेन जेड' प्रदर्शन में एक भारतीय नागरिक सहित कम से कम 51 लोगों की मौत हुई है। नेपाल पुलिस के सह-प्रवक्ता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रमेश थापा के हवाले से कहा कि मृतकों में एक भारतीय नागरिक, तीन पुलिसकर्मी और अन्य नेपाली नागरिक शामिल हैं।

खबर में कहा गया कि कम से कम 36 शव महाराजगंज स्थित त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में हैं, जहां शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम शुरू हुआ। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार और शुक्रवार को देश के विभिन्न हिस्सों से 17 शव बरामद किए गए।

हिंसा के बाद केपी ओली ने छोड़ दिया प्रधानमंत्री पद :

सोमवार को प्रदर्शन के दौरान काठमांडू में संसद भवन पर धावा बोले जाने के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कम से कम 19 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर छात्र थे। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी सोमवार के प्रदर्शन के दौरान हुई मौतों के विरोध में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए उनके कार्यालय में घुस गए थे। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

महामुकाबले से पहले 'प्रोजेक्ट सैमसन' का खुलासा अश्विन ने गंभीर-सूर्या के बड़े दांव पर से हटाया पर्दा

दुबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को एशिया कप 2025 के पहले मैच में बड़ा मौका मिला। बुधवार को भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें यूएई के खिलाफ प्लेइंग-11 में शामिल कर बड़ा संकेत दिया कि सैमसन पर उनका भरोसा मजबूत है। अब इस पर रविचंद्रन अश्विन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले से चौंक गए।

लंबे समय से टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर रहे टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा हैं, जिससे यह कयास लगाए जा रहे थे कि क्या सैमसन को मौका मिलेगा? लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट से पहले साफ कर दिया कि टीम सैमसन का खास ख्याल रख रही है।

मिडिल ऑर्डर में मिली जगह

गिल की गैरमौजूदगी में सैमसन हाल के मैचों में अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग कर रहे थे। हालांकि, यूएई के खिलाफ पहले मुकाबले में उन्हें मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करने भेजा गया। यह टीम रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, ताकि पारी को स्थिरता दी जा सके। यह कदम टीम मैनेजमेंट के सैमसन पर विश्वास को दर्शाता है।

आर अश्विन का विश्लेषण

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब शो 'ऐश की बात' में इस फैसले की तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं हैरान हूं, लेकिन बेहद खुश भी हूं कि सैमसन को इतना बैकिंग मिल रहा है। कोच और कप्तान का उन पर विश्वास गजब का है। सूर्यकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि- 'हम उनका ख्याल रख रहे हैं' और यह साफ दिख रहा है। अगर सैमसन खेल रहे हैं तो उन्हें पावरप्ले में बड़ा रोल निभाना होगा। अगर शुरुआती विकेट गिरता है तो सैमसन को तुरंत भेजना चाहिए।

'प्रोजेक्ट संजू सैमसन' का खुलासा

अश्विन ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि संजू सैमसन ने खुद उन्हें अपने और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच हुई बातचीत के बारे में बताया। अश्विन ने कहा, 'संजू ने मुझसे इंटरव्यू में कहा कि गंभीर ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि अगर वह लगातार 21 बार भी शून्य पर आउट हों, तब भी उन्हें 22वें मैच में मौका मिलेगा। यही है 'प्रोजेक्ट संजू सैमसन'। यह दिखाता है कि टीम मैनेजमेंट उन पर कितना भरोसा करता है।'

टीम मैनेजमेंट का विश्वास

इस तरह का भरोसा भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। आमतौर पर खिलाड़ी को लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बाहर कर दिया जाता है, लेकिन इस बार टीम मैनेजमेंट ने साफ कर दिया है कि वह सैमसन के साथ लंबी पारी खेलना चाहते हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव सैमसन को टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं।

आने वाले मैचों में बड़ी भूमिका

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप के हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले इस तरह का भरोसा सैमसन के आत्मविश्वास को और बढ़ा देगा। अगर उन्हें लगातार मौके मिलते हैं, तो वह अपनी काबिलियत से टीम को बड़ी जीत दिला सकते हैं। भारतीय टीम के लिए यह रणनीति आने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी का भी हिस्सा मानी जा रही है। अगले साल टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका की सह-मेजबानी में होना है।

भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिए योजना तैयार : खेल मंत्री

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिए 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा।

मांडविया ने कहा, 'भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आएगी। इसे लागू करने के लिए नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे।'

बिजनेस आफ स्पोर्टस समिट 2025' में खेलमंत्री ने कहा, 'हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो। इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आएं। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा।'

खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को

जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'इसके लिए मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आए।'

उन्होंने कहा कि खेलों में अच्छे प्रशासन के लिए सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें।

उन्होंने कहा, 'पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है। खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान हैं।' मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य हर पोडियम पर भारत का परचम लहराना होना चाहिए।' खेलमंत्री ने कहा, 'इसके लिए खेलों को जन आंदोलन में बदलना होगा। हमें खेलों से जुड़े हर हितधारक को साथ लेकर आगे बढ़ना है और यह एक सामूहिक मिशन होना चाहिए जिससे हर नागरिक जुड़ा हो और भारत में खेलों की प्रगति में योगदान दे सके।'

सात्विक-चिराग की जोड़ी का शानदार प्रदर्शन जारी हांगकांग ओपन के सेमीफाइनल में बनाई जगह

हांगकांग, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने शुक्रवार को मलयेशिया के आरिफ जुनैदी और रॉय किंग याप की जोड़ी को 21-14, 20-22, 21-16 से हराया। भारतीय जोड़ी ने इस दौरान बेहतर तालमेल का नमूना पेश किया और मलयेशियाई जोड़ी को 64 मिनट में ही परास्त कर दिया।

धीमी शुरुआत के बाद किया बेहतर प्रदर्शन

सात्विक और चिराग की आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने धीमी शुरुआत की, लेकिन एक बार जब स्कोर 12-12 हो गया तो उन्होंने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और लगातार पांच अंक बना कर पहला गेम जीता। मलयेशियाई खिलाड़ियों ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल करके अच्छी वापसी की। उन्होंने स्कोर 6-6 से बराबर किया और इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। लेकिन सात्विक और चिराग ने अच्छी वापसी करके स्कोर 20-20 से बराबर कर दिया। आरिफ-याप की जोड़ी ने हालांकि अगले दो अंक बनाकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने बेहतर खेल दिखाया और मलयेशिया की जोड़ी को एक बार भी बढ़त हासिल नहीं करने दी और मैच अपने नाम किया। सात्विक और चिराग ने गुरुवार को थाईलैंड के पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की थी।

50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेहुली-मानिनी का खराब प्रदर्शन

निंगबो (चीन), 12 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष और मानिनी कौशी ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। मेहुली ने क्वालीफिकेशन राउंड में 583 अंक बनाकर 23वां स्थान हासिल किया, जबकि मानिनी 66 निशानेबाजों के बीच 580 अंक के साथ 45वें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में भाग ले रही तीसरी भारतीय निशानेबाज सुरभि भारद्वाज 578 अंक के साथ 52वें स्थान पर रहीं। बाकू विश्व चैम्पियनशिप 2023 में 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीतने वाली मेहुली ने नीलिंग पोजिशन में 98 के स्कोर के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगली सीरीज में वह 96 अंक ही बना पाई जिससे उनका कुल स्कोर 194 रहा। उन्होंने प्रोन पोजिशन में शानदार वापसी की और 99 तथा 97 का स्कोर करते हुए कुल 196 का स्कोर बनाया, लेकिन स्टैंडिंग पोजिशन में उन्होंने 95 अंक बनाकर खराब शुरुआत की। अगले 10 शॉट में 98 का स्कोर करने से भी कोई मदद नहीं मिली और वह स्टैंडिंग पोजिशन में केवल 193 का स्कोर ही बना सकीं।

मैं फिर आ रहा हूं : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा मैदान पर वापसी के लिए बेताब हैं। गुरुवार को हिटमैन ने सोशल मीडिया पर नेट्स का वीडियो साझा किया, जिसमें वह जमकर बल्लेबाजी का अभ्यास करते दिख रहे हैं। बता दें कि, दाएं हाथ के बल्लेबाज अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। उनके साथ विराट कोहली की भी मैदान पर वापसी होगी।

'मैं आ रहा हूं'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी के लिए रोहित शर्मा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में हिटमैन के वनडे से संन्यास को लेकर दावा किया गया था, जिन्हें अब रोहित ने खारिज कर

दिया है। उन्होंने जो वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया है, इसमें उन्हें कहते सुना गया, 'मैं फिर से आ रहा हूं। यहां मुझे अच्छा लग रहा है।' बता दें कि, भारतीय वनडे टीम के मौजूदा कप्तान ने इस साल टेस्ट क्रिकेट और 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 212 का हाईएस्ट स्कोर शामिल है। अब उनका पूरा ध्यान वनडे क्रिकेट पर है। उनकी वापसी का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते आए थे नजर

रोहित की वापसी अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से हो सकती है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

भारत-पाक मैच से पहले शाहिद अफरीदी का जहरीला बयान

दुबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ जहर उगलने से पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी बाज नहीं आ रहे हैं। एक बार फिर एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच से पहले अफरीदी का एक विवादित बयान वायरल हो रहा है। अफरीदी एक वायरल वीडियो में कहते हुए दिख रहे हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है।

भारत बनाम पाकिस्तान मैच के बहिष्कार की मांग उठ रही थी क्योंकि पहलगाम हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े थे, जिसमें आतंकवादियों ने 26 भारतीय लोगों को मारा था। इसके बाद भी शाहिद अफरीदी ने भारत के खिलाफ जहर उगला था। और अब जब भारत बनाम पाकिस्तान मैच होने में कुछ दिन बचे हैं, एक बार फिर उन्होंने ऐसा ही जहरीला बयान दिया है।

अफरीदी ने ये बातें पाकिस्तान के मीडिया चैनल पर कहीं, जिसका एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह अनर्गल बातें करते हुए कह रहे हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है। वह यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि कुछ खिलाड़ी तो जन्म से खुद को हिंदुस्तानी साबित करने में लगे हैं और अब एशिया कप 2025 में कमेंट्री भी कर रहे हैं।

शाहिद अफरीदी ने क्या कहा

वहां पर बहुत ज्यादा है। वो घरों तक पहुंच जाते हैं, घर जलाने की धमकियां देते हैं उन प्लेयर्स को, तो अब मैं क्या कहूं। कुछ ऐसे हैं जो अभी तक साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी है। जब से वो पैदा हुए हैं यही साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। और फिर एशिया कप में जाकर कमेंट्री भी कर रहे हैं।

दुबई में कम दिख रहा है भारत-पाकिस्तान मैच का क्रेज!

पहलगाम हमले के बाद भारत में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बहिष्कार की भी मांग उठी, हालांकि सरकार ने साफ किया कि हम उनके साथ किसी भी खेल में द्विपक्षीय मुकाबला नहीं खेलेंगे लेकिन मल्टीटीम टूर्नामेंट (इंटरनेशनल या एशिया कप टूर्नामेंट) में खेलेंगे। हालांकि 14 सितंबर को होने वाले मैच को लेकर फैंस में पहले जैसा क्रेज देखने को नहीं मिल रहा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खबर लिखे जाने तक स्टेडियम के सभी स्टैंड्स में टिकट उपलब्ध हैं, जबकि इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी में जब दोनों टीमें दुबई में भिड़ी थी तो उस मैच के टिकट कुछ घंटों में बिक गए थे।

भारत-पाकिस्तान मैच से पहले हरभजन सिंह का बड़ा बयान

दुबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में रविवार को भारत बनाम पाकिस्तान मैच है, जिसको लेकर काफी चर्चा है। पहलगाम हमले के बाद पहली बार ये दोनों टीमें आपस में खेल रही हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने एक बार फिर इस मैच को लेकर कहा कि ये नहीं होना चाहिए, उन्होंने कहा कि जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहतर नहीं हो जाते तब तक न तो क्रिकेट और न ही व्यापार होना चाहिए।

हरभजन सिंह ने कहा कि क्रिकेट में एक दूसरे के साथ खेलने से पहले दोनों देशों के रिश्तों में सुधार होना जरूरी है। बता दें कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले में आतंकवादियों ने 26 भारतीय लोगों को मारा था। इसके तार पाकिस्तान से जुड़े होने के कारण भारत में पड़ोसी देश को लेकर

गुस्सा है। इससे पहले वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया था।

भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर क्या बोले भज्जी

हरभजन सिंह ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भारत बनाम पाकिस्तान मैच हमेशा से सुर्खियों में रहता है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए, हम वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स खेल रहे थे, हमने पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेला।

भज्जी ने आगे कहा, हर किसी की अपनी सोच है, लेकिन मेरे अनुसार जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते नहीं सुधर जाते तब तक क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए, लेकिन ये मेरी राय है। सरकार कहती है कि मैच हो सकता है तो होना चाहिए, लेकिन दोनों देशों के बीच रिश्ते भी सुधरने चाहिए।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट नहीं बिके!

इस बार भारत बनाम पाकिस्तान मैच का क्रेज भी कम दिख रहा है। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हो कि पहले जहां इन दोनों टीमों के बीच होने वाले मैच के टिकट कुछ घंटे में बिक जाया करते थे वो इस बार नहीं दिखा। इस मैच के लिए लगभग हर स्टैंड के टिकट अभी उपलब्ध हैं।

सुपर-4 में भारत का सामना जापान से, पिछले मैच को भुलाकर मिले मौकों का उठाना होगा फायदा

हांगझोउ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में चीन से मिली (4-1 से) करारी हार से आहत भारतीय टीम को अब फाइनल में पहुंचने के लिए सुपर-4 चरण के आखिरी मुकाबले में जापान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा और भारत को फाइनल में जगह बनाने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत है।

पूल चरण में भारत ने जापान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला था, जिससे उसे आत्मविश्वास मिलेगा। वहीं, चीन पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है। टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

चीन के खिलाफ हार इस टूर्नामेंट में पहली हार

सुपर-4 के मैच में चीन के खिलाफ भारत की हार उसकी टूर्नामेंट की पहली हार थी। इससे पहले तक भारतीय टीम अजेय रही थी। हालांकि स्कोरलाइन 1-4 रही,

लेकिन भारत ने पूरे मैच में दमदार चुनौती दी और गेंद पर अधिकतर समय नियंत्रण बनाए रखा। इस मैच में भारत ने कई मौके बनाए, लेकिन फिनिशिंग कमजोर रही। खास तौर पर तीन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील न कर पाने की कीमत टीम को हार के रूप में चुकानी पड़ी।

खराब फिनिशिंग चिंता का कारण

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के लिए टीम की खराब फिनिशिंग चिंता का कारण है। वह उम्मीद कर रहे हैं कि उनकी स्ट्राइकर लाइन मौके बनाने के साथ-साथ उन्हें भुनाने में भी सफल होगी। मुमताज खान टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कुछ बेहतरीन मैदानी गोल किए हैं। हालांकि उन्हें नवनीत कौर जैसी अनुभवी खिलाड़ियों से अधिक सहयोग की आवश्यकता है।

कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गिरावट आई

टीम की अन्य खिलाड़ी जैसे रुतुजा दादासो पिसल, लालरेमसियामी, उदिता, शर्मिला देवी और ब्यूटी डुंग डुंग से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इन खिलाड़ियों ने शुरुआत में अच्छा खेल दिखाया, लेकिन बाद के मैचों में प्रदर्शन में गिरावट आई है।

कप्तान सलीमा टेटे से भी बेहतर लीडरशिप की उम्मीद

मध्य पंक्ति की बात करें तो नेहा गोयल और वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने संतुलित खेल दिखाया है, लेकिन उन्हें अग्रिम पंक्ति को अधिक अवसर देने की जरूरत है। कप्तान सलीमा टेटे से भी बेहतर लीडरशिप और प्रेरणादायक प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जो अब तक अपेक्षा से कम रहा है।

भारत की रैंकिंग विश्व में नौवें स्थान पर

वर्तमान में भारत की रैंकिंग विश्व में नौवें स्थान पर है और वह चीन के बाद टूर्नामेंट में दूसरी सबसे उच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप का खिताब जीतने वाली टीम को अगले वर्ष बेल्जियम और नीदरलैंड में 15 से 30 अगस्त के बीच होने वाले विश्व कप के लिए सीधी एंट्री मिलेगी। ऐसे में भारत के लिए शनिवार का मुकाबला निर्णायक साबित हो सकता है।

'पता नहीं उसे मैं याद होऊंगा या नहीं' मैच के बाद गिल ने यूएई के सिमरनजीत को लगाया गले

दुबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में भारत और यूएई के बीच भले ही मुकाबला एकतरफा रहा, लेकिन मैच के बाद का एक पल क्रिकेट फैंस के दिल जीत ले गया। टीम इंडिया के उप-कप्तान शुभमन गिल ने जीत दिलाने के बाद यूएई के स्पिनर सिमरनजीत सिंह को गले लगाया। यह पल कैमरे में कैद हुआ और सोशल मीडिया पर छा गया।

बचपन की दोस्ती आई याद

सिमरनजीत सिंह ने मैच से पहले ही एक इंटरव्यू में बताया था कि वह शुभमन गिल को बचपन से जानते हैं। उन्होंने बताया था 'मैं शुभमन को तब से जानता हूं, जब वह बच्चा था लेकिन पता नहीं उसे मैं याद हूं या नहीं। यह 2011-12 की बात होगी जब शुभमन 11 या 12 साल का रहा होगा। हम मोहाली में पीसीए अकादमी पर सुबह छह से 11 बजे तक अभ्यास करते थे। शुभमन अपने पिता के साथ सुबह 11 बजे आता था। मैं अपने नेट सत्र के बाद काफी अतिरिक्त गेंदबाजी करता था।

पता नहीं अब वह मुझे पहचानेगा या नहीं, लेकिन उन दिनों मैंने उसे काफी गेंदबाजी की है।'

जीत के बाद गले लगाकर तोड़ी झिझक

भारत ने 57 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 4.3 ओवर में जीत हासिल की। शुभमन गिल ने नौ गेंदों पर नाबाद 20 रन बनाते हुए आखिरी चौका लगाया। इसके तुरंत बाद गिल सिमरनजीत के पास गए और उन्हें गले लगा लिया। इस एक जेस्चर ने सिमरनजीत के चेहरे पर मुस्कान ला दी और फैंस को भी इमोशनल कर दिया। गिल ने ऐसा करके यह साफ कर दिया कि वह उन्हें अच्छी तरह याद रखते हैं। यह पल देखकर सिमरनजीत भी मुस्कुरा उठे।

फैंस बोले 'यही है क्रिकेट की खूबसूरती'

जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर आया, फैन्स के रिएक्शन की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा, 'गिल ने न सिर्फ मैच जीता, बल्कि दिल भी जीत लिए।' दूसरे फैन ने कहा, 'इसलिए क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, इमोशन है। ऐसे पलों को देखना हमेशा खास रहता है।' यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लाखों लोग इसे शेयर कर रहे हैं।

टीम इंडिया की धमाकेदार शुरुआत

मैच की बात करें तो कुलदीप यादव ने चार विकेट लेकर यूएई की बल्लेबाजी को धराशायी कर दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि टीम का रवैया और ऊर्जा शानदार रही। उन्होंने कहा, 'हमें देखना था कि विकेट कैसा खेल रहा है। लड़कों ने वही एटिट्यूड दिखाया जिसकी जरूरत थी। यह जीत हमारे लिए शानदार शुरुआत है।'

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता : अदलुरी लक्ष्मण

आदिवासी कल्याण योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने लंबित बकाया राशि का भुगतान किया : मंत्री

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक कल्याण पहलों को मजबूत करने के लिए एक निर्णायक कदम उठाते हुए, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और विकलांग कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने शुक्रवार को कई उपायों की घोषणा की, जिनमें लंबे समय से लंबित बकाया राशि का भुगतान करने से लेकर हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए एकीकृत स्कूल और आधुनिक छात्रावास शुरू करने तक शामिल हैं। शुक्रवार को सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मंत्री ने छात्र कल्याण, कर्मचारियों के सम्मान और व्यवस्थागत सुधारों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिन्हें पिछली सरकार ने नजरअंदाज कर दिया था। उन्होंने कहा कि आदिवासी कल्याण विभाग के अंतर्गत 11 करोड़ रुपये का लंबित बकाया जारी किया गया है, जिससे पूर्व में उपेक्षित कर्मचारियों को राहत मिली है। इसी प्रकार, जुलाई-अगस्त 2025 के लिए टीजीटीडब्ल्यूआरईआईएस के अनुबंधित, आउटसोर्स और अंशकालिक कर्मचारियों के पारिश्रमिक के लिए 11.53 करोड़ रुपये जारी किए गए। अप्रैल-अगस्त 2025 के लिए विषय सहयोगियों, वरिष्ठ संकाय और खेल प्रशिक्षकों को 2.38 करोड़ रुपये वितरित किए गए। मुख्यालय के कर्मचारियों को 22 लाख रुपये जारी किए गए और स्वच्छता, सफाई और खानपान सेवा शुल्क के लिए 1.04 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसके अलावा, कल्याण कर्मचारियों के हितों की रक्षा करते हुए, जुलाई-अगस्त के लिए 9 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बकाया राशि का भुगतान किया गया।

मंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को आधुनिक शिक्षा सुविधाएं प्रदान करने के लिए सभी निर्वाचन क्षेत्रों में 18 युवा भारत एकीकृत विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, कल्याण छात्रावासों में स्वच्छ भोजन सुनिश्चित करने के लिए शेखपेट और धर्मपुरी में 24-24 लाख रुपये की लागत से पायलट परियोजना के तहत आधुनिक रसोई का निर्माण शुरू किया गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए हैदराबाद के अशोकनगर में एक नया अनुसूचित जाति छात्रावास बनाने की योजना बनाई जा रही है। इसी प्रकार, सरकारी आवंटन के पूरक के रूप में हैदराबाद में स्थायी विद्यालय भवनों के निर्माण के लिए सीएसआर निधि जुटाई जा रही है। अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने पिछली बीआरएस सरकार की प्रगति भवन पर खर्च करने और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के बच्चों के लिए छात्रावासों और स्कूलों की उपेक्षा करने के लिए आलोचना की। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व नेताओं ने कभी कल्याणकारी छात्रावासों में भोजन नहीं किया, जबकि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए छात्रों के साथ भोजन किया है।

अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने केंद्र सरकार से छात्रवृत्ति में अपना हिस्सा बढ़ाने और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण विभागों को अधिक धनराशि आवंटित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी छात्रावासों की प्रभावी निगरानी के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सव्यसाची घोष को विशेष सचिव नियुक्त किया गया है।

ग्रुप-I परीक्षाओं से संबंधित आरोपों का जवाब देते हुए, मंत्री ने कहा कि बिना सबूत के निराधार आरोप टिक नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों के भविष्य से कोई समझौता नहीं करेगी। मंत्री ने दोहराया कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों की शिक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विपक्षी दलों से बच्चों के भविष्य का राजनीतिकरण न करने और रचनात्मक सुझावों के साथ योगदान देने की अपील की।

मेदक आयुध निर्माणी को 1,119 करोड़ रुपये का रक्षा ऑर्डर मिला

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक सांसद रघुनंदन राव ने मेदक संसदीय क्षेत्र के पठानचेरुवु विधानसभा क्षेत्र में स्थित आयुध निर्माणी को मिले 1,119 करोड़ रुपये के ऑर्डर पर प्रसन्नता व्यक्त की है। शुक्रवार को जारी एक बयान में, रघुनंदन राव ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को कई बार उठाया है और केंद्र सरकार के ध्यान में लाया है।

भाजपा सांसद ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और संजय सेठ से भी मुलाकात की और उन्हें इस मामले से संबंधित ज्ञापन सौंपे। राजनाथ सिंह ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, जिसके परिणामस्वरूप आयुध निर्माणी को ऑर्डर देने का निर्णय लिया गया।

इस महत्वपूर्ण ऑर्डर की प्राप्ति पर, रघुनंदन राव ने आयुध निर्माणी के कर्मचारियों और श्रमिकों को बधाई दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मेदक के लोगों के समर्थन से सांसद चुने जाने के बाद से ही वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं और औद्योगिक एवं कृषि विकास जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

महिलाओं के लिए उद्यमी बनने का अवसर : विवेक

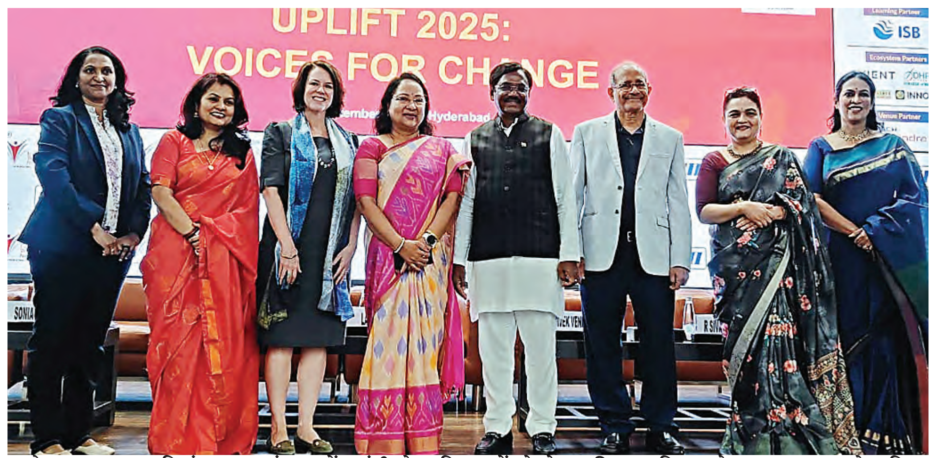

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खान मंत्री डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि तेलंगाना सरकार इंद्र महिला शक्ति पहल के माध्यम से महिलाओं के लिए बहुमूल्य अवसर पैदा कर रही है।

शुक्रवार को हाई-टेक सिटी स्थित टेक महिंद्रा में आयोजित "सीआईआई इंडियन वूमेन अपलिफ्ट - वॉयस फॉर चेंज" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में, मंत्री ने महिलाओं से देश की जीडीपी वृद्धि में सहयोग के लिए व्यावसायिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिलाओं में असाधारण बहु-कार्य क्षमता और लचीलापन होता है, और राज्य के प्रयासों के तहत, उन्हें उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, विवेक वेंकटस्वामी ने यह सुनिश्चित करने में समाज की भूमिका के महत्व पर ज़ोर दिया कि परिवार की प्रत्येक महिला को अवसर प्रदान किए जाएं। मंत्री ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं में अपार क्षमताएं हैं और यदि उन्हें पोषित किया जाए, तो वे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने युवाओं को छोटे निवेश के साथ व्यवसाय शुरू करने और इसे एक चुनौती के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

रंगनाथ ने याकुतपुरा मैनहोल में लापरवाही के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने कहा कि वे याकुतपुरा मैनहोल घटना को गंभीरता से ले रहे हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जिम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। 11 सितंबर को, हैदराबाद के यकतपुरा में एक बच्चा खुले मैनहोल में गिर गया, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया और सफाई कर्मचारियों की लापरवाही को एक कारण बताया गया। इस स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए, आयुक्त रंगनाथ ने घटना पर टिप्पणी की और पुष्टि की कि मैनहोल मामले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा, हाइड्रा इस घटना के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। मानसून की आपात स्थितियों के लिए जिम्मेदार टीम की लापरवाही के कारण यह घटना हुई और दोषी पाए जाने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रंगनाथ ने बताया कि मैनहोल के ढक्कनों को सुरक्षित करने के लिए उचित उपाय किए जा रहे हैं। याकूतपुरा में, स्कूल जाते समय एक बच्चा खुले नाले में गिर गया, लेकिन सौभाग्य से, बच्चे की माँ और आस-पास के निवासियों की त्वरित कार्रवाई से उसे तुरंत बचा लिया गया। माता-पिता मैनहोल को खुला छोड़ने के लिए जिम्मेदार लोगों पर नाराज थे। हालांकि कुछ लोगों ने दावा किया कि स्थिति ठीक थी क्योंकि बच्चे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि अगर परिस्थितियां अलग होतीं तो क्या हो सकता था। आयुक्त ने बताया कि जल बोर्ड के अधिकारियों को पहले ही आगाह कर दिया गया है, जो कोई भी मैनहोल को खुला छोड़ता है, उसके ख़िलाफ़ आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप ज़िम्मेदार लोगों पर जुर्माना या कारावास भी हो सकता है।

कांग्रेस ने कामारेड्डी में बीसी घोषणापत्र विजयोत्सव सभा स्थगित की

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस ने क्षेत्र में भारी बारिश के पूर्वानुमान का हवाला देते हुए सोमवार को कामारेड्डी में होने वाली बीसी घोषणा विजयोत्सव सभा स्थगित कर दी है। पार्टी ने कहा कि जनसभा की नई तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण देने की अनिश्चितता के बीच, कांग्रेस ने कामारेड्डी में एक विशाल बैठक की योजना बनाई थी। मंत्रियों और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया था और व्यापक व्यवस्था की योजना बनाई थी।

विधानसभा में 42 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाने के दो विधेयक पारित करने के बाद, कांग्रेस इस वादे को पूरा करने का श्रेय लेना चाहती थी। हालांकि ये विधेयक राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजे जा चुके हैं, फिर भी पार्टी पर अपने वादे पूरे करने का दबाव बना हुआ है। राज्य सरकार ने पंचायत राज अधिनियम, 2018 और नगर पालिका अधिनियम में संशोधन करने वाले दो विधेयक 31 अगस्त को विधानसभा में और 1 सितंबर को विधान परिषद में पेश किए थे। दोनों सदनों में मंजूरी के बाद, ये विधेयक 2 सितंबर को राज्यपाल की मंजूरी के लिए राजभवन भेजे गए। गुरुवार को अटकलें लगाई गईं कि राज्यपाल ने इन्हें मंजूरी दे दी है, लेकिन राजभवन के सूत्रों ने इसे गलत सूचना बताकर खारिज कर दिया। तेलंगाना कांग्रेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि बारिश के पूर्वानुमान के कारण सार्वजनिक बैठक स्थगित की जा रही है, जिससे कई लोग आश्चर्यचकित हो गए।

भारी बारिश से नलगोंडा-भुवनगिरी रोड बंद

भुवनगिरी, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भुवनगिरी जिले में गुरुवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई सड़कों पर बाढ़ आ गई। नागिरेड्डीपल्ली गांव के पास नलगोंडा-भोंगीर मार्ग बंद कर दिया गया क्योंकि स्थानीय नालों के उफान पर होने के कारण इसका एक बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया। यातायात को सुरक्षित मार्गों की ओर मोड़ दिया गया।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव के कारण, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने यादाद्री भोंगीर और नलगोंडा सहित पूरे तेलंगाना में भारी बारिश की चेतावनी जारी की थी। यादाद्री भोंगीर में सबसे ज़्यादा बारिश दर्ज की गई, जबकि आत्मकुर में 15.40 सेमी और अडागुदुर में 13.13 सेमी बारिश दर्ज की गई। बाढ़ से उफनती मूसी नदी निचले पुलों और पुलों सहित कई जगहों पर उफान पर आ गई। आगे की ओर, रुद्रवेल्ली गांव में भारी बाढ़ आ गई, जिससे मूसी नदी पर बना निचला पुल बंद हो गया। पुल के दोनों ओर कई भारी वाहन फंस गए।

निजी कॉलेजों ने 15 सितंबर से अनिश्चितकालीन बंद की घोषणा की

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया जारी करने में देरी के विरोध में, इंजीनियरिंग और फार्मेसी संस्थानों सहित निजी व्यावसायिक कॉलेजों ने 15 सितंबर से अनिश्चितकालीन बंद की घोषणा की है। तेलंगाना उच्च शिक्षा संघों के महासंघ (एफएटीएचआई) ने शुक्रवार को हैदराबाद में तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकिशन रेड्डी को एक नोटिस सौंपा। प्रबंधन 8,000 करोड़ रुपये के लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया को जारी करने की मांग कर रहे हैं और पहले से उत्पन्न टोकन से संबंधित 1,200 करोड़ रुपये के तत्काल वितरण की मांग कर रहे हैं, जिसके लिए बजटीय आवंटन किया जा चुका है।

एफएटीएचआई के अध्यक्ष एन रमेश ने कहा, सरकार को 18 सितंबर तक वह राशि जारी करनी होगी जिसके लिए टोकन पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अगर जारी किए गए तो हम बंद करने पर पुनर्विचार करेंगे। कॉलेजों ने कहा कि लंबे समय से हो रही देरी के कारण संकाय और कर्मचारियों का वेतन कई महीनों से नहीं दिया गया है, जिससे कई संकाय सदस्यों को बुनियादी जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। इस मुद्दे को सुलझाने के बजाय, सरकार ने शुल्क प्रतिपूर्ति योजना से जुड़ी चेहरे की पहचान आधारित उपस्थिति प्रणाली के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ एक बैठक बुलाई है। रमेश ने कहा, निजी संस्थानों ने 15 सितंबर से कॉलेजों को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का निर्णय लिया है, जो सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती भी है।

कांग्रेस ने अभी तक तय नहीं किया अपना उम्मीदवार

जुबली हिल्स उपचुनाव : बीआरएस आश्वस्त

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अगले महीने होने वाला जुबली हिल्स उपचुनाव तेजी से प्रतिष्ठा की लड़ाई बनता जा रहा है। जबकि बीआरएस ने पहले ही अपनी जमीनी स्तर की तैयारियां शुरू कर दी हैं और अपनी सीट बरकरार रखने के लिए अपने उम्मीदवार को अंतिम रूप देने की कगार पर है, सत्तारूढ़ कांग्रेस ने भी बीआरएस के शहरी गढ़ में प्रवेश करने और राज्य की राजधानी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सभी प्रयास शुरू कर दिए हैं। जून में बीआरएस विधायक मगंटी गोपीनाथ के निधन के बाद यह उपचुनाव अपरिहार्य हो गया था। उनके निधन ने बीआरएस और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर का माहौल बना दिया है, जबकि भाजपा भी अपनी हिस्सेदारी पाने के लिए आतुर है।

बीआरएस पहले ही अपने कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड में लाकर सबसे आगे निकल चुकी है। संभाग स्तर पर प्रभारी नियुक्त किए जा चुके हैं, सर्वेक्षण हो चुके हैं और तैयारी बैठकें शुरू हो चुकी हैं। पार्टी सूत्रों ने पुष्टि की है कि गोपीनाथ की पत्नी मगंटी सुनीता बीआरएस टिकट की प्रमुख दावेदार हैं। हाल ही में हुई एक पार्टी बैठक में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने उन्हें कार्यकर्ताओं से मिलवाया और कहा कि गोपीनाथ ने पार्टी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है, और अब उनके परिवार के साथ खड़े होकर उन्हें इसका बदला चुकाने का समय आ गया है। हाल के सर्वेक्षणों से इसकी उम्मीदें मजबूत हुई हैं और बीआरएस को विश्वास है कि लोग एक बार फिर पार्टी के उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

इसी क्रम में, सुनीता की बेटियों, अक्षरा और दिशिरा ने रहमत नगर में घर-घर जाकर प्रचार शुरू कर दिया है और व्यक्तिगत रूप से वोट मांग रही हैं। तलसानी श्रीनिवास यादव सहित बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं ने संकेत दिया है कि सुनीता की उम्मीदवारी लगभग तय है और पार्टी प्रमुख के चंद्रशेखर राव द्वारा जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है। जुबली हिल्स के तहत छह डिवीजनों के साथ, बीआरएस ने समन्वित प्रयासों को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी के रूप में नियुक्त किया है, जिनमें तक्केलापल्ली रविंदर राव (रहमत नगर), पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी (यूसुफगुडा), केपी विवेकानंद (बोराबांडा), दासोजू श्रवण (शेकपेट), सुधीर रेड्डी (वेंगलराव नगर) और माधवराम कृष्ण राव (एर्रागड्डा) शामिल हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष रामाराव भी तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं, जिससे पार्टी को बढ़त मिल रही है।

कांग्रेस की ओर से, कहा जा रहा है कि पार्टी स्थानीय स्तर पर मजबूत जड़ों वाले किसी पिछड़े वर्ग के नेता को मैदान में उतारने की योजना बना रही है। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पोन्नम प्रभाकर और जी विवेक वेंकटस्वामी को उपचुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हालांकि, पार्टी ने अभी तक किसी उम्मीदवार पर अंतिम रूप नहीं दिया है। भाजपा पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की बेटी विजयलक्ष्मी और नेता लंकाला दीपक रेड्डी सहित कई विकल्पों पर विचार कर रही है, लेकिन कड़ी टक्कर देने की गुंजाइश कम ही है। चुनाव आयोग द्वारा इस महीने के अंत तक जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी करने की उम्मीद है, जो बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम के साथ तालमेल बिठाएगा। अंतिम मतदाता सूची सितंबर के तीसरे सप्ताह में जारी होने वाली है, इसलिए अधिकारियों ने संकेत दिया है कि मतदान दिवाली के आसपास हो सकता है। परिणाम नवंबर के पहले सप्ताह में घोषित होने की संभावना है।

केटीआर ने भाजपा पर ग्रुप-1 परीक्षा घोटाले में कांग्रेस को बचाने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने शुक्रवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि वह ग्रुप-1 परीक्षा घोटाले पर जानबूझकर चुप्पी साधे हुए है, जबकि उच्च न्यायालय ने घोर अनियमितताओं के कारण परीक्षा रद्द करने का निर्देश दिया था।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अनियमितताओं में मूक भागीदार बन गई है।

उन्होंने कहा, बड़े भाई की भाजपा छोटे भाई की रक्षा कर रही है और किसी को भी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाने दे रही है। रामाराव ने सवाल किया कि बीआरएस शासनकाल में हर मुद्दे की सीबीआई जांच की मांग करने वाले भाजपा नेता, वर्तमान कांग्रेस सरकार में ऐसी मांग क्यों नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भाजपा की ओर से उन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है जिनमें कहा गया था कि कांग्रेस नेताओं ने निजी फायदे के लिए सरकारी नौकरियां बेचीं, जो उनके गुप्त समझौते का संकेत है। उन्होंने चेतावनी दी कि तेलंगाना की जनता इस मिलीभगत को माफ नहीं करेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.